MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | रविवार, 27 सितंबर, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 12 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-265

आयोग एकजुट

SIR फैसला सर्वसम्मति से

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों निर्वाचन आयुक्तों के बीच असहमति की खबरों के बीच शनिवार को निर्वाचन आयोग की अहम बैठक हुई। बैठक में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ दोनों निर्वाचन आयुक्त भी मौजूद रहे। बैठक के बाद निर्वाचन आयोग ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर स्पष्ट किया कि पश्चिम बंगाल, बिहार समेत अन्य राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर लिए गए सभी फैसले आयोग की सर्वसम्मत स्वीकृति से लिए गए थे।

दरअसल, हाल ही में एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि बिहार समेत कई राज्यों में एसआईआर सहित कई फैसलों को लेकर दोनों निर्वाचन आयुक्तों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के फैसलों पर असहमति जताई थी। इसके बाद से विपक्ष लगातार मुख्य निर्वाचन आयुक्त पर निशाना साध रहा है।

निर्वाचन आयोग ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि हाल के महीनों में आयोग ने देशभर में एसआईआर समेत कई फैसले लिए हैं। आयोग के मुताबिक, एसआईआर को लेकर पहला आदेश 24 जून 2025 को जारी किया गया था और इसकी शुरुआत बिहार से हुई। इसके बाद पश्चिम बंगाल तथा अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए भी आदेश जारी किए गए। आयोग ने कहा कि ये सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए गए थे।

आयोग ने यह भी कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने 27 मई 2026 के अपने आदेश में बिहार में एसआईआर के संबंध में निर्वाचन आयोग के अधिकार और प्रक्रिया पर विचार किया था। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश में बिहार की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21(3) के तहत जारी आदेश का उल्लेख है। आयोग ने बताया कि सर्वसम्मति से 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एसआईआर का कार्यक्रम 27 अक्टूबर 2025 को जारी किया गया था। इसके बाद 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 14 मई 2026 को कार्यक्रम जारी हुआ। आयोग ने कहा कि मतदाताओं की अंतिम संख्या का पता तीसरे चरण के बचे हुए 12 राज्यों में मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद ही चलेगा।

ईसीआईनेट की समीक्षा करेगी विशेषज्ञ समिति

आयोग के मुताबिक, वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त की अध्यक्षता वाली एक समिति ईसीआईनेट की समीक्षा करेगी। ▶10पर

ज्ञानेश हटाना आसां नहीं

नोटिस से राष्ट्रपति आदेश तक

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर देशभर में उठ रहे सवालों के बीच विपक्षी दल उन्हें पद से हटाने के लिए तीसरी बार महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहे हैं। कई विपक्षी दल इसके लिए एकजुट हुए हैं। संसद के प्रस्तावित विशेष सत्र से पहले विपक्ष लोकसभा और राज्यसभा में नोटिस देने की तैयारी कर रहा है। हाल ही में एक अंग्रेजी अखबार में प्रकाशित रिपोर्ट के बाद विपक्षी दल मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साध रहे हैं और उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। ऐसे में यदि विपक्ष ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लोकसभा और राज्यसभा में नोटिस देता है, तो आगे की प्रक्रिया क्या होगी और यह कितनी लंबी तथा जटिल हो सकती है, इसे समझना महत्वपूर्ण है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटाने के लिए संविधान में क्या प्रावधान हैं, इसका उल्लेख भी आवश्यक है।

अनुच्छेद 324(5) में हटाने का प्रावधान

संविधान के अनुच्छेद 324(5) के तहत मुख्य निर्वाचन आयुक्त को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की तरह ही हटाया जा सकता है। निर्वाचन आयोग की आधिकारिक जानकारी के अनुसार मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पद से हटाने की प्रक्रिया सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटाने के लिए लोकसभा में अध्यक्ष या राज्यसभा में सभापति को सबसे पहले नोटिस दिया जाता है। प्रस्ताव पर लोकसभा में कम से कम 100 और राज्यसभा में कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष या राज्यसभा सभापति यह तय करते हैं कि नोटिस स्वीकार किया जाए या नहीं।

न्यायाधीश जांच अधिनियम, 1968 में भी 100 लोकसभा या 50 राज्यसभा सदस्यों के हस्ताक्षर वाले नोटिस और उसके बाद जांच समिति गठित करने की प्रक्रिया निर्धारित है। ▶10पर

एंटी इनकंबेसी भुनाना आर्ट है

राहुल भूले अ आ इ ई!

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। एंटी-इनकंबेंसी यानी सत्ताधारी दल के खिलाफ माहौल। चुनाव से पहले और चुनाव परिणामों के विश्लेषण में इसकी चर्चा सबसे अधिक होती है, खासकर तब जब कोई पार्टी चुनाव में अपनी सत्ता बचाने में सफल नहीं रहती। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा चुनावों में एक और शब्द की चर्चा बढ़ी हैप्रो-इनकंबेंसी यानी सत्ता के पक्ष में बना माहौल। खासकर उत्तर भारत और हिंदी पट्टी के राज्यों में यह चुनावी विश्लेषण का एक प्रमुख विषय रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी कई मौकों पर लंबे समय तक सत्ता में बने रहने वाली सरकारों का उल्लेख करते हुए एंटी-इनकंबेंसी के सामान्य चुनावी सिद्धांत पर सवाल उठाते रहे हैं। उनका तर्क रहा है कि देश के कई बड़े नेता एंटी-इनकंबेंसी का सामना कर चुनाव हारते रहे हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लंबे समय तक सरकार में बने रहने की बात करते हैं। राहुल गांधी ने चुनाव प्रक्रिया और निर्वाचन आयोग को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। हालांकि, इन आरोपों और उनके राजनीतिक निष्कर्षों को लेकर अलग-अलग पक्षों की अलग-अलग राय रही है।

डूसू चुनाव का उदाहरण

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के 2026 के चुनाव परिणाम एंटी-इनकंबेंसी के इस पूरे विमर्श को समझने का एक अलग उदाहरण पेश करते हैं। 19 सितंबर को घोषित परिणामों में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने चार केंद्रीय पदों में से तीन पर जीत दर्ज की। यश डबास अध्यक्ष, रिया छावड़ी सचिव और लक्ष्म्य राज सिंह संयुक्त सचिव चुने गए, जबकि उपाध्यक्ष पद पर निर्दलीय उम्मीदवार दीपांशु शौकीन विजयी रहे।

अध्यक्ष पद पर एबीवीपी के यश डबास ने एनएसयूआई के विजय शंकर मीणा को 2,053 मतों से हराया। उपाध्यक्ष पद पर निर्दलीय दीपांशु शौकीन को 30,615 मत मिले। सचिव पद पर रिया छावड़ी ने एनएसयूआई की नम्रता चौधरी को पराजित किया।

इन परिणामों के बाद यह तर्क सामने आया कि केवल सत्ता विरोधी माहौल या सरकार के खिलाफ मुद्दे होना किसी चुनाव में जीत की गारंटी नहीं है। चुनाव में उम्मीदवारों का चयन, संगठन की सक्रियता, गठबंधन, मतों का बंटवारा और स्थानीय मुद्दे भी परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि, डूसू जैसे छात्र चुनाव के परिणामों को सीधे राष्ट्रीय या विधानसभा चुनावों पर लागू करना भी सावधानी का विषय है।

दूसरों पर एंटी-इनकंबेंसी का नैरेटिव

किसी सरकार के खिलाफ वास्तविक एंटी-इनकंबेंसी हो, यह हर चुनाव में जरूरी नहीं है। चुनावी राजनीति में विपक्ष अक्सर सत्ताधारी दल के खिलाफ ऐसा राजनीतिक नैरेटिव बनाने का प्रयास करता है, जिससे मतदाताओं में बदलाव की भावना मजबूत हो। इसी तरह सत्ताधारी दल भी विपक्ष के पुराने शासनकाल और उसके रिकॉर्ड को चुनावी मुद्दा बनाते हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव में संविधान में बदलाव की आशंका का मुद्दा विपक्ष के प्रमुख चुनावी नैरेटिव में शामिल रहा। विभिन्न चुनावी विश्लेषणों में कहा गया कि इस मुद्दे का विशेष प्रभाव उत्तर प्रदेश में देखने को मिला और दलित मतदाताओं के एक हिस्से में इसे लेकर चिंता सामने आई। दूसरी ओर, भाजपा और उसके नेताओं ने संविधान बदलने की मंशा से जुड़े आरोपों को खारिज किया और इस संबंध में स्पष्टीकरण दिए।

'मिस्टर बंटाधार', 'जंगल राज' और 'माफिया राज' जैसे नैरेटिव

मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में चुनावी राजनीति में पुराने शासनकाल की याद दिलाने वाले राजनीतिक नारों और आरोपों का इस्तेमाल लंबे समय से होता रहा है। ▶10पर

मोदी-योगी भेंट : एक घंटे चली दोनों की मीटिंग

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी दोनों नेताओं की मुलाकात की पुष्टि की है। यह बैठक दोपहर के समय प्रधानमंत्री आवास पर हुई और करीब एक घंटे तक चली।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में उत्तर प्रदेश से जुड़े कई अहम राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें आगामी विधानसभा चुनाव और राज्यसभा चुनाव प्रमुख रहे। सूत्रों ने बताया कि पार्टी की आगामी चुनावी तैयारियों और राज्य में आगे की रणनीति को लेकर भी दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई। हालांकि, बैठक का कोई विस्तृत आधिकारिक एजेंडा सामने नहीं आया है।

राज्यसभा चुनाव भी चर्चा में

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज होने के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रधानमंत्री मोदी से मिलना राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसी दौरान राज्य की 10 राज्यसभा सीटों के लिए 16 अक्टूबर को चुनाव होना है। निर्वाचन आयोग ने इन चुनावों का कार्यक्रम घोषित कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, राज्यसभा चुनाव को लेकर भी बैठक में चर्चा हुई। हालांकि, उम्मीदवारों या किसी विशेष निर्णय को लेकर सरकार अथवा पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। ▶10पर

पाक को आईएमएफ झटका

पैसे चाहिए, तो 174 बदलाव करो

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान के सामने 7 अरब डॉलर के ऋण कार्यक्रम से जुड़ी सुधार शर्तों को पूरा करने के लिए कई महत्वपूर्ण विधायी बदलावों की मांग की है। पाकिस्तान के वित्त सचिव इमदादुल्लाह बोसल ने राष्ट्रीय सभा की वित्त एवं राजस्व संबंधी स्थायी समिति को बताया कि आईएमएफ कार्यक्रम के तहत कुल 174 विधायी संशोधन संसद के सामने रखे जाने हैं। हालांकि, इन संशोधनों को मंजूर करने का अंतिम अधिकार संसद के पास ही रहेगा।

आईएमएफ के 7 अरब डॉलर के विस्तारित ऋण सुविधा कार्यक्रम के तहत पाकिस्तान में कर व्यवस्था, ऊर्जा क्षेत्र, निजीकरण, सरकारी स्वामित्व वाले उपक्रम, संप्रभु संपत्ति कोष, चीनी नीति, इस्लामी बैंकिंग और राजकोषीय सुधार सहित कई क्षेत्रों में बदलाव प्रस्तावित हैं। पाकिस्तान और आईएमएफ के बीच कार्यक्रम की चौथी समीक्षा के लिए औपचारिक वार्ता भी शुरू होने वाली है। राष्ट्रीय सभा की स्थायी समिति के समक्ष वित्त सचिव इमदादुल्लाह बोसल ने कहा कि सरकार सभी प्रस्तावित संशोधनों को संसद के सामने रखेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार ने आईएमएफ को यह बता दिया है कि विधायी बदलावों को मंजूरी देने का अधिकार संसद का है। उन्होंने कहा कि आईएमएफ कुल 174 संशोधनों को पारित करवाना चाहता है।

इन संशोधनों का उद्देश्य वित्तीय क्षेत्र में शासन व्यवस्था मजबूत करना, सरकारी स्वामित्व वाले उपक्रमों में सुधार, राजस्व संग्रह बढ़ाना, ऊर्जा क्षेत्र में सुधार और आर्थिक प्रशासन से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में बदलाव करना बताया गया है। आईएमएफ की समीक्षा में कार्यक्रम की विभिन्न शर्तों और सुधारों के क्रियान्वयन की भी जांच होगी।

15 संरचनात्मक मानदंडों पर भी नजर

आईएमएफ कार्यक्रम की चौथी समीक्षा में 15 संरचनात्मक मानदंड शामिल हैं। इनमें संप्रभु संपत्ति कोष के लिए उचित शासन व्यवस्था और सुरक्षा उपाय लागू करना, सरकारी स्वामित्व वाले उपक्रमों में सुधार, कर नीति, ऊर्जा क्षेत्र और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण जैसे विषय शामिल हैं। आईएमएफ के पिछले कार्यक्रम दस्तावेजों में भी कर राजस्व, ऊर्जा क्षेत्र और संप्रभु संपत्ति कोष से जुड़े कई सुधारों को कार्यक्रम की शर्तों और संरचनात्मक मानदंडों से जोड़ा गया है।समीक्षा के दौरान राजस्व जुटाने, सरकारी खर्च में अनुशासन, प्रांतीय वित्त, सरकारी गारंटी और सार्वजनिक क्षेत्र के खर्च जैसे मुद्दों पर भी चर्चा होगी। पाकिस्तान सरकार को यह भी दिखाना होगा कि कार्यक्रम के तहत तय किए गए सुधारों को किस स्तर तक लागू किया गया है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 21^0

ईरान से डरा यूएस

मिसाइल खौफ से समंदर छोड़ भागा

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी नौसेना ने हाल के हफ्तों में ईरान के आसपास के समुद्री इलाकों में अपने बड़े युद्धपोतों की तैनाती में बदलाव किया है। उपलब्ध उपग्रह तस्वीरों और सैन्य विश्लेषणों के अनुसार, ओमान की खाड़ी और अरब सागर में अमेरिकी विमानवाहक पोतों और विध्वंसक पोतों की मौजूदगी पहले की तुलना में कम हुई है। सितंबर की शुरुआत में अमेरिकी युद्धपोतों की स्थिति में यह बदलाव दिखाई दिया। इस बदलाव के बीच ईरान की कासिम बसीर नामक बैलिस्टिक मिसाइल चर्चा में है। ईरान का दावा है कि इस मिसाइल का पहली बार वास्तविक युद्ध में इस्तेमाल अमेरिकी युद्धपोतों के खिलाफ किया गया। हालांकि, स्वतंत्र विश्लेषणों के अनुसार हालिया हमले में कासिम बसीर के इस्तेमाल की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। अमेरिकी अधिकारियों ने हाल के दिनों में अमेरिकी नौसैनिक पोतों को निशाना बनाकर मिसाइलें दागे जाने की बात कही है। ईरान कासिम बसीर को लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल के रूप में पेश करता है। इसकी घोषित मारक क्षमता करीब 1,200 किलोमीटर है। रिपोर्टों के अनुसार यह ठोस ईंधन से चलने वाली मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है और इसमें लक्ष्य तक पहुंचने के दौरान दिशा ▶10पर

नाबालिग पत्नी से संबंध अपराध : कोर्ट

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने 16 वर्षीय लड़की से दुष्कर्म के आरोपी व्यक्ति के खिलाफ दर्ज मामला रद्द करने से इनकार कर दिया। अदालत ने स्पष्ट कहा कि नाबालिग से विवाह करना आरोपी को कानूनी कार्रवाई से नहीं बचा सकता।

न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने 26 सितंबर 2026 के आदेश में यह फैसला सुनाया। आरोपी ने अदालत में दावा किया था कि नाबालिग लड़की उसकी कानूनी पत्नी है और दोनों का विवाह मुस्लिम रीति-रिवाजों के अनुसार हुआ था।

आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 375 और लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी ने विवाह का हवाला देते हुए मामला समाप्त करने की मांग की थी।

शादी से नाबालिग की उम्र नहीं बढ़ जाती

अदालत ने कहा कि यदि मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत विवाह को वैध भी मान लिया जाए, तब भी इससे लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम या भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों में कोई अपवाद नहीं बनता। ▶10पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

माउंट एवरेस्ट बेस कैंप में भारी बर्फबारी, सात विदेशी पर्यटकों का रेस्क्यू

काठमांडू

विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के बेस कैंप और आसपास के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी बर्फबारी के बाद पर्वतारोहियों की चढ़ाई पर अगले आदेश तक रोक लगा दी गई है। खराब मौसम के बीच बर्फबारी में फंसे सात विदेशी पर्यटकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है।

नेपाल के सोलुखुम्बु जिले के खुम्बु क्षेत्र में लगातार बारिश के बाद ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी शुरू हो गई। कई स्थानों पर आधा मीटर से अधिक बर्फ जमा होने की सूचना है, जिससे पर्यटकों और पर्वतारोहियों की आवाजाही प्रभावित हुई है।

प्रशासन ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पर्यटकों और ट्रेकर्स को जोखिम वाले ऊंचाई वाले क्षेत्रों की ओर आगे बढ़ने से रोक दिया है। स्थानीय प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, स्थानीय लोगों और पुलिस के समन्वय से ऊपरी इलाकों में मौजूद पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों पर रखने की व्यवस्था की जा रही है।

सोलुखुम्बु के प्रमुख जिला अधिकारी कमानसिंह थापा मगर ने बताया कि खुम्बु के ऊपरी इलाकों में लगातार भारी बर्फबारी हो रही है। कई जगहों पर आधा मीटर से अधिक बर्फ जमा होने की जानकारी मिली है।

भारी बर्फबारी के कारण सगरमाथा क्षेत्र के इम्जा छे यानी आइलैंड पीक इलाके में सात विदेशी पर्यटक फंस गए थे। प्रशासन के अनुसार, इन पर्यटकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और लोगों की मदद से खराब मौसम और मुश्किल रास्तों के बीच रेस्क्यू अभियान चलाया गया।

इम्जा छे, जिसे आइलैंड पीक के नाम से भी जाना जाता है, सगरमाथा राष्ट्रीय उद्यान के खुम्बु क्षेत्र में स्थित प्रमुख पर्वतारोहण स्थलों में से एक है। इसकी ऊंचाई समुद्र तल से करीब 6,165 मीटर है।

नेपाल पर्यटन बोर्ड के अनुसार, दिंगबोचे से इम्जा खोला होते हुए चुकुंग की ओर जाने वाला ट्रेकिंग मार्ग सगरमाथा बेस कैंप क्षेत्र के प्रमुख ट्रेकिंग मार्ग से जुड़ता है।

प्रतिकूल मौसम को देखते हुए प्रशासन ने ऊपरी क्षेत्रों में अतिरिक्त पर्यटकों और ट्रेकर्स के प्रवेश पर भी रोक लगाने के लिए स्थानीय निकायों और सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय किया है। फिलहाल एवरेस्ट बेस कैंप क्षेत्र में 1,200 से अधिक पर्यटक मौजूद हैं।

स्थानीय प्रशासन, पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियां इन पर्यटकों की स्थिति पर लगातार नजर रख रही हैं। प्रशासन ने पर्यटकों और पर्वतारोहियों से मौसम की स्थिति को देखते हुए जोखिम वाले क्षेत्रों में आगे नहीं बढ़ने और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल के 25 जिलों में वाहनों के संचालन पर रोक, भारी बारिश का रेड अलर्ट

काठमांडू। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव वाले क्षेत्र के प्रभाव से नेपाल के कई हिस्सों में बारिश शुरू हो गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान को देखते हुए राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) ने शनिवार को पश्चिम नेपाल के 25 जिलों में वाहनों के संचालन पर पूरी तरह रोक लगाने का निर्देश दिया है। एनडीआरआरएमए ने शुक्रवार देर शाम जारी सूचना में कहा कि इन जिलों में शनिवार को अत्यधिक बारिश होने की आशंका है। रेड अलर्ट जारी किए गए इन जिलों में कर्णाली, सुदूरपश्चिम, लुंबिनी और गंडकी प्रदेश के जिले शामिल हैं। यहां शनिवार को पूरे दिन यातायात संचालन बंद रखने का निर्देश दिया गया है। रेड अलर्ट वाले 25 जिले जिसमें सुदूरपश्चिम प्रदेश के दार्चुला, बझांग, बाजुरा, कैलाली और कंचनपुर। कर्णाली प्रदेश के डोल्पा, जुम्ला, कालीकोट, मुगु, हुम्ला और सुर्खेत। लुंबिनी प्रदेश के प्युठान, दांग, रुपन्देही, पाल्पा, अर्घाखांची, गुल्मी, कपिलवस्तु, बांके और बर्दिया। गंडकी प्रदेश के मनांग, मुस्तांग, गोरखा, लमजुंग और स्यांगजा शामिल है। इसके अलावा 30 जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इन जिलों में कोशी और मधेश प्रदेश को छोड़कर अन्य पांच प्रदेशों के जिले शामिल हैं। इन जिलों के लिए आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। यहां रात के समय यातायात बंद रखने का निर्देश दिया गया है। दिन के समय वाहनों का संचालन किया जाएगा या नहीं, इसका फैसला स्थानीय मौसम और परिस्थितियों को देखते हुए जिला मानसून प्रतिक्रिया कमांड पोस्ट को करने के लिए कहा गया है। वहीं, नेपाल के 22 अन्य जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। इनमें कोशी और मधेश प्रदेश के जिले तथा बागमती प्रदेश के मकवानपुर और सिंधुली जिले शामिल हैं। इन जिलों में लोगों को सतर्क रहने और मौसम की स्थिति पर नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने भारी बारिश की आशंका वाले क्षेत्रों में लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

नेपाल और सर्बिया के बीच द्विपक्षीय परामर्श तंत्र स्थापित करने के लिए समझौता

काठमांडू। नेपाल और सर्बिया ने अपने विदेश मंत्रालयों के बीच द्विपक्षीय परामर्श तंत्र स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान न्यूयार्क में आयोजित एक कार्यक्रम में नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल और सर्बिया के विदेश मंत्री मार्को ज्यूरिच ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समझौते पर हस्ताक्षर के अवसर पर दोनों मंत्रियों ने इस महत्वपूर्ण समझौते के होने पर खुशी व्यक्त की। दोनों ने नेपाल और सर्बिया के बीच करीबी और सहयोगात्मक द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। बैठक में जलवायु कार्रवाई के क्षेत्र में मजबूत वैश्विक एकजुटता और सहयोग के महत्व पर भी विचार-विमर्श किया गया।

नवंबर में खत्म हो जाएगा ट्रंप का राज, न्यूसम ने मिडटर्म चुनाव का किया दावा

वाशिंगटन। अमेरिका में नवंबर में होने वाले मिडटर्म चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल तेज है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने दावा किया है कि डेमोक्रेटिक पार्टी प्रतिनिधि सभा में फिर बहुमत हासिल कर सकती है। उनके मुताबिक, अगर ऐसा होता है तो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियां बदल जाएंगी। न्यूसम ने कहा कि नवंबर के चुनाव के बाद ट्रंप का राष्ट्रपति पद उस रूप में नहीं रहेगा, जैसा अभी है। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि प्रतिनिधि सभा में बहुमत बदलने से राष्ट्रपति का पद सीधे तौर पर कैसे प्रभावित होगा। अमेरिकी व्यवस्था में राष्ट्रपति का कार्यकाल चुनाव के बीच में अपने आप समाप्त नहीं होता। लेकिन कांग्रेस के किसी एक या दोनों सदनों पर विपक्षी दल का नियंत्रण होने से राष्ट्रपति के विधायी एजेंडे और नीतियों पर राजनीतिक अड़चनें बढ़ सकती हैं। न्यूसम ने इसे ट्रंप प्रशासन के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ के तौर पर पेश किया। उन्होंने 2028 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर भी डेमोक्रेटिक पार्टी के भविष्य पर टिप्पणी की। न्यूसम ने कहा कि अगला राष्ट्रपति डेमोक्रेटिक पार्टी से हो सकता है। उन्होंने रिपब्लिकन नेताओं मार्को रुबियो और जेडी वेंस का भी उल्लेख किया, जिन्हें भविष्य की राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण चेहरों के तौर पर देखा जाता है।

इटली के स्कूलों में विदेशी छात्रों की सीमा और बुर्का-नकाब पर बैन को मिली मंजूरी

पीएम मेलोनी ने कहा-इसका मकसद लोगों को बांटना नहीं, घुलने-मिलने में मदद करना है

रोम

इटली के स्कूलों को लेकर पीएम जार्जिया मेलोनी ने क्लासरूम में विदेशी छात्रों की सीमा और बुर्का-नकाब पर बैन को मंजूरी दे दी है। मेलोनी ने कहा कि ये कदम छात्रों को बांटने के लिए नहीं बल्कि सभी को समान अवसर देने के लिए है। मेलोनी ने एक्स पर लिखा- आज हमने मंत्रिपरिषद में स्कूलों से जुड़े एक आदेश को मंजूरी दी। इसके तहत कक्षाओं में उन छात्रों की संख्या अधिकतम 30 फीसदी तक रखने की सीमा तय की गई है, जिन्हें इतालवी भाषा ठीक से नहीं आती है। साथ ही उन्हें इतालवी भाषा सीखने में मदद के लिए सुविधाएं दी जाएंगी और स्कूलों में बुर्का पहनने की इजाजत नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि ये ऐसे व्यावहारिक कदम है, जिनका मकसद लोगों को बांटना नहीं बल्कि उन्हें वास्तव में एक-दूसरे के साथ घुलने-मिलने में मदद करना है। इससे ऐसी अलग-थलग कक्षाएं बनने से बचा जा सकेगा, जहां एक खास समुदाय के छात्र ही ज्यादा हों और सभी छात्रों को बराबर मौके मिलेंगे। मेलोनी ने कहा कि हम आगे भी इसी दिशा में बढ़ना चाहते हैं यानी ऐसा स्कूल सिस्टम जो नियमों से समझौता किए बिना सभी को साथ लेकर चले, जिन छात्रों को ज्यादा मुश्किलें हैं उनकी मदद करे और हर छात्र को एक बराबर शुरुआत का मौका दे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रस्तावित नियम विशेष रूप से स्कूलों में पूरे चेहरे को ढकने वाले परिधानों पर रोक से जुड़े हैं। बुर्का और नकाब में चेहरा ढका रहता है जबकि हिजाब में आम तौर पर सिर और गर्दन ढके होते हैं लेकिन चेहरा खुला रहता है। मेलोनी की घोषणा में बुर्का और नकाब का उल्लेख किया है। चेहरा ढकने पर बैन इटली के लिए बिल्कुल नया विषय नहीं है। देश में 1975 का एक कानून सार्वजनिक स्थानों पर ऐसे हेलमेट या कपड़े से संबंधित है, जिससे व्यक्ति की पहचान मुश्किल हो सकती है। हालांकि, बुर्का या नकाब पर देशव्यापी स्पष्ट प्रतिबंध अब तक नहीं है।

अगर मुलाकात की फोटो मिल जाए तो, जयशंकर की लावरोव और अराघची से हुई मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों और खाड़ी संघर्ष पर चर्चा

न्यूयार्क। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्चस्तरीय सत्र से इतर रूस और ईरान के अपने समकक्षों से मुलाकात की। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ बैठक में दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों और ब्रिक्स में सहयोग समेत विभिन्न मौजूदा मुद्दों पर चर्चा हुई। जयशंकर ने बैठक को सकारात्मक बताते हुए कहा कि दोनों पक्षों ने कई मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और द्विपक्षीय संबंधों तथा ब्रिक्स सहयोग की समीक्षा की। भारत ने इसी महीने ब्रिक्स नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी की थी। सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान भी शामिल हुए थे। जयशंकर की लावरोव से मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब भारत और रूस के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग जारी है। जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं ने खाड़ी क्षेत्र में जारी संघर्ष और उससे जुड़े ताजा घटनाक्रम पर चर्चा की। जयशंकर ने बैठक को उपयोगी बताया। इस बीच संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक कार्यक्रम के बाद पाकिस्तानी पत्रकार के सवाल पर जयशंकर और पत्रकार के बीच तीखी नोकझोंक हुई। जयशंकर और लाइबेरिया की विदेश मंत्री सारा बेसोलो न्यंती समुद्री परिवहन और समुद्री कर्मियों की सुरक्षा से जुड़े ग्रुप आफ फ्रेंड्सपर संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे।इसी दौरान पाकिस्तानी पत्रकार ने भारत पर पाकिस्तान में आतंकवाद को प्रायोजित करने का आरोप लगाते हुए सवाल किया। जयशंकर ने जवाब में पाकिस्तान को आतंकवाद से जोड़ते हुए कहा कि जिस देश से यह सवाल पूछा जा रहा है, उसे पहले अपने रिकार्ड पर ध्यान देना चाहिए। भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश पर्वतनेनी ने भी पत्रकार से कहा कि उन्हें अपना जवाब मिल चुका है।

खगोलविदों को मिला सबसे कम उम्र का ग्रह

वाशिंगटन

खगोलविदों ने अब तक सबसे कम उम्र का ग्रह खोजने का दावा किया है। इसकी उम्र दस लाख साल से भी कम बताई गई है। खगोलविदों ने इस नवजात ग्रह का नाम एलियास 2-24 बी रखा है। यह ग्रह अभी भी अपने युवा तारे के चारों ओर मौजूद गैस और धूल की विशाल डिस्क के भीतर तेजी से घूम रहा है!

उसका आकार हमारे सौरमंडल के सबसे बड़े ग्रह बृहस्पति के बराबर बताया गया है। यह ग्रह पृथ्वी से करीब 450 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है। इस खोज से ग्रहों के निर्माण को लेकर मौजूदा वैज्ञानिक माडलों के सामने नए सवाल खड़े हुए हैं। अब तक जिन सबसे युवा ग्रहों की पहचान हुई थी, उनकी उम्र कम से कम करीब 50 लाख साल मानी जाती थी। इनमें पीडीएस 70 और विस्पिट 2 जैसे तारों की परिक्रमा कर रहे ग्रह शामिल हैं। इसके मुकाबले एलियास 2-24 बी की उम्र दस लाख साल से भी कम है। वैज्ञानिकों के लिए सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी कम उम्र में यह ग्रह इतना विशाल कैसे बन गया। इस ग्रह की खोज आसान नहीं थी। जब किसी तारे का जन्म होता है तो उसके आसपास गैस, धूल और बर्फ से बनी घनी डिस्क मौजूद रहती है। इसी सामग्री से धीरे-धीरे ग्रहों का निर्माण होता है। लेकिन यह घनी डिस्क नवजात ग्रहों को सीधे देखना बेहद मुश्किल बना देती है। हवाई स्थित डब्ल्यू. एम. केक वेधशाला के कोरोनाग्राफ की मदद से वैज्ञानिकों ने तारे की तेज रोशनी को रोककर उसके आसपास मौजूद बेहद धुंधली वस्तुओं का अध्ययन किया। इस खोज की कहानी करीब एक दशक पुरानी है। चिली स्थित अल्मा दूरबीन ने एलियास 2-24 तारे के चारों ओर मौजूद डिस्क में एक बड़ा खाली क्षेत्र देखा था। बाद में वेरी लार्ज टेलीस्कोप ने इसी क्षेत्र में रोशनी का एक बेहद हल्का बिंदु दर्ज किया। हालांकि तब यह स्पष्ट नहीं था कि वह वास्तव में ग्रह है या कोई अन्य खगोलीय संरचना। शोधकर्ताओं ने 2018 और 2020 के पुराने अभिलेखीय आंकड़ों का दोबारा विश्लेषण किया। अलग-अलग समय पर उस चमकीले बिंदु की स्थिति और गति का मिलान करने के बाद वैज्ञानिकों ने इसकी ग्रह होने की पुष्टि की। शोधकर्ताओं के अनुसार, एलियास 2-24 बी अपने तारे से पृथ्वी-सूर्य की दूरी से करीब 55 गुना अधिक दूरी पर स्थित है। यह खोज ग्रह निर्माण की प्रक्रिया को समझने के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वैज्ञानिकों के मौजूदा माडल इतने कम समय में इतनी दूर बृहस्पति जैसे विशाल ग्रह के निर्माण को पूरी तरह समझाने में चुनौती महसूस करते हैं।

किचन की खुदाई में कपल को मिला सैकडों साल पुराना खजाना

यार्कशायर। इंग्लैड में करीब दस साल पहले खरीदे गए पुराने घर के किचन की मरम्मत के दौरान फर्श के नीचे दबा एक मटका मिला। जब उसे खोला गया तो उसमें चमचमाते सोने के पुराने सिक्के भरे हुए थे। यार्कशायर के एक कपल को मिले इस खजाने ने उनकी पूरी जिंदगी बदल दी। बताया जा रहा है कि यह खजाना करीब 280 साल पुराना है और इसकी कीमत करोड़ों रुपये में आंकी गई। यह घटना तब सामने आई जब कपल ने अपने पुराने घर के किचन को नया रूप देने का फैसला किया। मरम्मत के दौरान लकड़ी के पुराने फर्श को हटाया जा रहा था। खुदाई करते समय मजदूरों को जमीन के करीब छह इंच नीचे किसी कठोर वस्तु से टकराने की आवाज सुनाई दी। शुरुआत में लगा कि नीचे कोई पुराना पाइप या बेकार सामान दबा हो सकता है, लेकिन मिट्टी हटाने पर वहां एक पुराना मटका दिखाई दिया। मटके को बाहर निकालकर खोला गया तो उसमें सोने के दुर्लभ सिक्के मिले। कपल ने इसकी जानकारी स्थानीय विशेषज्ञों और संबंधित अधिकारियों को दी। सिक्कों की जांच में उनके ऐतिहासिक महत्व का पता चला। शुरुआती अनुमान के मुताबिक खजाने की कीमत करीब 2.88 लाख डालर यानी लगभग ढाई से तीन करोड़ रुपये बताई गई।

उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया को दी चेतावनी कहा - सामूहिक सजा का निशाना बनेगा सियोल

सियोल

उत्तर कोरिया ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग की आलोचना करते हुए चेतावनी दी है कि दक्षिण कोरिया भविष्य में उसके लिए सामूहिक सजा का निशाना बन सकता है। उत्तर कोरिया के एक अधिकारी ने यह टिप्पणी अमेरिकी सेना के कोरिया में शीर्ष कमांडर जनरल जेवियर ब्रंसन की हालिया टिप्पणी के जवाब में की है।

दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप के मुताबिक, उत्तर कोरिया के इंस्टीट्यूट आफ एनिमी स्टेट स्टडीज के सेक्शन चीफ कांग चोल-सू ने सरकारी मीडिया में प्रकाशित एक बयान में अमेरिका पर दक्षिण कोरिया को अपनी रणनीति के लिए इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन दक्षिण कोरिया को क्षेत्रीय संघर्षों में अपनी रणनीति लागू करने के लिए प्रमुख आधार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है।

कांग ने अमेरिकी सेना के कोरिया में कमांडर जनरल जेवियर ब्रंसन की उस टिप्पणी का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कोरियाई प्रायद्वीप की सुरक्षा व्यवस्था को नए सिरे से तैयार करने और अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया के साथ मिलकर प्रायद्वीप के बाहर से आने वाले खतरों से निपटने की आवश्यकता पर जोर दिया था। उत्तर कोरियाई अधिकारी ने दावा किया कि यह बयान अमेरिका-दक्षिण कोरिया गठबंधन को केवल दक्षिण कोरिया की रक्षा तक सीमित रखने की पुरानी दलील से आगे बढ़कर उसे व्यापक सामूहिक रक्षा व्यवस्था से जोड़ने की कोशिश को दर्शाता है। उन्होंने दक्षिण कोरिया के बढ़ते रक्षा खर्च की भी आलोचना की। कांग ने कहा कि दक्षिण कोरिया, जिसे अमेरिकी रणनीतिक हितों के तहत सामूहिक रक्षा का निर्णायक केंद्र बताया जा रहा है, आगे चलकर सामूहिक सजा का निर्णायक निशाना बन सकता है। यह टिप्पणी उत्तर कोरिया की ओर से जारी की गई है और इसमें दक्षिण कोरिया के खिलाफ किसी विशिष्ट सैन्य कार्रवाई का विवरण नहीं दिया गया है। यह बयान ऐसे समय आया है जब कोरियाई प्रायद्वीप पर सैन्य तनाव को लेकर दोनों पक्षों के बीच बयानबाजी जारी है। हाल के दिनों में उत्तर कोरिया ने बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण भी किया है, जबकि दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान ने उत्तर कोरिया के मिसाइल प्रक्षेपणों पर आपसी चर्चा की है।

ह्यूमनॉइड रोबोट के जरिये चीन की युद्ध का तरीका बदलने की तैयारी

बीजिंग

चीन में ह्यूमनाइड रोबोटों को भविष्य में सैन्य प्रशिक्षण और युद्ध संबंधी भूमिकाओं में इस्तेमाल करने की संभावनाओं पर चर्चा तेज हो गई है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन और स्वायत्त हथियारों के बाद अब ह्यूमनाइड रोबोट सैन्य तकनीक की अगली बड़ी कड़ी बनते दिखाई दे रहे हैं।

चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी से जुड़े आधिकारिक अखबार में शोधकर्ताओं से उन्नत रोबोटों को प्रयोगशालाओं से बाहर निकालकर सैन्य प्रशिक्षण में इस्तेमाल करने की दिशा में तेजी लाने की अपील की गई है। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि चीन ने रोबोट सैनिकों की कोई तैयार लड़ाकू सेना तैनात कर दी है।

चीन के ह्यूमनाइड रोबोट विकास को हाल में आयोजित वर्ल्ड ह्यूमनाइड रोबोट गेम्स जैसे आयोजनों से भी गति मिली है। इन प्रतियोगिताओं में रोबोटों की दौड़, चलने, संतुलन बनाने और

अलग-अलग शारीरिक गतिविधियां करने की क्षमता प्रदर्शित की गई। टियांगगोंग अल्ट्रा नाम के एक ह्यूमनाइड रोबोट द्वारा 100 मीटर की दौड़ 8.64 सेकंड में पूरी करने का दावा भी चर्चा में रहा। हालांकि प्रदर्शन के दौरान कुछ रोबोटों के गिरने और असंतुलित होने के वीडियो भी सामने आए, लेकिन शोधकर्ताओं के लिए यह तकनीकी विकास का हिस्सा है। सैन्य क्षेत्र में ह्यूमनाइड रोबोट का संभावित फायदा उन स्थानों पर हो सकता है जिन्हें मूल रूप से इंसानों के लिए बनाया गया है। सीढ़ियां चढ़ना, दरवाजे खोलना, संकरी जगहों में जाना या किसी वाहन के भीतर इंसान की तरह पहुंचना ऐसे काम हैं, जिनमें मानव आकार की मशीनों को डिजाइन किया जा सकता है।

इसके अलावा खतरनाक इमारतों की जांच, विस्फोटक या संदिग्ध वस्तुओं वाले क्षेत्रों की निगरानी और आपदा प्रभावित स्थानों में बचाव कार्य जैसे गैर-लड़ाकू उपयोग भी संभव हैं। इन रोबोटों की क्षमता बढ़ाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और साफ्टवेयर अहम भूमिका निभा रहे हैं। रीइन्फोर्समेंट लर्निंग जैसी तकनीकों के जरिए मशीनों को सिमुलेशन वातावरण में अलग-अलग परिस्थितियों से निपटने का प्रशिक्षण दिया जा सकता है। उदाहरण के लिए रोबोट संतुलन बिगड़ने पर खुद को संभालना, बाधाओं के बीच रास्ता बनाना और बदलते वातावरण के अनुसार अपनी गतिविधियां समायोजित करना सीख सकता है।

आपरेशन सिंदूर की दहशत में बोले शहबाज- ट्रंप ने हमें बचा लिया

न्यूयार्क। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र को संबोधित करते हुए 2025 में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष का जिक्र किया। करीब 23 मिनट के भाषण में उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कथित समय पर हस्तक्षेप की सराहना की और दावा किया कि इससे दक्षिण एशिया में बड़े पैमाने पर जान बची। ट्रंप भी भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने में अपनी भूमिका का दावा करते रहे हैं, जबकि भारत किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के दावे को स्वीकार नहीं करता। शहबाज शरीफ ने 2025 के संघर्ष के संदर्भ में कश्मीर मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया को दोबारा उस स्थिति में पहुंचने से रोकने के लिए कश्मीर का न्यायपूर्ण और निष्पक्ष समाधान जरूरी है। भारत पाकिस्तान की ओर से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर को लेकर किए जाने वाले दावों को खारिज करता रहा है। भारत ने 7 मई 2025 को पहलगाम आतंकी हमले के बाद आपरेशन सिंदूर शुरू किया था। 22 अप्रैल को हुए हमले में 26 नागरिकों की मौत हुई थी। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया था। शरीफ ने अपने भाषण में सिंधु जल संधि का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि सिंधु नदी प्रणाली पाकिस्तान और पूरे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने भारत के संधि को स्थगित रखने के फैसले पर आपत्ति जताई और चेतावनी दी कि पाकिस्तान के हिस्से के पानी को रोकने या मोड़ने की किसी भी कोशिश को गंभीर कार्रवाई के रूप में देखा जाएगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मध्यम रहेगा। किसी भी काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करने पर सफलता मिलेगी, लेकिन कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। पुराने कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। परिजन, दोस्त, रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा। जमीन–जायदाद के मामले में पड़ने से बचें, अन्यथा कानूनी विवाद में फंस सकते हैं। दाम्पत्य जीवन खुशनुमा रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन मनमुताबिक रहेगा। व्यापार लाभ देगा कामकाज अच्छा चलेगा और धन लाभ के योग भी रहेंगे, लेकिन छोटी–छोटी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। कर्ज किसी को भी नही देना हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन मिलाझुला रहेगा। आय के स्त्रोत बढेंगे व्यापार अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। नौकरी में मनचाही पदोन्नति की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। दाम्पत्य जीवन भी सुखद रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। सेहत को लेकर सावधान रहें। धार्मिक कार्य में कुछ समय व्यतीत करें । यात्रा का योग नही हैं

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप का समय अनुकूल रहेगा। नक्षत्र बल रहेगा समय तारा अनुकूल रहने से भाग्य–वृद्धि के योग बन रहे हैं। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी। नौकरी में तरक्की मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन सहयोगियों की मदद से कार्य सफल होंगे। आकस्मिक धन प्राप्ति हो सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा । सेहत भी अच्छी रहेगी। यात्रा पर जा रहे है तो गाय को गुड खिलाकर निकलें

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन कमजोर हैं । आमदनी मे भी रुकावटें बनेगी व्यापारिक गतिविधि मध्यम रहेंगी और छोटी–छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की भी अधिकता रहेगी, लेकिन सहकर्मियों की मदद से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। पैसों के लेन–देने और कोर्ट–कचहरी के कार्यों से दूर रहना बेहतर होगा। सेहत को लेकर सावधान रहें। छात्रो का परिणाम शतप्रतिशत रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन सामान्य से कुछ बहतर रहेगा। काम धंधा तो मध्यम रहेगा परन्तु काम मे रुकावटें नही आएगी कार्यभार की अधिकता रहने से दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा । क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। ईश्वर भक्ति मन को शांति प्रदान करेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का सहयोग भी मिलेगा । सेहत तंदुरुस्त रहेगी डीनर के समय दूध का ही सेवन करें ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कोई मशीन खरिदने का योग बनरहा हैं वाहन भी ले सकते है । कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कार्य सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा, लेकिन ध्यान रहे कि आपकी बातों से किसी को ठेस न पहुंचे। गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए नंदी को लाल फल खिलाए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन शानदाय हैं आप रिस्क मे भी हाथ डाल सकते हैं । नुकसान की सम्भावना कम हैं कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य आसानी से पूरे होंगे। काम को लेकर किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। परिवार का साथ रहेगा शाम को टहलने के लिए जरुर निकले।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन महनत ज्यादा करनी पडेगी । आज सहकर्मियों का सहयोग भी मिलेगा, लेकिन आशानुरूप कार्यों में सफलता नहीं मिलने से मन व्यथित रहेगा। व्यापार–धंधे में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी। परिवार का माहौल ठीक रहेगा किसी से विवाद होने की आसंका मे अपने को दूर ही रखें ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सुबह ही कोई काम बनेगा खुशखबरी से दीन बन जाएगा । व्यवसाय में लाभ और नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कारोबार विस्तार को लेकर योजनाएं शुरू कर सकते हैं। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक सिद्ध होगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ समय आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। मित्रों के साथ डीनर का प्रोग्राम बनेगा । सेहत भी जबरदस्त रहेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन थोडा व्यस्तता मे बीतेगा थकावट ज्यादा रहेगी । धंधा जरुर अच्छा चलेगा लेकिन नए कार्यों की शुरुआत करने से बचें, वरना बड़ा नुकसान होने की संभावना रहेगी। कार्यों में सफलता मिलने से धन लाभ होगा, अनावश्यक धन व्यय की भी अधिकता रहेगी। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। उधार लेन–देन से बचें। परिश्रम और प्रयासों से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। विरोधी परास्त होंगे ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज सुबह ही हनुमान मंदिर के दर्शन करके दिन की शुरुआत करें कार्य सिद्धि होगी । आय में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी और कार्यों में सफलता के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा । जोखिम लेने से नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए निर्णय सोच–समझकर लें। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। दिन का पीछला भाग जरुर सुकून भरा रहेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 27 सितंबर 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आश्विन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 09:00 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा प्रातः 11:08 तक
योग : वृद्धि प्रातः 11:16 तक
करण : बालव प्रातः 09:43 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 06:05 ,सूर्यास्त 06:08 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:12 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:05 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 05:59 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : महालय पक्ष आरंभ, प्रतिपदा श्राद्ध , हस्त में रवि दोपहर 01:09 से , गण्डमूल प्रातः 11:09 से

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बिहार समाज सेवा संघ का सेवा शिविर सम्पन्न

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद के तत्वावधान में गणेश विसर्जन एवं अनंत चतुर्दशी के अवसर पर पैराडाइज चौराहे के पास दादू मिष्ठान भंडार के सामने नि:शुल्क प्रसाद एवं शुद्ध पेयजल वितरण सेवा शिविर आयोजित किया गया। दोपहर 3 बजे शुरू हुआ सेवा कार्य रात 3 बजे तक चला। विभिन्न क्षेत्रों से आने वाली गणेश प्रतिमाओं को रोककर पुष्प अर्पित किए गए तथा श्रद्धालुओं को प्रसाद एवं पेयजल वितरित किया गया।शिविर के प्रभारी महासचिव अभय वर्मा, जितेंद्र यादव, भवनाथ मिश्रा, संदीप ओझा, अरविंद सिंह, शंभु मिश्रा, चुन्नू पांडेय, राकेश सिंह सहित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सेवा कार्य में सहयोग किया। राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा, हैदराबाद अध्यक्ष मनीष तिवारी, महामंत्री दीपक तिवारी, नीरज सिंह एवं नवल किशोर तिवारी ने भी आयोजन में सहयोग दिया। इस अवसर पर अजय कुमार, अरविंद सिंह भूमिहार, रामबाबू सिंह, सोनू सिंह, वीरेंद्र पाठक, निर्मल तिवारी, राधेश्याम प्रजापति, दिनबंधु ओझा, धीरज तिवारी, मुकेश सिंह, जितेंद्र ओझा, अमित ओझा, कुंदन पांडेय, छोटू भाई, सुनील अग्रवाल सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अनंत चतुर्दशी को एन.के.एस. ग्रुप ऑफ कंपनीज एवं एन.के.एस. यूथ एसोसिएशन द्वारा गणेश जी को विसर्जन के लिए ले जाते हुए एन.के.एस. ग्रुप के चेयरमैन एन.के. सिंह, नेहा सिंह, लक्षजीत सिंह, एन.के.एस. यूथ एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरजीत सिंह, आदित्य सिंह, राजू सिंह, मनोज सिंह, रणजीत सिंह एवं अन्य सदस्य।

झाबरमल बाबुलाल डाकोतिया परिवार द्वारा अपने प्रतिष्ठान लीची पर्ल्स एण्ड ज्वेलर्स, फीलखाना, बेगम बाजर में स्थापित 24 कैरेट गोल्ड प्लेटेड, अमेरिकन डायमण्ड एवं पंचधातु से बनी प्रतिमा ङ्गलीची का राजाफ्- गणेश विजर्सन जुलूस का विशेष आकर्षण बनी । जुलूस के अन्तर्गत नगर पुलिस कमीश्नर सज्जनार का स्वागत करते हुए परिवार के अरुण डाकोतिया । अवसर पर उपस्थित अनिल डाकोतिया, अरुण डाकोतिया, अक्षय डाकोतिया, आधार डाकोतिया, निकितेश डाकोतिया, रिषभ डाकोतिया एवं उपस्थित भक्तगण ।

गणेश निमज्जन पर अन्नपूर्णा बिल्डर्स में श्रद्धालुओं की सेवा

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगमपेट स्थित अन्नपूर्णा बिल्डर्स में गणेश निमज्जन के अवसर पर श्रद्धालुओं की सेवा के लिए विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। दोपहर 12:01 बजे से रात 7:31 बजे तक चले सेवा कार्य में निमज्जन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं का स्वागत एवं सहयोग किया गया।इस अवसर पर राजकुमार अग्रवाल, रविंद्र अग्रवाल, संजय अग्रवाल, लोकेश अग्रवाल, दीपेश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, धर्मपाल अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल सहित हेमलता अग्रवाल, उमारानी अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल (फिरोजाबाद), दीपा अग्रवाल, अमिता अग्रवाल एवं सुनीता अग्रवाल (गोयल फार्मा) ने सक्रिय सहयोग किया। इस दौरान गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष गूंजते रहे। सभी ने भगवान गणेश से सुख–शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

भारतीय गौ भक्त उत्साह सेवा समिति के तत्वावधान में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गणेश अनंत चतुर्दशी के अवसर पर श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। गणपति विसर्जन यात्रा के दौरान गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा। समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण एवं सेवा कार्य किया गया।

कार्यक्रम में रमेश बंग, पुरुषोत्तम मिश्रा, अनिरुद्ध जी धूनी वाले, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, गिरिराज मिश्रा, विनोद शर्मा, विजय तोतला, अभिषेक पारीक, अनिल मूंदड़ा, राजेश तोषनिवाल, पप्पू महाराज, अनिरुद्ध भाटी, अशोक पंडित, मनोज काकड़ा, जितेंद्र मिश्रा, विजय सारड़ा, गणेश यादव, निलेश मूंदड़ा, भरत ओझा, गोपाल काकड़ा, दीपक मिश्रा, आनंद शर्मा, आशीष कालिया, अनिल रतावा, रूपेश काकड़ा, अजय भण्डारी, संदीप ठाकुर, पूनम सुन्तवाल, आनंद कांकानी, मुरली तिवारी, हेमंत सारड़ा, राकेश यादव, गौतम जोशी एवं नवल तिवारी सहित अनेक भक्तों एवं कार्यकर्ताओं ने सहयोग किया। समिति पदाधिकारियों ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए समाज में सेवा, संस्कार, एकता एवं भाईचारे की भावना मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया।

राजस्थान भवन में गणेश मंडल में विधायक ने किए गणेश जी के दर्शन

निजामाबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थान भवन में मारवाड़ी नवयुवक गणेश मंडल ड्रा आयोजित गणेशोत्सव में निजामाबाद इंदुर शहर विधायक धनपाल सूर्यनारायण जी एवं पार्षद नागोला लक्ष्मीनारायण पधारे। उन्होंने गणेश जी के दर्शन कर पूजा–अर्चना एवं आरती की। इस अवसर पर उन्होंने शिव–पार्वती, राम जी–सीता माता, हनुमान जी की झांकियों तथा गणेश जी एवं शिवलिंग के जलाभिषेक की मशीनों से चलायमान झांकी का अवलोकन किया और इसकी प्रशंसा की। इस अवसर पर विधायक सूर्यनारायण एवं पार्षद लक्ष्मीनारायण का संयोजक सतीश व्यास, श्याम तिवारी एवं सुनील मुंडेल ने माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर राजस्थानी सेवा समाज के मंत्री प्रवीण व्यास, श्याम तिवारी, जुगल झवर, सीताराम पांडे, जुगल किशोर पांडे, राजेश व्यास, अर्जुन व्यास एवं हरीश वैष्णव उपस्थित थे

प्रेस्टीज ड्रीम वैली द्वारा गणेश जी की स्थापना के शुभ अवसर पर गणेश सेवा समिति द्वारा आयोजित लड्डू की नीलामी में विला नंबर 37 के श्री रामपाल जी सांगवान ने 6 लाख 2 हजार रुपये की सर्वोच्च बोली लगाकर लड्डू प्राप्त किया।

सोलिटेयर हारमोनी, विठ्ठलराव नगर, माधोपुर में गणेशोत्सव का आनंद लेते हुए गणपति जी को दुर्गम चेरुवु में विसर्जन के लिए ले जाते हुए अरुणा गुप्ता, सरोज जी, नम्रता, माधवी, शिरिशा, श्रीदेवी, जानकी जी, लावण्या, सोनी, चारु, भाग्यलक्ष्मी जी, भारती, वैन्नारसी, मीनाक्षी, नीलिमा, पूनम, लता अग्रवाल, रोहिणी, चेतन्या, दीपा, किरण लोहिया, गौरी एवं अन्य वरिष्ठ गणमान्य महिलाएं, पुरुष और बच्चों ने मिलकर गणेश जी का विसर्जन किया।

गणेश विसर्जन के अवसर पर पचेरी अग्रवाल समिति की ओर से उस्मानगंज स्थित सुंदर चेम्बर्स के समीप श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद, जूस एवं पानी के पैकेट वितरण किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 11 बजे भगवान श्री गणेश एवं महाराजा श्री अग्रसेनजी की पूजा–अर्चना के साथ हुआ और सेवा कार्य रात 9 बजे तक चला। समिति अध्यक्ष मनोज पचेरिया ने कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रधान संयोजक संदीप पचेरिया सहित सभी सदस्यों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। आयोजन में समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं समाजबंधुओं ने सक्रिय सहयोग किया।

पूनमचंद मोहनलाल नागला सोडावत परिवार धाकड़ीवाला के सीताराम बाग स्थित निवास स्थान पर भगवान श्री गणेश जी महाराज के गणेश विसर्जन के अवसर पर परिवार सहित आशीर्वाद प्राप्त किया।

सिखवाल समाज की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती प्रेमलता व्यास के आगापुरा स्थित निवास पर भव्य गणपति पंडाल में दर्शन करने पहुंचे रामदेव नागला, रूपचंद व्यास, संदीप जायल वाले, रामप्रकाश जांगिड़, बाबूलाल जांगिड़, नाथू जांगिड़, सुरजाराम चौधरी, जानकी व्यास, प्रियंका पंडयाल, रंजना व्यास, रुचिका व्यास, ज्योति व्यास, रेखा कोलरिया एवं समस्त गणेश परिवार।

विनायक सागर में विघ्नहर्ता गणेश महाराज जी का विसर्जन करते हुए विंध्यांचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, सुनीता पांडेय, श्रुति पाण्डेय, प्रियांशु पाण्डेय एवं प्रियांशी पाण्डेय।

पितृपक्ष आरंभ

इस बार 15 दिन रहेगा पितृपक्ष

30 सितंबर को होगा चतुर्थी-पंचमी का श्राद्ध

पितृपक्ष का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। पितृपक्ष में **पितरों** का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए पूजन किया जाता है। इस दौरान पितरों के प्रति आदर-भाव प्रकट किया जाता है। पितृपक्ष या श्राद्ध करीब 16 दिनों का होता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान, जयपुर-जोधपुर के निदेशक **ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास** ने बताया कि इस बार **पितृपक्ष का आरंभ 26 सितंबर** से हो रहा है और यह 10 **अक्टूबर** तक चलेगा।

देवी-देवताओं के अलावा पितर भी हमारे जीवन और मंगल कार्यों के लिए बहुत जरूरी माने जाते हैं। हमारे ये पूर्वज पितृलोक में वास करते हैं और श्राद्ध पक्ष के 16 दिनों के लिए वे धरती पर आते हैं। इसीलिए उनकी आत्मा की शांति के लिए तर्पण, अर्पण और दान देने की परंपरा है। ऐसा करने से पितरों की आत्मा तृप्त होती है और उन्हें मोक्ष मिलता है। वे हमें आशीर्वाद देकर जाते हैं।

पितृपक्ष में पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध और तर्पण आदि कर्म किए जाते हैं। पितृपक्ष के दौरान पितृलोक से पितर धरती लोक पर आते हैं। इसलिए इस दौरान उनके नाम से पूजा-पाठ करना उनकी आत्मा को शांति देता है। साथ ही उन्हें मोक्ष मिलता है। पितृपक्ष, जिसे श्राद्ध भी कहा जाता है, अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए किया जाता है। पितरों की पूजा और तर्पण आदि कार्यों के लिए श्राद्ध पक्ष बहुत ही उत्तम माना जाता है।

पितृपक्ष के दौरान हमारे पूर्वज पितृलोक से धरती लोक पर आते हैं। इसलिए इन दिनों में उनके श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान आदि करने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि पितरों का श्राद्ध आदि करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती हैं।

ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि पितृपक्ष पितरों को समर्पित है। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध किया जाता है। पंचांग के अनुसार पितृपक्ष की शुरुआत भाद्रपद माह की पूर्णिमा तिथि से होती है और अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर इसका समापन होता है। पितृपक्ष यानी श्राद्ध का हिंदू धर्म में विशेष महत्व होता है।

पितृपक्ष के दौरान पूर्वजों को श्रद्धापूर्वक याद करके उनका श्राद्ध कर्म किया जाता है। पितृपक्ष में पितरों को तर्पण देने और श्राद्ध कर्म करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दौरान न केवल पितरों की मुक्ति के लिए श्राद्ध किया जाता है, बल्कि उनके प्रति अपना सम्मान प्रकट करने के लिए भी किया जाता है। पितृपक्ष में श्रद्धापूर्वक अपने पूर्वजों को जल देने का विधान है।

पितरों की कृपा नहीं हो तो जातक की कुंडली में पितृदोष लगता है। ऐसे लोगों का जीवन दुखों और परेशानियों से भर जाता है। घर-परिवार में सुख-शांति नहीं रहती है। आकस्मिक दुर्घटनाएं होती हैं। वैवाहिक जीवन में भी परेशामियां होने लगती हैं। लिहाजा, पितरों की शांति के लिए श्राद्धपक्ष के ये 16 दिन बहुत विशेष होते हैं।

पितरों की कृपा नहीं हो तो जातक की कुंडली में पितृदोष लगता है। ऐसे लोगों का जीवन दुखों और परेशानियों से भर जाता है। घर-परिवार में सुख-शांति नहीं रहती है। आकस्मिक दुर्घटनाएं होती हैं। वैवाहिक जीवन में भी परेशामियां होने लगती हैं। लिहाजा, पितरों की शांति के लिए श्राद्धपक्ष के ये 16 दिन बहुत विशेष होते हैं।

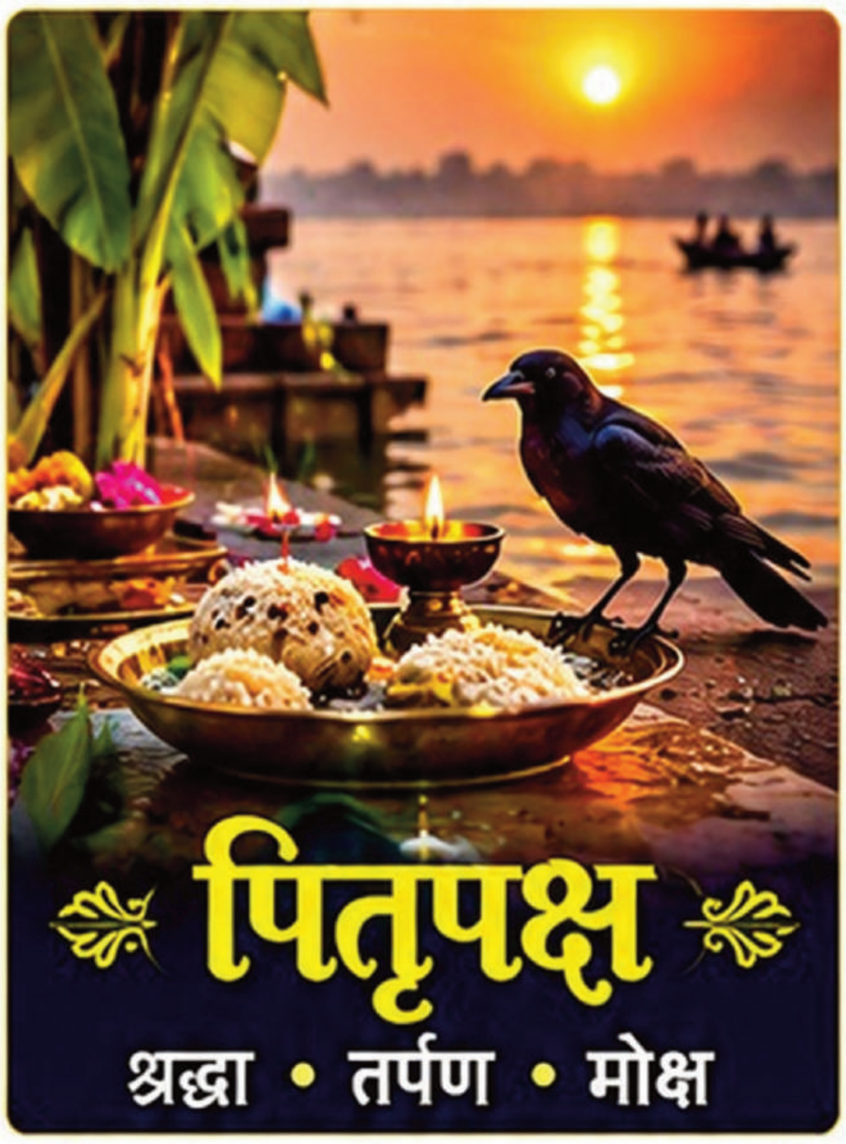

कब है कौन-सा श्राद्ध

श्राद्ध की तिथियां इस प्रकार हैं—

26 सितंबर	पूर्णिमा श्राद्ध
27 सितंबर	प्रतिपदा श्राद्ध
28 सितंबर	द्वितीया श्राद्ध
29 सितंबर	तृतीया श्राद्ध
30 सितंबर	चतुर्थी श्राद्ध और पंचमी श्राद्ध
1 अक्टूबर	षष्ठी श्राद्ध
2 अक्टूबर	सप्तमी श्राद्ध
3 अक्टूबर	अष्टमी श्राद्ध
4 अक्टूबर	नवमी श्राद्ध
5 अक्टूबर	दशमी श्राद्ध
6 अक्टूबर	एकादशी श्राद्ध
7 अक्टूबर	द्वादशी श्राद्ध
8 अक्टूबर	त्रयोदशी श्राद्ध
9 अक्टूबर	चतुर्दशी श्राद्ध
10 अक्टूबर	सर्वपितृ अमावस्या
11 अक्टूबर	मातामह नाना श्राद्ध

पितृपक्ष में क्या करें और क्या न करें

पितरों की कृपा के लिए पितृपक्ष में श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान और हवन आदि किया जाता है। इस दौरान पितरों को खाना निकाला जाता है और उनकी तिथि पर ब्राह्मणों को भोज कराया जाता है। इन 15 दिनों में कोई शुभ कार्य जैसे गृह प्रवेश, कर्णछेदन, मुंडन, शादी-विवाह नहीं कराए जाते। न कोई नया कपड़ा खरीदा जाता है और न ही पहना जाता है। पितृपक्ष में लोग अपने पितरों के तर्पण के लिए पिंडदान और हवन भी कराते हैं।

दोपहर में करना चाहिए तर्पण-अर्पण

देवी-देवताओं की पूजा-पाठ सुबह और शाम को की जाती है। पितरों के लिए दोपहर का समय होता है। दोपहर में करीब 12 बजे श्राद्ध कर्म किया जा सकता है। सुबह नित्यकर्म और स्नान आदि के बाद पितरों का तर्पण करना चाहिए।

पंचांग के अनुसार

इस साल पितृपक्ष की शुरुआत शनिवार, **26 सितंबर** से हो रही है। वहीं, पितृपक्ष का समापन शनिवार, **10 अक्टूबर** को सर्वपितृ अमावस्या के दिन होगा। मान्यता है कि सर्वपितृ अमावस्या के दिन उन सभी पितरों का श्राद्ध किया जाता है, जिनकी श्राद्ध तिथि ज्ञात नहीं होती है।

शास्त्रों के अनुसार 16 दिनों तक चलने वाले पितृपक्ष में पितरों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान आदि क्रियाएं की जाती हैं। पितृपक्ष में पितरों के श्राद्ध वाले दिन कौए को भोजन कराने की परंपरा है। मान्यता है कि कौवे के माध्यम से भोजन पितरों तक पहुंच जाता है। मान्यता है कि पितृपक्ष में पितर कौवे के रूप में पृथ्वी पर आते हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान
जयपुर-जोधपुर

पपीता खाने के सिर्फ फायदे नहीं, कई नुकसान भी हैं

ज्यादातर लोगों को पपीता बहुत पसंद होता है। कुछ लोग इसे खाली पेट खाना पसंद करते हैं, तो कुछ सलाद के रूप में खाते हैं तो वहीं कुछ लोग शरीर की डिटॉक्सिंग के लिए पपीते का जूस पीते हैं। पपीते में ढेर सारे औषधीय गुण मौजूद हैं और यह ऐंटीबैक्टेरियल और ऐंटीफंगल के रूप में काम करता है। इतना ही नहीं इसके पत्ते डेंगू बुखार से लड़ने में भी इस्तेमाल किए जाते हैं। इतने गुणों से भरपूर पपीते का नकारात्मक पक्ष भी है। आखिर क्यों, महिला और पुरुष दोनों के लिए समान रूप से पपीता सर्वश्रेष्ठ फल नहीं है...

गर्भपात का जोखिम

एक फल के रूप में पपीता के कई लाभ हैं लेकिन इसके बीज और जड़ गर्भपात का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा, कच्चा पपीता खाने से गर्भाशय के संकुचन का खतरा हो सकता है। हालांकि यह खतरा पके हुए पपीते में बहुत अधिक मात्रा में नहीं होता, बावजूद इसके गर्भावस्था के दौरान पपीता नहीं खाना चाहिए।

फूड पाइप में रुकावट

ज्यादातर लोग इस बात को लेकर आश्वस्त रहते हैं कि पपीता उनके लिए सबसे अच्छा फल है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि आप इसे बहुत अधिक मात्रा में खाएं। अधिक पपीता खाने से आपके इसाफ़गस यानी भोजन की नली में रुकावट आती है और नली को नुकसान पहुंच सकता है। एक दिन में एक कप से अधिक पपीता न खाएं।

जन्मजात दोष

पपीता के पत्तों में पेपीन पाया जाता है जो बच्चे के लिए विष हो सकता है और यहां तक कि इससे जन्मजात दोष भी हो सकता है। स्तनपान के दौरान पपीता खाना कितना सुरक्षित है इस बारे में भी अब तक बहुत कुछ पता नहीं चल पाया है। लिहाजा बच्चे के जन्म से पहले और जन्म के बाद भी जब तक मां, बच्चे को अपना दूध पिलाती है उन्हें पपीता खाने से बचना चाहिए।

एलर्जी की आशंका

पपीता में मौजूद लेटेक्स की वजह से कुछ लोगों में ऐलर्जी हो सकती है। कच्चे पपीते में लेटेक्स की मात्रा ज्यादा होती है ऐसे में एक बार फिर कच्चा पपीता जोखिम भरा फल हो सकता है।

ब्लड शुगर को कम करता है

पपीता खाने से ब्लड शुगर कम हो सकता है। ऐसे में अगर आप ब्लड प्रेशर नियंत्रित करने के लिए दवा खा रहे हैं, तो पपीते का सेवन आपके लिए नुकसानदेह हो सकता है।

प्रजनन क्षमता पर असर

पपीते के बीज का अर्क पुरुषों में प्रजनन क्षमता को कम कर सकता है। ऐसा कहा जाता है कि यह शुक्राणुओं की संख्या को कम करता है। यहां तक की शुक्राणुओं की गतिशीलता को भी प्रभावित करता है।

विषाक्तता

पपीता के कई स्वास्थ्य लाभ हैं लेकिन इसका अधिक सेवन विष के समान हो सकता है क्योंकि इसमें बेंज़लि आइसोथायोसाइनेट यौगिक पाया जाता है।

इन आदतों की वजह से चेहरे पर निकल आते हैं पिंपल्स

नैचुरल ग्लों ही चेहरे की असली खूबसूरती है। चेहरे पर मुंहासे हो जाएं तो मेकअप से इन्हे छुपाना भी मुश्किल हो जाता है। बार-बार स्किन पर होने वाले ये पिंपल्स परेशानी का कारण बन जाते हैं और कई बार इनकी वजह समझ पाना भी परेशानी में डाल देता है। आप भी इसी तरह की किसी परेशानी से जूझ रहे हैं तो हो सकता है इनकी वजह आपकी ही कुछ गलतियां हो। जिसके कारन बार-बार पिंपल्स परेशान कर रहे हैं।

मीठे का ज्यादा सेवन

अपने आहार में जरूरत से ज्यादा मीठा खाने से भी चेहरे पर मुंहासे होने लगते हैं। चेहरे को पिंपल फ्री रखना चाहते हैं तो मीठा खाना कम कर दें।

एक्सरसाइज के बाद न नहाना

कुछ लोग रोजाना जिम में एक्सरसाइज करते हैं। इसके बाद थकावट या फिर आलस की वजह से नहाते नहीं। स्किन पर जमी गंदगी जब साफ नहीं होती तो पिपंल होने शुरू हो जाते हैं।

मसालेदार खाने के सेवन

कुछ लोग मसालेदार खाना ज्यादा पसंद करते हैं। जो पिंपल की खास वजह है। चेहर पर नैचुरल ग्लो बनाएं रखना चाहते हैं तो कम मिर्च मसाले वाले खाना का सेवन करें।

हाइजीन न रखना

स्किन और बालों की सफाई रखना बहुत जरूरी है। बालों में जमा गंदगी रूसी का कारण बनती है। जिससे स्किन के पोर्स बंद होने शुरू हो जाते हैं। इससे मुंहासे होने लगते हैं।

जंक फूड

पिज्जा,बर्गर,न्यूडलस जैसे जंक फूड खाने से स्किन प्रॉब्लम होनी शुरू हो जाती है। स्किन हैल्दी रखना चाहते हैं तो जंक फूड का सेवन कम करें।

स्मोकिंग

धूम्र पान करने से स्किन को पूरी ऑक्सीजन नहीं मिल पाती। जिसका असर स्किन पर देखने को मिलता है। इससे पिंपल्स होने लगते हैं।

डेनिम पहनना चाहते हैं तो यह रहे कुछ अलग हट कर स्टाइल

डेनिम एक ऐसा परिधान है, जिसे किसी भी मौसम में बेहद स़्टाइलिश तरीके से पहना जा सकता है। शायद यही कारण है कि चाहे लड़के हो या लड़कियां, यह किसी की पहली पसंद बना हुआ है। डेनिम की जींस से ले कर जंपसूट यहां तक कि जैकेट्स भी कभी भी फैशन से आउट नहीं होते। अगर आपके पास भी डेनिम जैकेट्स का कलेक्शन है तो आज हम आपको उन्हें पहनने के कुछ अलग व स्टाइलिश तरीके बताते हैं। यह तरीके न सिर्फ आपके डेनिम जैकेट्स को और भी स्टाइलिश बनाएंगे, बल्कि इससे आपका भी मेकओवर हो जाएगा–

डबल डेनिम लुक

यह एक ऐसा लुक है, जो काफी ट्रेंडी व पॉपुलर है। साथ ही यह लुक लड़के हो या लड़कियां सभी पर सूट करता है। अगर आप भी डबल डेनिम लुक कैरी करने का सोच रहे हैं तो आपको कलर्स पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उदाहरण के तौर पर, लाइट वॉश डेनिम-केट के साथ डॉर्क ब्लू जींस पहन सकते हैं या फिर डार्क कलर्ड जैकेट के साथ लाइट ब्लू जींस भी पहनी जा सकती है। अगर आप जींस नहीं पहनना चाहतीं तो आप शॉर्ट्स व जैकेट का कॉम्बिनेशन भी कैरी कर सकती हैं।

हो जाओ कलरलेस

ऐसा जरूरी नहीं है कि आप अपने लुक को कलरफुल बनाने के लिए अलग-अलग कलर्स का सहारा लें। अगर आप किसी खास कलर के लिए क्रेजी नहीं हैं तो आप डेनिम को व्हाइट कलर के साथ भी कैरी कर सकती हैं। इस लुक के लिए आप अपर व लोअर वियर में व्हाइट कलर ही पहनें व अपनी डेस के ऊपर आप डेनिम जैकेट पहनें। जहां तक बात अपर व लोअर वियर की है तो आप शर्ट व टीशर्ट से लेकर शॉर्ट या जींस कुछ भी पहन सकती हैं। आप अपने इस लुक को मैटेलिक सैंडल्स व फंकी एसेसरीज की मदद से कंप्लीट कर सकती हैं।

मिक्स एंड मैच

पिछले काफी समय से फैशन के गलियारों में मिक्स एंड मैच व नए-नए एक्सपेरिमेंट्स को काफी तवज्जो दी जाती है। यह लुक न सिर्फ क्रिएट करने में काफी आसान होता है, बल्कि इसमें आपको एक्सपेरिमेंट करने के लिए काफी ऑप्शन भी मिलते हैं। उदाहरण के तौर पर, आप अपनी डेनिम जैकेट को फ्लॉरल टॉप या ड्रेस के ऊपर कैरी कर सकती हैं। अपने लुक़ को एन्हॉन्स करने के लिए आप प्लेटफॉर्म शूज व छोटा फ्रिंज पर्स भी अवश्य कैरी करें।

ओपन नहीं बटन जैकेट

आमतौर पर जैकेटस को ओपन ही पहना जाता है, लेकिन अगर आप थोड़ा एक्सपेरिमेंटल होना चाहते हैं तो ओपन जैकेट की जगह बटन वाली जैकेट का चयन करें। आप इस बटन जैकेट को ब्लू स्किनी जींस के साथ कैरी करें। अगर आप कलर की मोनोटोनी तोड़ना चाहते हैं तो ब्लू के स्थान पर ब्लैक या अन्य किसी अपने पसंदीदा कलर का चयन करें। इस लुक में आपकी जैकेट एक शर्ट लुक ले लेती है, जो देखने में काफी अच्छा लगता है। वहीं लड़कियां इस लुक को जींस के अतिरिक्त मैक्सी के साथ भी ट्राई कर सकती हैं।

परियों जैसी खूबसूरती पाने के ये हैं आसान तरीके

वैसे तो सभी महिलाऐं बहुत खूबसूरत होती है। पर कहा जाता है कि ब्राजील और रूस की महिलाओं की बात ही कुछ अलग होती है, वह अत्यंत ही खूबसूरत होती है। कभी सोचा है आखिर ऐसा क्यों..? कुछ तो भगवान ने उन्हें खूबसूरत बनाया होता ही हैं और बाकी कुछ वह अपने ब्यूटी सीक्रेट्स के माध्यम से बनती है। तो इसीलिए ही आज हम आपके लिए लाए है कुछ ऐसे की ब्यूटी सीक्रेट्स जो आपको देंगे एक गॉर्जियस लुक

डार्क सर्कल्स से छुटकारा

डार्क सर्कल्स से छुटकारा पाने के लिए आपको एक बहुत ही सरल काम करना है। आलू को स्लाइसेस में काटे और दोनों आँखों पर एक-एक स्लाइस रख और करीबन 15 मिनट के लिए छोड़ दें। इसे एक हफ्ते में एक बार दोहरायें और करीबन 5 हफ्तों में आप अपने आँखो के डार्क सर्कल्स को कम होता महसूस कर सकेंगे।

यू करें होम मेड स्क्रब

एक ग्लोइंग फेस और स्किन के लिए ट्राय करें होम मेड स्क्रब्स। एक बाउल में थोड़ी सी ब्राउन शुगर, नारियल का तेल और पानी की कुछ बूँदें मिला कर एक स्क्रब बना लें और उसे फेस पर लगा लें।

दांतों के लिए नमक और सरसों का तेल

एक खूबसूरत चेहरे के साथ ये भी बहुत जरूरी है की आपके दांत बिलकुल सफेद हो, और इसीलिए दांतों की सफेदी के लिए अपनाएं नमक और सरसों के तेल, दांत चमकाने का ये नुस्खा काफी पुराना है। बस चुटकी भर नमक में 2-3 बूंदें तेल की मिलाकर दांत साफ करें।

अपनी बॉडी को करें डीटॉक्स

सुबह उठते ही सबसे पहले हल्के गर्म पानी में निम्बू मिला कर पियें, ये आपको अपनी बॉडी को डीटॉक्स करने में मदद करता है जिससे की आपकी स्किन ग्लोइंग हो जाती है।

कुछ महत्वपूर्ण चीजें

घर से बाहर निकलने से पहले मॉइस्चराइजर, परफ्यूम लगाना ना भूले, ये आपको धुप से बचाते हैं, और आपको सारा दिन फ्रेश रखते हैं।

खूबसूरत रिलेशनशिप के लिए इन बातों का रखें खास खयाल

रिश्ता कैसा भी हो लोग उसे निभाने के लिए अपनी तरफ से हर कोशिश करते हैं. लेकिन कुछ रिश्ते खास होते हैं, जिनकी शुरुआत होते ही हर किसी को एक अलग और नई खुशी का एहसास होने लगता है. हम यहां बात कर रहे हैं एक रिलेशनशिप की, जिसमें आपकी जिंदगी में किसी ऐसे शख्स की एंट्री होती है, जो आपके लिए सबसे खास बन जाता है. लेकिन एक मजबूत रिश्ते के लिए उसकी नींव का भी मजबूत होना जरूरी होता है. नींव का मतलब यहां रिलेशनशिप की शुरुआत से है. यह सबसे ज्यादा जरूरी होता है कि आपका रिलेशनशिप कैसे शुरू हुआ. रिलेशनशिप में आते वक्त आपने अपने बॉयफ्रेंड या फिर गर्लफ्रेंड की किन आदतों से प्यार हुआ. ऐसा क्या था जो सामने वाला शख्स आपके दिल के इतने करीब आ गया. आइए हम आपको बताते हैं कि किस तरीके से आप अपने रिलेशनशिप को परख सकते हैं कि वह वाकई में मजबूत है या फिर इसमें अभी भी कुछ अधूरा रह गया है.

पहला कदम

हम जानते हैं कि प्यार कभी सोच समझकर या फिर दिमाग से नहीं किया जा सकता है. लेकिन अगर आप एक मजबूत और लंबे रिलेशनशिप में जाना चाहते हैं तो अपना पहला कदम लेने से पहले एक बार सोचना बेहतर होगा. सामने वाले की कुछ आदतों को ही जानकर फैसला लेना ठीक नहीं होगा. खुद को और इस बढ़ते रिलेशनशिप को थोड़ा सा टाइम दें.

देखें जिंदगी में आ रहे बदलाव

जब आप किसी रिलेशनशिप में आते हैं तो आपकी जिंदगी में कई तरह के बदलाव भी आते हैं. अगर ये बदलाव अच्छे हैं तो चिंता की कोई बात नहीं है, लेकिन अगर आपको लग रहा है कि आप रिलेशनशिप में जितना आगे बढ़ रहे हैं खुद को उतना ही खोते जा रहे हैं तो इसका मतलब है कि आपका रिलेशनशिप आपकी पहचान को खत्म कर रहा है. यह जरूरत से ज्यादा बदलाव आपके लिए खतरनाक भी हो सकता है.

शक करना भी जायज?

एक मजबूत रिश्ते के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है भरोसा, कहते हैं कि अगर भरोसा न रहे तो रिलेशनशिप में कई तरह की परेशानियां आती हैं. लेकिन एक रिश्ते में हेल्दी शक होना भी उतना ही जरूरी है जितना एक दूसरे के लिए भरोसा करना. अपने पार्टनर को जरूर स्पेस दें, लेकिन अंधा विश्वास करना भी कभी-कभी घातक सिद्ध होता है. इसीलिए थोड़ा बहुत शक या पजेसिव होना भी आपके लिए सही है.

एक दूसरे के साथ बिताएं वक्त

आमतौर पर देखा जाता है कि लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में उतनी ज्यादा परेशानिया नहीं होती हैं, जितनी साथ रहने वाले रिलेशनशिप में होती है. लेकिन अगर आप अपने पार्टनर से मिलते जुलते हैं तो यह आपके रिश्ते के लिए काफी अच्छा है. इससे दोनों को ही एक दूसरे का बारे में कई बातें पता चलती हैं. यही बातें छोटी-मोटी नोकझोंक का भी कारण होती हैं. लेकिन इससे कहीं न कहीं आपके रिश्ते में एक मजबूती आती है. इसीलिए जितना हो सके एक दूजे के साथ वक्त बिताएं.

सर्दियों में करवाएं कैंडल मेनिक्योर-पेडिक्योर, जानिए क्या हैं इसके फायदे?

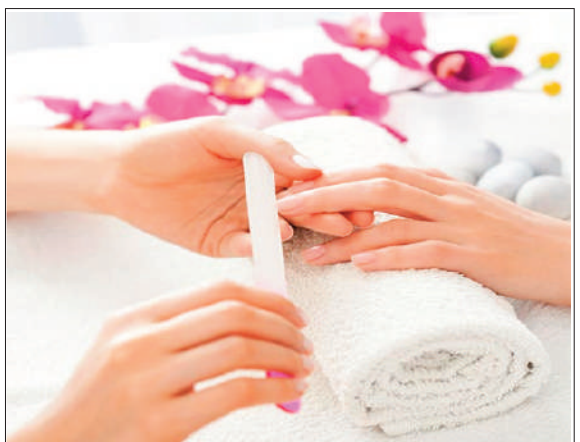

सर्दियां आने वाली हैं और इस बदलते मौसम के साथ ही हमारी त्वचा भी सूखी और बेजान होने लगती है। ऐसे में त्वचा को अधिक देखभाल की जरूरत होती है। बहुत सी महिलाएं अपने चेहरे की देखभाल तो कर लेती हैं लेकिन हाथों और पैरों पर इतना ध्यान नहीं दे पाती, जबकि सर्दियों में हाथों और पैरों को अतिरिक्त मॉश्चराइजर की आवश्यकता होती है। ऐसे में आप कैंडल मेनिक्योर-पेडिक्योर करवा सकते हैं। आईए जानते हैं ड्राई स्किन के लिए कितनी फायदेमंद है ये थैरेपी।

इस ट्रीटमेंट में कुछ खास तरह से बनाई गई कैंडल्स को गलाया जाता है और फिर इनका इस्तेमाल स्किन पर स्क्रब और क्रीम के रूप में किया जाता है। यह डैड स्किन को हटाकर उसे अतिरिक्त नमी प्रदान करती है, जिससे आपके हाथों और पैरों की त्वचा सर्दियों में भी नमी युक्त रहती है। इस कैंडल में जोजोबा ऑयल, कोकोआ बटर, विटामिन ई और आवश्यक तेलों को मिश्रण होता है। यह त्वचा को पोषण देने और त्वचा सेल के पुनर्जनन का शानदार तरीका है।

रेसिपी

गुड़ का हलवा

सामग्री

3/4 कटोरी आटा, 1/4 कटोरी रवा, 1/2 कटोरी घी, 1 1/2 कटोरी गुड़ या गुड़ का बूरा (बाज़ार में उपलब्ध), पानी, आवश्यकतानुसार, 2 टेबलस्पून कटे हुए ड्राय फ्रूट्स + सजाने के लिए अतिरिक्त

विधि

एक पैन में घी डालकर धीमी आंच पर गर्म करें. अब इसमें रवा डालकर दो मिनट भूनें। फर आटा डालकर धीमी आंच पर आटे के रंग बदलने और खुशबू आने तक (लगभग 15 मिनट) भूनें। जब यह अच्छी तरह भुन जाए तो इसमें ड्राय फ्रुट्स डालकर एक मिनट और भूनें। अब इसमें पानी डालें (लगभग 3 कटोरी) और अच्छी तरह चलाएं, ताकि गांठें न बनने पाएं। फिर गुड़ डालकर अच्छी तरह मिलाएं। चलाती रहें, जब हलवा तली से अलग होने लगे आंच से उतार लें। ड्रायफ्रूट्स से सजाकर गर्म-गर्म परोसें।

काजू-मक्खनवाला पनीर

सामग्री

1 टेबलस्पून तेल, 1 टेबलस्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट, 40 ग्राम काजू का पेस्ट, 3 टेबलस्पून मगज पेस्ट (बाजार में उपलब्ध), 2 टीस्पून कसूरी मेथी, 2 टीस्पून मक्खन, 1 टीस्पून धनिया पाउडर, 1 टेबलस्पून जीरा पाउडर, 1 टेबलस्पून गरम मसाला पाउडर, 20 मिली क्रीम + 10 मिली सजाने के लिए, 2 टेबलस्पून मक्खन, 400 ग्राम पनीर, चौकोर टुकड़ों में कटा हुआ।

विधि

एक पैन में तेल गर्म करें। इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट डालें। अब काजू और मग़ज पेस्ट डालकर कुछ मिनट तक चलाएं। बचे हुए मसाले डालकर कुछ देर और चलाएं। 20 मिली क्रीम और मक्खन डालें। अच्छी तरह मिलाएं। सर्व करने से पहले पनीर के टुकड़े डालें। क्रीम से सजाएं और सर्व करें।

क्या आप जानते हो

बहादुर बब्बर शेर

अगर यह प्रश्न पूछा जाए कि जंगल का राजा कौन है, तो शायद ही कोई ऐसा हो, जिसे मालून न हो कि शेर जंगल का राजा है। बहुत पुराने समय से उसे शक्ति और प्रभुत्व का प्रतीक माना जाता है। भारत ने भी उसे अपने राष्ट्रीय चिन्ह में स्थान दिया है। वह पशुओं में सबसे अधिक रोबीला और बहादुर है। बिल्ली जाति का वह एकमात्र पशु है, जिसके नर की गर्दन दर्शनीय अयाल से सुशोभित रहती है। शेर की शारीरिक गठन, बनावट और आदतें घरेलू बिल्ली के समान होती हैं।

एक समय था, जब शेर बब्बर उत्तरी भारत के अधिकांश मैदानी जंगलों में पाया जाता था, किंतु अब उनकी संख्या काफी कम हो गई है। अपनी निर्भीकता के कारण वह सरलता से मारा गया। भारत में उनके संरक्षण के लिए गिरनार में एक संरक्षित वन बनाया है जहां लगभग दो सौ शेर है।

भारतीय शेर की लंबाई 2.5 मीटर से 2.9 मीटर और वजन 200 से 250 किलोग्राम होता है। वह समाज प्रिय पशु है और झुंड बनाकर रहता है। एक झुंड में दो तीन शेर कुछ शेरनियां और बच्चे होते हैं। वे मिलकर शिकार करते हैं, जिसमें प्रमुख भाग शेरनियां लेती हैं। शिकार पर पहला अधिकार शेर का होता है, शेरनियां व बच्चे बाद में खाते हैं। तीन वर्ष से बड़े शेर अपना नया झुंड बनाते हैं। दिन के समय शेर किसी घनी झाड़ी में सोया रहता है, शाम होते ही उसे भोजन प्राप्त करने की चिंता होती है। प्राय: वह जलाशय को जाने वाले मार्ग के किनारे दुबककर बैठ जाता है।

जुगनू कैसे चमकते हैं ?

अंधेरी रातों में जुगनूओं को चमकते हुए तो आप सबने जरूर देखा होगा। यदि अंधेरा हो, तो जुगनू का बारी-बारी से चमकना और बंद होना रोमांचक और आर्कषक दिखता है। जुगनू लगातार नहीं चमकते, बल्कि एक निश्चित अंतराल में ही चमकते और बंद होते हैं। जुगनू के पेट में नीचे की ओर स्किन के ठीक नीचे कुछ हिस्सों में रोशनी पैदा करने वाले अंग होते हैं। इन अंगों में एक रसायन होता है। यह रसायन ऑक्सीजन के संपर्क में आकर रोशनी पैदा करता है। वहां एक और रसायन भी होता है, जो इस रोशनी पैदा करने की क्रिया को उकसाता है, हालांकि यह पदार्थ खुद क्रिया में भाग नहीं लेता है। पुराने जमाने में लोग रोशनी पैदा करने वाले कीटों को पकड़कर अपनी झोंपड़ियों में उजाले के लिए इस्तेमाल करते थे। ये लोग किसी छेद वाले बर्तन में जुगनूओं को पकड़ कर कैद कर लेते थे और रात को इन कीटों की रोशनी में अपना काम करते थे। दूसरे विश्व युद्ध में जापानी फौजी किसी संदेश या नक्शे को पढ़ने के लिए कीटों से निकलने वाली रोशनी की मदद लेते थे। जुगनूओं के अलावा और भी जीव हैं जो रोशनी पैदा करते हैं। कुछ बैक्टीरिया, कुछ मछलियां, कुछ किस्म के शैवाल, घोंघे और केकड़ों में भी रोशनी पैदा करने के गुण होते हैं। कुछ फफूंद भी चमकने की क्षमता रखती हैं और लगातार रोशनी पैदा कर कीटों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। कुकरमुत्ते की एक किस्म भी रात में बड़ी तेजी से चमकती है।

कुदरत का खूबसूरत अजूबा विक्टोरिया जलप्रपात

आकर्षक उद्यानों वाले पठार, ऊंची-ऊंची पर्वत श्रेणियां, रोमांचक वन्य जीवन, समुद्र जैसी विशाल झीलें और मनमोहक जलप्रपात, यह सब कुछ ऐसी विशेषताएं हैं जिनकी वजह से बार-बार अफ्रीका जाने को मन करता है। अफ्रीका की प्राकृतिक खूबसूरती में जो चीज सबसे अधिक हैरान करती है वह है भव्य विक्टोरिया जलप्रपात। इस जलप्रपात को कुदरत का खूबसूरत अजूबा ही कहा जा सकता है।

ऐसा अनुमान है कि प्रति मिनट जैंबेजी नदी का लगभग 55 लाख घन मीटर पानी घाटी में नीचे गिरता रहता है और इस घाटी के सामने के छोर से, जोकि नदी के तट जितना ही ऊंचा है, का आनंद आप ले सकते हैं। इस प्रपात को एक किनारे से दूसरे किनारे तक देखने के लिए आपको कार द्वारा या फिर पैदल पुल पार करके जिम्बाब्वे की सीमा में प्रवेश करना होगा। यह पुल जलप्रपात से 700 मीटर दक्षिण में स्थित है और इस पर खड़े होकर आप इसका पूरा नजारा देख सकते हैं।

विक्टोरिया जलप्रपात के आसपास लोग हजारों साल से रहते आ रहे हैं, लेकिन बाहरी दुनिया को प्रकृति के इस आश्चर्य से परिचित कराने का श्रेय एक स्काटिश मिशनरी डेविड लिविंग्सटन को जाता है। 1855 में एक छोटी सी नाव में बैठ कर वह यहां पहुंचा था। उसी ने उस समय की परंपरा के अनुसार इंग्लैंड की महारानी के नाम पर इसे विक्टोरिया जलप्रपात नाम दिया और उसके नाम पर इस शहर का नाम पड़ा लिविंग्सटन।

इस जलप्रपात का सबसे पुराना नाम शोंगवे था, जो इस क्षेत्र में बसे टोकलेया लोगों ने इसे दिया था। उसके बाद एंडेबेले लोग यहां आकर बसे और उन्होंने इसे बदल कर अमांजा थुंकुआयो कर दिया, जिसका अर्थ हुआ, धुएं में बदलता हुआ पानी। अंत में मकालोलो लोगों ने इसे एक नया नाम दिया मोस औ तुन्या, यानि गरजता हुआ धुआं। स्थानीय लोगों में आज भी यही नाम प्रचलित है। पिछले लगभग साढ़े पांच लाख वर्षों के दौरान यह जलप्रपात अपना स्थान बदलता रहा है। इस प्रक्रिया के दौरान नदी अब तक सात घाटियां पीछे छोड़ कर अपने वर्तमान स्थान पर पहुंची है। यहां आपको पानी तथा कीचड़ में अपने स्थूल शरीर को छिपाने का प्रयास करते हिप्पो भी देखने को मिल जाएंगे।

आसपास के वनों में आपको एक डाल से दूसरी डाल पर कूदते बंदर भी नजर आएंगे साथ ही अनेक प्रकार के पक्षियों का कलरव भी आपका मन मोह लेगा। यहां का विक्टोरिया राष्ट्रीय उद्यान हाथी, अफ्रीकी भैंस, शेर तथा अन्य वन्य पशुओं से भरा पड़ा है। नदी में बड़े-बड़े खतरनाक मगरमच्छ भी हैं इसलिए इसमें नहाना सुरक्षित नहीं है। यहां सूर्योदय तथा सूर्यास्त देखने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से दिसंबर के बीच ही होता है, उस समय नदी में पानी भी ज्यादा नहीं होता और आकाश भी साफ होता है। आधुनिक पर्यटकों के मनोरंजन के लिए यहां पैराशूटिंग और जैंबेजी पुल से बंजी जंपिंग जैसे रोमांचक खेलों की व्यवस्था है। मछली पकड़ने के शौकीनों के लिए कुछ विशेष नौकाएं भी यहां उपलब्ध हैं जो नदी के अंदर ले जाकर आपके इस शौक को पूरा करती हैं। विक्टोरिया जलप्रपात को देखने के बाद आप यह अवश्य ही महसूस करेंगे कि प्रकृति का इससे अधिक रोमांचक, नाटकीय, भव्य तथा विलक्षण रूप शायद ही कहीं अन्यत्र देखने को मिले।

पृथ्वी जैसा एक ग्रह मौजूद है सौर मंडल में

सौरमंडल में अनेक ग्रह, नक्षत्र उपस्थित हैं, इनके बारे में पता लगाने की लगातार कोशिशें चलती रही हैं। हाल ही में अमेरिका के वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के सौरमंडल के बाहर पृथ्वी जैसे ही एक ग्रह की उपस्थिति का पता लगाया है जिसका आकार पृथ्वी जितना ही है। इस ग्रह का द्रव्यमान पृथ्वी के द्रव्यमान का 3 गुना है। वैज्ञानिकों का कहना है कि चूंकि इस ग्रह की बहुत सी विशेषताएं पृथ्वी से मिलती जुलती हैं; इसलिए इस पर जीवन की सम्भावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।

वैज्ञानिकों ने 'गोल्डीलॉक्स जोन' नामक इस नए ग्रह में पानी होने की सम्भावना भी व्यक्त की है, उनका कहना है कि यह ग्रह जिस तारे की कक्षा में है उससे इसकी दूरी न तो बहुत कम ही है न ही बहुत ज्यादा इसलिए इस ग्रह पर पानी के तरल अवस्था में मौजूद होने की पूरी सम्भावना है। खोजे गए इस नए ग्रह की एक और विषेशता है जो हमारी पृथ्वी से मिलती-जुलती है वह ये कि वातावरण और गुरूत्व के लिए भी यह ग्रह न तो बहुत बड़ा है और न ही बहुत छोटा। पृथ्वी से 20 प्रकाशवर्ष दूर स्थित यह ग्रह 'ग्लीज 581' तारे की कक्षा में चक्कर लगा रहा है। सूर्य का चक्कर लगाने में इसे 37 दिनों का समय लगता है। इस ग्रह के एक भाग में अंधेरा है। इसके 'ग्रे' जोन में जीवन की सम्भावना है। खगोलविद स्टीवन का कहना है कि यदि खोजे गए इस नए ग्रह को अन्य वैज्ञानिकों द्वारा स्वीकृति मिल गई तो यह पृथ्वी से मिलता जुलता पहला ग्रह होगा।

नए ग्रह की यह खोज हवाई स्थित 'डब्ल्यूएम कैक ऑब्जरवेटरी' में किए 11 साल के अध्ययन का परिणाम है। इस नए ग्रह की खोज के साथ ही हमारे सौरमंडल के बाहर खोजे गए ग्रहों की संख्या 400 से भी अधिक हो गई है। गौरतलब है कि हाल ही में खगोलशास्त्रियों ने एक ऐसे आकाशीय पिंड की पहचान की थी जिसका आकार पृथ्वी से दोगुना था, किन्तु इस ग्रह का अपने तारे के बहुत निकट होने के कारण इस पर जीवन की संभावना नहीं की जा सकी। परन्तु अब इस नए ग्रह की खोज ने अवश्य ही हमारे अलग पृथ्वी बसाने की नई उम्मीदें जगा दी हैं।

रंगोली के रंग

रंगोली धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का प्रतीक है। हमारे यहां त्योहार, व्रत, पूजा, उत्सव, विवाह आदि शुभ अवसरों पर रंगोली बनाने की परंपरा है। इनका उद्देश्य सजावट और सुमंगल है। रंगोली को द्वार की देहरी, आंगन के केंद्र या पूजा स्थल पर बनाया जाता है।

ऐसे हुई शुरुआत

प्राचीन काल में लोगों का विश्वास था कि कलात्मक चित्र बनाने से घर में धन-धान्य में वृद्धि होती है। ग्रामीण अंचलों में घर-आंगन बुहारकर लीपने के बाद रंगोली बनाने का रिवाज आज भी प्रचलित है।

रंगोली की आकृतियां

रंगोली को बनाने में नारियल का चूरा, चावल का आटा, सिंदूर, रोली, हल्दी, सूखा आटा और रंगोली के रंगो का प्रयोग किया जाता है। इसमें साधारण ज्यामितिक आकार हो सकते हैं या फिर देवी देवताओं की आकृतियां। विशेष अवसरों पर बनाई जाने वाली रंगोलियों में कुछ विशेष आकृतियां भी जुड़ जाती हैं, जैसे दिवाली की रंगोली में दीप, गणेश या लक्ष्मी।

आप भी बनाएं रंगोली

यदि आपको रंगोली बनाने की प्रैक्टिस नहीं है, तो भी मन खराब करने की जरूरत नहीं है। आप भी रंगोली से अपने घर के आंगन को सजा सकते हैं। रंगोली बनाने के लिए प्लास्टिक के स्टेंसिल्स का प्रयोग भी किया जाता है। 'रेडिमेड रंगोली स्टिकर' भी बाजार में उपलब्ध हैं, उन्हें साफ जमीन पर चिपका कर उस पर रंगोली का डिजाइन बनाया जा सकता है। रंगोली को झाड़ू या पैरों से नहीं हटाया जाता है, बल्कि इसे पानी से साफ किया जाता है। किसी सुंदर से कांच या क्रिस्टल के बर्तन में पानी डालें। इसमें फूलों की पंखुड़ियां सजाएं और फिर रंग-बिरंगी कैंडल्स को पानी पर छोड़ दें। यह खुशबूदार और जगमगाती रंगोली आपके घर आने वाले मेहमानों को यकीनन बहुत पसंद आएगी।

हसो हसाओ

टीचर (जय से)- बड़े होकर तुम क्या करोगे?
जय- सर, शादी
टीचर- मेरा मतलब है कि क्या बनोगे?
जय- जी, मैं दूल्हा बनूंगा।
टीचर- मेरा कहना चाह रहा हूं कि तुम क्या हासिल करोगे?
जय- दुल्हन।

— — — — — — — — — — — —

संता (दुकानदार से)- एक केला कितने का दिया?

दुकानदार- एक रुपए का एक।

संता- यह तो बहुत महंगा है, तुम मुझे 60 पैसे में दोगे क्या?

दुकानदार- इतने कम पैसों में तो सिर्फ केले का छिलका ही मिलेगा।

संता- तो ठीक है न, ये लो 40 पैसे और सिर्फ केला दे दो।

नकली हीरा

एक दिन बादशाह अकबर के दरबार में एक हीरे का व्यापारी आया। उसने बादशाह के सामने सात हीरे रखे और कहा, 'हुजूर, ये दुनिया के सबसे महंगे हीरे हैं, लेकिन इनमें एक हीरा असली नहीं है, वो शक्कर से बना हुआ है। मैं सारी दुनिया घूम आया हूं, पर कोई भी व्यक्ति पहचान नहीं कर पाया है कि इनमें से नकली हीरा कौन-सा है। क्या आपके दरबार में ऐसा कोई बुद्धिमान व्यक्ति है जो शक्कर से बने हीरे को पहचान सकता हो?'

बादशाह ने तुरंत अपने दरबारियों को हुक्म दिया और उनसे मीठा हीरा पहचानने को कहा, लेकिन उनमें से कोई भी व्यक्ति मीठे हीरे को पहचान नहीं पाया। इस पर बादशाह ने बीरबल को बुलाया और उसे नकली हीरा ढूंढने को कहा। बीरबल ने हीरों को देखा और कहा, 'बादशाह सलामत, आप मुझे कल तक का समय दें, मैं इन हीरों में से नकली हीरे को पहचान सकता हूं।'

दूसरे दिन बीरबल जलेबी का एक टुकड़ा लिए दरबार में आया। जलेबी पर मक्खियां भिनभिना रही थीं। बीरबाल ने जलेबी का टुकड़ा खिड़की से बाहर फेंक दिया। बादशाह ने बीरबल को टोकते हुए कहा, 'यह क्या तमाशा है?'

बीरबल बोला, 'बस देखते जाइए। हुजूर मैं क्या करता हूं।' जलेबी बाहर फेंकते ही मक्खियां उड़कर शक्कर से बने हीरे पर जा बैठीं। बीरबल चिल्लाया, 'हजूर, यही है नकली मीठा हीरा।'

जौहरी ने कहा, 'सही हुजूर, यही है शक्कर से बना नकली हीरा। आप बहुत किस्मत वाले हैं कि आपके दरबार में बीरबल जैसा चतुर और बुद्धिमान मंत्री है। इसकी वजह से आप बड़ी से बड़ी समस्या तुरंत हल कर लेते हैं।'

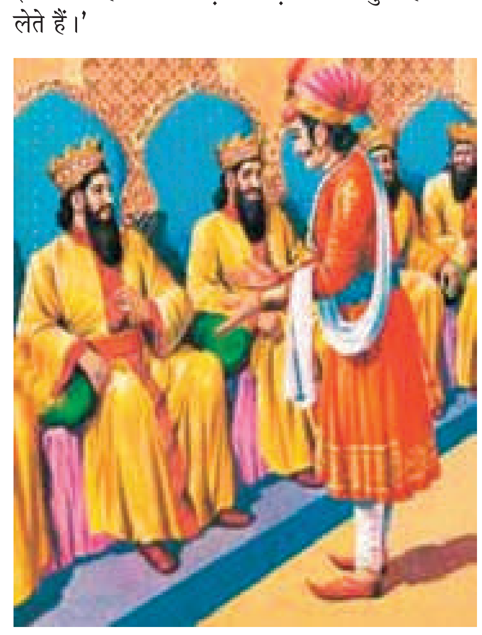

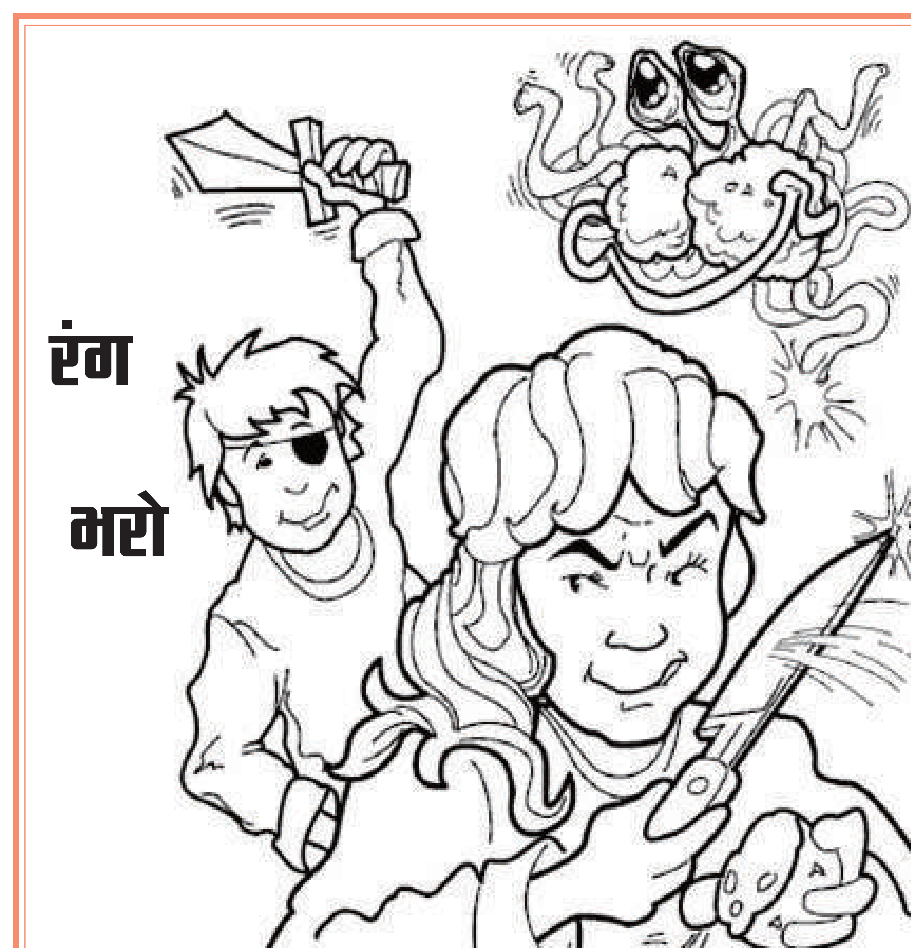

समुद्र किनारे लाइब्रेरी

आईकिया कंपनी ने अपनी बीसवीं सालगिरह के उपलक्ष्य में सिडनी बाडी बीच में केवल एक दिन के लिए समुद्र के किनारे एक नायाब लाईब्रेरी पेश की थी। इसमें लाल रंग की 30 बुक शैल्फ रखी गई थीं।

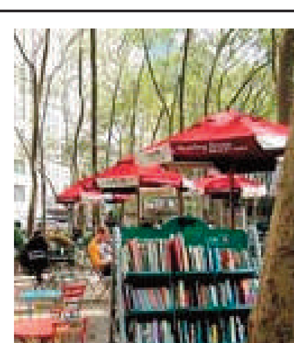

कारों से महंगे ऊंट

आबूधाबी में लगे एक ऊंट महोत्सव में ऊंटों की कीमत मर्सिडीज कारों से भी ज्यादा थी। हाल ही में हुए एक महोत्सव में ऊंट व्यवसायी हमदान बिन गानीम अल फलादी ने 3 ऊंट दो करोड़ चालीस लाख दिहराम (करीब 29 करोड़ रुपए) में खरीदे।

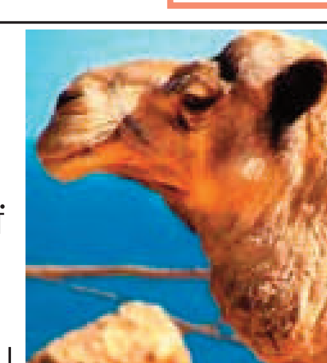

घोंसले वाला मेंढक

कर्नाटक में एक विशेष प्रजाति का मेंढक पाया जाता है, जो पक्षियों की तरह घोंसला बनाकर रहता है। परभक्षियों से आपने अंडों की हिफाजत करने के लिए वह पजे से अपना घोंसला बनाता है।

एशियन खेल : नागोया पहुंची भारतीय क्रिकेट टीम क्वार्टर फाइनल में अफगानिस्तान से होगा सामना

नागोया

एशियन खेल 2026 में अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम शनिवार को नागोया पहुंच गई। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम सोमवार, 28 सितंबर को क्वार्टर फाइनल में अफगानिस्तान का सामना करेगी।

भारतीय टीम की नजर पिछले संस्करण में जीते स्वर्ण पदक का बचाव करने पर है। हांगझोऊ 2023 एशियन खेल में भारत ने स्वर्ण पदक जीता था। फाइनल मुकाबला बारिश के कारण पूरा नहीं हो सका था और बेहतर वरीयता के आधार पर भारत को विजेता घोषित किया गया था। उस समय टीम की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ ने की थी।

अनुभवी खिलाड़ियों से सजी है टीम – एशियन खेल के लिए भारतीय टीम में कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं। कप्तान श्रेयस अय्यर के अलावा टीम में अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी और यश ठाकुर शामिल हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण टीम के मुख्य कोच हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ होगा पहला मुकाबला – पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता में पहले दौर के मुकाबले पूरे होने के बाद अब नाकआउट चरण शुरू हो चुका है। ग्रुप ए से अफगानिस्तान और नेपाल ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। नेपाल और जापान के बीच मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के बाद नेपाल ग्रुप में शीर्ष पर रहा, जबकि जापान प्रतियोगिता से बाहर हो गया।

ग्रुप ए के दूसरे क्वार्टर फाइनल में नेपाल का सामना 29 सितंबर को श्रीलंका से होगा। वहीं, ग्रुप बी में मलेशिया, हांगकांग और ओमान के बीच मुकाबले खेले जा रहे हैं। इस ग्रुप की शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान और बांग्लादेश से भिड़ेंगी।

महिला टीम पहले ही जीत चुकी है स्वर्ण – एशियन खेल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपना खिताब सफलतापूर्वक बचा चुकी है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराकर स्वर्ण पदक जीता था। यह एआईची–नागोया एशियन खेल में भारत का पहला स्वर्ण पदक भी था। अब पुरुष टीम की कोशिश भी महिला टीम की सफलता को दोहराने और लगातार दूसरी बार एशियन खेल क्रिकेट में स्वर्ण पदक जीतने की होगी।

न्यूज ब्रीफ

एशियाई खेलः पीवी सिंधु ने चिउ पिन-चियान को हराकर महिला एकल के अंतिम-16 में बनाई जगह

आइची–नागोया। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने एशियाई खेल 2026 की महिला एकल स्पर्धा के अंतिम–16 में जगह बना ली है। सिंधु ने शनिवार को इचिनोमिया सिटी म्यूनिसिपल जिम्नेजियम में चीनी ताइपे की चिउ पिन–चियान को सीधे गेम में 21–19, 21–14 से हराया। विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज चिउ ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत करते हुए 9–6 की बढ़त बना ली थी। सिंधु ने हालांकि लगातार तीन अंक हासिल कर वापसी की और मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन निर्णायक क्षणों में सिंधु ने बेहतर खेल दिखाते हुए पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सिंधु ने शुरुआत से ही नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने शुरुआती बढ़त हासिल करने के बाद आक्रामक खेल जारी रखा और 21–14 से गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। 31 वर्षीय सिंधु अब अंतिम–16 के मुकाबले में जापान की तोमोका मियाजाकी से भिड़ेंगी। एशियाई खेलों में सिंधु का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2018 जकार्ता खेलों में आया था, जहां उन्होंने महिला एकल में रजत पदक जीता था।

एशियन गेम्सः कपिल पोखरिया क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, ईरान के साम एस्ताकी को 5-0 से हराया

आइची–नगोया। भारतीय मुक्केबाज कपिल पोखरिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स 2026 की पुरुषों की 91 किग्रा भार वर्ग स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। कपिल ने शनिवार को राउंड आफ 16 मुकाबले में ईरान के साम एस्ताकी को 5–0 से हराया। कपिल ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक और नियंत्रित अंदाज में खेल दिखाया। लंबाई में बढ़त के बावजूद एस्ताकी भारतीय मुक्केबाज की सटीक पंचिंग और बेहतर मूवमेंट का सामना नहीं कर सके। पहले राउंड में कपिल ने 4–1 से बढ़त हासिल की। दूसरे राउंड में भी कपिल ने अपना दबदबा कायम रखा। उन्होंने लगातार प्रभावी पंच लगाए और जजों ने सर्वसम्मति से राउंड उनके पक्ष में दिया। तीसरे राउंड में भी भारतीय मुक्केबाज ने संयम बनाए रखा और एस्ताकी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। अंततः कपिल ने 5–0 के सर्वसम्मत फैसले से मुकाबला अपने नाम कर लिया। क्वार्टर फाइनल में कपिल का सामना दक्षिण कोरिया के किम गिचाए और पाकिस्तान के इरफान खान के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से 28 सितंबर को होगा। इससे पहले शनिवार को भारत के जदुमानी सिंह को पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग के राउंड आफ 16 में फिलीपींस के कार्लो पालाम के खिलाफ 0–3 से हार का सामना करना पड़ा। करीबी मुकाबले में पालाम ने शुरुआती दौर में बढ़त बनाई और अंत तक इसे बरकरार रखते हुए मुकाबला अपने नाम किया।

एशियाई खेल 2026:नेपाल के खिलाफ बारिश से मैच रद्द होने पर जापानी क्रिकेट टीम बाहर

आइची–नगोया। एशियाई खेल 2026 की पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता में मेजबान जापान का अभियान समाप्त हो गया। शनिवार को ग्रुप ए के मुकाबले में नेपाल की पारी के बाद लगातार बारिश के कारण जापान की लक्ष्य का पीछा करने की बारी ही नहीं आ सकी और मैच बिना गेंद फेंके रद्द कर दिया गया। नेपाल ने बारिश से प्रभावित मुकाबले में निर्धारित 15 ओवर में चार विकेट पर 149 रन बनाए। सुन्दीप जोरा और लोकेश बम ने शानदार अर्धशतक लगाते हुए नेपाल को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद लगातार बारिश के कारण जापान की पारी शुरू नहीं हो सकी। इस परिणाम के साथ नेपाल ग्रुप ए में शीर्ष पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया, जबकि अफगानिस्तान ने भी अंतिम आठ में जगह बना ली। जापान का टूर्नामेंट में सफर यहीं समाप्त हो गया। नेपाल की पारी भी मौसम से प्रभावित रही। बारिश के कारण मुकाबला शुरू होने में देरी हुई और पांचवें ओवर के दौरान भी खेल रोकना पड़ा। खराब परिस्थितियों के बावजूद नेपाल ने वापसी करते हुए चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। कुशल भुर्तेल, कुशल मल्ल और गुलशन झा छोटी पारी खेलकर आउट हुए, जबकि आसिफ शेख ने 15 गेंदों पर 21 रन बनाए। तीसरे ओवर में बल्लेबाजी के लिए आए जोरा ने आसिफ के साथ दूसरे विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी की। नेपाल 10 ओवर के बाद चार विकेट पर 84 रन बना चुका था। इसके बाद जोरा और बम ने अंतिम पांच ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 65 रन जोड़े। बम ने सिर्फ 22 गेंदों में नाबाद 52 रन बनाए, जिसमें एक चौका और छह छक्के शामिल थे। वहीं जोरा 32 गेंदों पर पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 57 रन बनाकर लौटे। जापान को 15 ओवर में 150 रन का लक्ष्य हासिल करना था, लेकिन बारिश के कारण वह लक्ष्य का पीछा शुरू ही नहीं कर सका।

भारत ने कबड्डी में जीते दो स्वर्ण, महिला-पुरुष दोनों टीमें बनीं चैंपियन

तजिंदरपाल को गोला फेंक में रजत, सातवें दिन भारत ने जीते सात पदक

नागोया (जापान)। एशियन गेम्स में भारत ने शनिवार को कबड्डी में दोनों स्वर्ण पदक अपने नाम कर शानदार प्रदर्शन किया। महिला टीम ने ईरान को 37–34 और पुरुष टीम ने ईरान को 40–34 से हराकर स्वर्ण पदक जीते। पुरुष टीम ने लगातार 10वीं बार, जबकि महिला टीम ने लगातार पांचवीं बार पदक हासिल किया।

एथलेटिक्स में तजिंदरपाल सिंह तूर और सावन बरवाल ने रजत पदक, जबकि प्राची चौधरी ने महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता। निशानेबाजी में 50 मीटर राइफल तीन स्थिति टीम स्पर्धा में भारत ने रजत पदक हासिल किया। स्क्वॉश में अनाहत सिंह और अभय सिंह फाइनल में पहुंच गए हैं, जबकि पुरुष हॉकी टीम ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

सातवें दिन भारत ने कुल सात पदक जीते। अब भारत के खाते में चार स्वर्ण, 12 रजत और 14 कांस्य समेत कुल 30 पदक हो गए हैं। पदक तालिका में भारत 10वें स्थान पर है।

कबड्डी में पहले महिला टीम बनी चैंपियन

महिला कबड्डी के फाइनल में भारत ने ईरान को 37–34 से हराया। मध्यांतर तक भारत 22–16 से आगे था, लेकिन दूसरे हाफ में ईरान ने जोरदार वापसी करते हुए अंतर को सिर्फ एक अंक तक सीमित कर दिया। इसके बाद संजू देवी ने अहम रेड लगाकर भारत की बढ़त मजबूत की। मुकाबला समाप्त होने में चार मिनट बाकी थे, तब भारत 34–28 से आगे था। अंतिम मिनट में ईरान को अंक की जरूरत थी, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने निर्णायक टैकल करते हुए मुकाबला समाप्त कर दिया।

पुरुष टीम ने दूसरे हाफ में पलटा मैच

पुरुष कबड्डी के फाइनल में ईरान ने मध्यांतर तक 18–17 की बढ़त बना रखी थी। दूसरे हाफ की शुरुआत में भी ईरान तीन अंक आगे हो गया। इसके बाद जयदीप के शानदार सुपर टैकल और असलम इनामदार की रेड से भारत ने 21–21 की बराबरी कर ली। सुमित ने रक्षण में लगातार महत्वपूर्ण टैकल किए, जबकि अर्जुन देशवाल ने रेडिंग में अहम अंक जुटाए। 29–24 की बढ़त के बाद भारत ने मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली और अंततः 40–34 से जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक हासिल किया।

एशियन गेम्स 2026
मेडल टैली

रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल
1	चीन	107	41	28	176
2	जापान	31	49	49	129
3	साउथ कोरिया	16	21	36	73
4	उज्बेकिस्तान	8	17	19	34
5	कजाकिस्तान	8	8	19	35
6	थाईलैंड	8	7	9	24
7	ईरान	7	14	7	28
8	बहरीन	7	2	21	19
9	उत्तर कोरिया	5	5	4	14
10	भारत	4	12	14	30

सिंधु क्वार्टर फाइनल में, जापान की टोमोका मियाजाकी को हराया

पीवी सिंधु ने बैडमिंटन महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। तीसरे दौर में उन्होंने जापान की टोमोका मियाजाकी को सीधे गेमों में 21–9, 21–12 से हराया। अब सिंधु का सामना चीन की चेन यू फेई से होगा।

भारत के लिए स्क्वॉश में भी ऐतिहासिक उपलब्धि रही। 18 वर्षीय अनाहत सिंह और अभय सिंह ने महिला और पुरुष एकल के फाइनल में जगह बनाई। एशियन गेम्स में पहली बार भारत के दोनों एकल खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे हैं।

अनाहत सिंह ने विश्व नंबर छह जापान की सातोमी वतनाबे को 3–2 से हराया। वह मुकाबले में 0–2 से पीछे थीं और तीसरे गेम में उन्हें दो मैच प्वाइंट भी बचाने पड़े। इसके बाद उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर फाइनल में जगह बनाई। अभय सिंह ने पाकिस्तान के मुहम्मद इरफान को 11–3, 12–10, 11–6 से हराकर 3–0 से जीत दर्ज की।

मिश्रित युगल में जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार को सेमीफाइनल में हांगकांग की जोड़ी से 2–1 की हार के बाद कांस्य पदक मिला। निर्णायक गेम 11–10 पर समाप्त हुआ।

तजिंदरपाल को लगातार तीसरा पदक

तजिंदरपाल सिंह तूर ने लगातार तीसरे एशियन गेम्स में पदक जीता। उन्होंने 20.64 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक हासिल किया। पिछले दोनों एशियन गेम्स में उन्होंने स्वर्ण पदक जीते थे।

प्राची चौधरी ने महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में 53.21 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता। बहरीन की सलवा ईद नासेर ने 49.20 सेकंड में स्वर्ण और ईरान की जाहरा मनूजान ने 52.38 सेकंड में रजत पदक हासिल किया।

पुरुषों की 400 मीटर दौड़ में विशाल टीके पांचवें स्थान पर रहे। थाईलैंड के जोशुआ एटकिंसन ने स्वर्ण पदक जीता।

महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में पारुल चौधरी 4 मिनट 09.46 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ चौथे और पूजा 4 मिनट 16.78 सेकंड के समय के साथ छठे स्थान पर रहीं।

दशक्रीड़ा में तेजस्विन शंकर पहले दिन के बाद 4,338 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं। उन्होंने 400 मीटर दौड़ में 48.59 सेकंड का समय निकाला। भारत के एन. थौफीक 3,676 अंकों के साथ आठवें स्थान पर हैं।

मैराथन में 44 साल बाद भारत को पदक

सावन बरवाल ने पुरुष मैराथन में 2 घंटे 11 मिनट 37 सेकंड के समय के साथ रजत पदक जीता और राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। एशियन गेम्स की पुरुष मैराथन में भारत को 44 साल बाद पदक मिला है। इससे पहले 1982 के दिल्ली एशियाड में भारत ने कांस्य पदक जीता था। मैराथन 42 किलोमीटर की दौड़ होती है।

निशानेबाजी में टीम ने जीता रजत

महिलाओं की 50 मीटर राइफल तीन स्थिति टीम स्पर्धा में आशी चौकसे, तिलोत्तमा सेन और विदार्शा विनोद ने रजत पदक जीता। चीन ने स्वर्ण पदक हासिल किया। व्यक्तिगत फाइनल में तिलोत्तमा चौथे और विदार्शा पांचवें स्थान पर रहीं।

गत चैंपियन भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने मेजबान जापान को 2–0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। अभिषेक और हरमनप्रीत सिंह ने गोल किए। हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैगफ्लिक के जरिए दूसरा गोल किया।

इससे पहले भारत ग्रुप चरण में इंडोनेशिया, श्रीलंका और दक्षिण कोरिया को हरा चुका है।

उन्नति हुड्डा ने विश्व नंबर छह इंडोनेशिया की कुसुमा वारदानी को 21–19, 21–13 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना विश्व नंबर तीन जापान की अकाने यामागुची से होगा।

त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने विश्व नंबर तीन जापानी जोड़ी मायू मात्सुमोतो और युकी फुकुशिमा को 24–22, 21–18 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पीवी सिंधु ने चीनी ताइपे की चिऊ पिन–चियान को 21–19, 21–14 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई।

फोटोजर्नलिस्ट शम्सुद्दीन एशियाई खेलों का कवर करेंगे

हैदराबाद । स्नैप्स इंडिया के एडिटर और खेल फोटोजर्नलिस्ट मोहम्मद शम्सुद्दीन जापान के ऐची–नागोया में आयोजित होने वाले 20वें एशियाई खेलों का कवरेज करेंगे।

शम्सुद्दीन ने तेलंगाना और भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए दुनिया भर के कई बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में काम किया है। इनमें फीफा विश्व कप कतर 2022 भी शामिल है। उनके इस काम को रॉयल फोटोग्राफिक सोसाइटी (आरपीएस) ने मान्यता दी थी। इस मान्यता के अंतर्गत उन्हें एसोसिएट ऑफ द रॉयल फोटोग्राफिक सोसाइटी (एआरपीएस) की उपाधि मिली।

1853 में स्थापित रॉयल फोटोग्राफिक सोसाइटी दुनिया की सबसे पुरानी फोटोग्राफी संस्थाओं में से एक है। आरपीएस मान्यता का समारोह 19 सितंबर 2025 को लंदन में आयोजित हुआ था, जो शम्सुद्दीन के अंतरराष्ट्रीय फोटोग्राफी करियर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है।

एशियन खेल : अभय फाइनल में, ऐतिहासिक स्वर्ण और लास एंजिलिस ओलंपिक टिकट से एक कदम दूर

नागोया

भारत के अभय सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियन खेल 2026 के पुरुष एकल स्क्वैश के फाइनल में जगह बना ली है। अभय ने शनिवार को सेमीफाइनल में पाकिस्तान के मुहम्मद इरफान को सीधे गेमों में 11–3, 12–10, 11–6 से हराया। इसके साथ ही वह एशियन खेल के पुरुष एकल फाइनल में पहुंचने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए।

विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर काबिज अभय से पहले सौरव घोषाल ने एशियन खेल के पुरुष एकल फाइनल में जगह बनाई थी। घोषाल ने 2014 और 2023 में रजत पदक जीता था। अब अभय के पास भारत के लिए इस स्पर्धा में पहला एशियन खेल स्वर्ण पदक जीतने का मौका है।

अभय ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और पहला गेम 11–3 से आसानी से अपने नाम किया। दूसरे गेम में इरफान ने कड़ा संघर्ष किया और स्कोर 10–10 तक पहुंच गया, लेकिन अभय ने दबाव में संयम बनाए रखते हुए लगातार दो अंक हासिल किए और 12–10 से गेम जीतकर मुकाबले में 2–0 की बढ़त बना ली।

तीसरे गेम में भी अभय ने शुरुआत से नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने चार मैच प्वाइंट हासिल किए और पहले ही मौके को भुनाते हुए गेम 11–6 से जीत लिया। इस जीत के साथ उन्होंने सीधे गेमों में मुकाबला अपने नाम कर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

फाइनल में अभय का सामना एक और पाकिस्तानी खिलाड़ी से हो सकता है। दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान के नूर जमान का मुकाबला मलेशिया के एइन योव एनजी से होगा।

अनाहत भी फाइनल में – भारत की अनाहत सिंह पहले ही महिला एकल स्क्वैश के फाइनल में पहुंच चुकी हैं। उन्होंने शनिवार को जापान की विश्व नंबर छह खिलाड़ी सातोमी वातानाबे के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए 3–2 से जीत दर्ज की।

अनाहत ने शुरुआती दो गेम 9–11 और 11–13 से गंवा दिए थे। इसके बाद 18 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने जबरदस्त वापसी की। तीसरे गेम में वह एक समय 8–10 से पीछे थीं, लेकिन दोनों गेम प्वाइंट बचाकर 12–10 से गेम जीत लिया। इसके बाद उन्होंने चौथा गेम 11–6 और निर्णायक गेम 11–3 से जीतकर फाइनल में प्रवेश किया।

अब अभय सिंह और अनाहत सिंह दोनों के सामने एशियन खेल में स्वर्ण पदक जीतने का मौका है। व्यक्तिगत स्क्वैश स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने पर दोनों को निर्धारित पात्रता मानदंड पूरे करने की स्थिति में लास एंजिलिस 2028 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालिफिकेशन का अवसर मिलेगा।

इंडियन सुपर लीग 2026-27 का कार्यक्रम जारी, 10 अक्टूबर से होगा आगाज

मुंबई

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 2026-27 सत्र का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। नए सत्र की शुरुआत 10 अक्टूबर 2026 को होगी। पहले दिन दो मुकाबले खेले जाएंगे। उद्घाटन मैच में बेंगलुरु एफसी का सामना स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली से श्री कांतीरवा स्टेडियम में होगा। 2026-27 सत्र में कुल 13 टीमें हिस्सा लेंगी और पहले चरण में 78 मुकाबले खेले जाएंगे। प्रशंसकों की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए लीग में सप्ताहांत के मुकाबलों पर विशेष जोर दिया गया है। पहले चरण के 78 में से 53 मुकाबले यानी करीब 68 प्रतिशत मैच खेले जाएंगे।

सत्र में बेंगलुरु एफसी, चेन्नईयिन एफसी, चर्चिल ब्रदर्स, ईस्ट बंगाल एफसी, एफसी गोवा, इंटर काशी, केरल ब्लास्टर्स एफसी, मोहन बागान सुपर जायंट, मुंबई सिटी एफसी, नार्थईस्ट यूनाइटेड एफसी, ओडिशा एफसी, पंजाब एफसी और स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली हिस्सा लेंगी।

पहली बार होगा गोवा डर्बी – 2026–27 सत्र में कई नए मुकाबले और नए आयोजन स्थल देखने को मिलेंगे। 13 दिसंबर को फतोर्डा स्टेडियम में चर्चिल ब्रदर्स और एफसी गोवा के बीच होने वाला मुकाबला आईएसएल का पहला गोवा डर्बी होगा। यह मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

लीग का विस्तार मणिपुर तक भी होगा। नार्थईस्ट यूनाइटेड एफसी और स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली के बीच 24 नवंबर को इंफाल के खुमान लंपक स्टेडियम में मुकाबला खेला जाएगा।

ईस्ट बंगाल करेगा खिताब का बचाव – मौजूदा चैंपियन ईस्ट बंगाल एफसी अपने खिताब का बचाव 18 अक्टूबर से शुरू करेगा। टीम फतोर्डा स्टेडियम में शाम 5 बजे चर्चिल ब्रदर्स के खिलाफ उतरेगी। एएफसी प्रतिबद्धताओं के कारण ईस्ट बंगाल पहले सप्ताह के मुकाबलों में हिस्सा नहीं लेगा।

आईएसएल का बहुप्रतीक्षित कोलकाता डर्बी 29 नवंबर को खेला जाएगा। इस मुकाबले में ईस्ट बंगाल एफसी अपने घरेलू मैदान विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में मोहन बागान सुपर जायंट की मेजबानी करेगा। मुकाबला शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

नवंबर में अंतरराष्ट्रीय ब्रेक – फीफा अंतरराष्ट्रीय विंडो के कारण आईएसएल में 7 नवंबर से 20 नवंबर तक ब्रेक रहेगा। इस दौरान कोई लीग मुकाबला नहीं खेला जाएगा, जिससे खिलाड़ियों को अपनी राष्ट्रीय टीमों के साथ अंतरराष्ट्रीय ड्यूटी पर जाने का अवसर मिलेगा।

पहले चरण में 10 अक्टूबर 2026 से 17 जनवरी 2027 तक 78 मुकाबले खेले जाएंगे। इसके बाद शीर्ष छह टीमें प्लेआफ के लिए क्वालीफाई करेंगी। दूसरे चरण और प्लेआफ के मुकाबलों का कार्यक्रम बाद में घोषित किया जाएगा।

इंटर काशी के घरेलू मुकाबलों का स्थल भी बाद में तय किया जाएगा। क्लब द्वारा अपने घरेलू मैदान की पुष्टि किए जाने के बाद इसकी जानकारी जारी की जाएगी।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने हफ्ते भर बिगाड़ी बाजार की चाल

तेजी से गिरावट तक का सफर: भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा रहा सप्ताह

मुंबई

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। जहां सप्ताह की शुरुआत मजबूत संकेतों और निवेशकों के उत्साह के साथ हुई, वहीं कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक चिंताओं ने बाजार की चाल बिगाड़ दी, जिसके परिणामस्वरूप प्रमुख सूचकांकों में सप्ताह के अंत तक तेज गिरावट दर्ज की गई।

निवेशकों की पूंजी पर अनिश्चितता के बादल छाए रहे और सप्ताह का समापन लाल निशान में हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को उत्साहजनक रही। शुरुआती कारोबार में प्रमुख सूचकांकों ने जोरदार बढ़त दर्ज की, जहां बीएसई सेंसेक्स 400 अंक से अधिक चढ़कर 74,700 के करीब पहुंचा।

दिनभर की तेजी के बाद सेंसेक्स 564.03 अंक बढ़कर 74,858.99 पर बंद हुआ, वहीं एनएसई निफ्टी भी 67.90 अंक की वृद्धि के साथ 23,414.30 के स्तर पर पहुंच गया। मंगलवार को भी बाजार ने मजबूत शुरुआत की, सेंसेक्स 101.79 अंक और निफ्टी 37.46 अंक की बढ़त के साथ खुले, लेकिन यह तेजी ज्यादा देर तक नहीं टिकी।

आईटी और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में बिकवाली के दबाव से बाजार शुरुआती बढ़त गंवाकर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 329.91 अंक टूटकर 74,529.08 पर और निफ्टी 85.30 अंक गिरकर 23,329 पर आ गया। सप्ताह के सबसे बड़े झटके के तौर पर गुरुवार का दिन रहा, जब भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। कच्चे तेल की कीमतों का 100 डालर प्रति बैरल के महत्वपूर्ण स्तर को पार करना इस बिकवाली का मुख्य कारण रहा।

वैश्विक बाजारों के साथ-साथ भारतीय इक्विटी बाजार भी इससे प्रभावित हुआ। बिकवाली के भारी दबाव के चलते बीएसई सेंसेक्स 1,247.71 अंक की रिकार्ड गिरावट के साथ 73,580.54 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी भी 383.70 अंक फिसलकर 23,063.10 के स्तर पर आ गया। शुक्रवार को वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच बाजार में हल्की रिकवरी देखने को मिली। सेंसेक्स 155.82 अंक बढ़कर 73,736.36 पर और निफ्टी 32.60 अंक बढ़कर 23,095.70 पर बंद हुए, लेकिन कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और वैश्विक बांड यील्ड का बढ़ता दबाव लाभ को सीमित करता रहा।

आईटी शेयरों में गिरावट का सिलसिला जारी रहा, जो बाजार के लिए चिंता का विषय बना रहा। कुल मिलाकर, यह सप्ताह भारतीय बाजारों के लिए अप्रत्याशित रहा, जहां शुरुआती तेजी के बावजूद, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और भू-राजनीतिक चिंताओं ने निवेशकों की धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया, जिससे सेंसेक्स लगभग 1120 अंक और निफ्टी लगभग 320 अंक की साप्ताहिक गिरावट के साथ बंद हुए।

न्यूज ब्रीफ

रविवार को खुलेंगे बैंक, 28 से 30 सितंबर तक हड़ताल, बैंक ग्राहकों को मैसेज भेजकर जरूरी काम निपटाने की दे रहे सलाह

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक कर्मचारियों की 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल से महीने की आखिरी हफ्ते में ग्राहकों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इस बीच बैंकों ने ग्राहकों को हड़ताल से पहले जरूरी बैंकिंग काम निपटा लेने की सलाह दी है, ताकि उन्हें परेशानी न हो। यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने 28 सितंबर से तीन दिवसीय देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। हालांकि, 27 सितंबर को रविवार की छुट्टी होने के बावजूद बैंक खुलेंगे। ऐसे में 28 से लेकर 30 सितंबर तक लगातार तीन दिन बैंक शाखाओं में कामकाज प्रभावित रहेगा। इस बीच सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में शामिल स्टेट बैंक आफ इंडिया (एसबीआई) सहित कुछ अन्य पुराने निजी बैंकों ने ग्राहकों को जरूरी बैंकिंग काम हड़ताल से पहले ही निपटा लेने की सलाह दे रहे है, ताकि उन्हें परेशानी न हो। एसबीआई ने भेजे अपने मैसेज में लिखा है कि एसबीआई की शाखाएं 27 सितंबर को खुली रहेंगी। अपनी बैंकिंग ज़रूरतों के लिए किसी भी शाखा में जाए। उल्लेखनीय है कि, बैंक यूनियनों की ओर से पांच दिन (बैंकिंग वर्किंग) कामकाज दिवस को लागू करने समेत विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल का आह्वान किया गया है। बैंकों की तीन दिन की हड़ताल के दौरान बैंक शाखाओं में कैश जमा-निकासी, चेक क्लीयरेंस और अन्य सेवाएं प्रभावित होने की आशंका है। जिन ग्राहकों को शाखा में जाकर बैंकिंग से जुड़े काम कराने हैं, उन्हें परेशानी हो सकती है ।

डीएचएल एक्सप्रेस भारत में एक जनवरी से माल ढुलाई शुल्क में 8.9 फीसदी की करेगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी और अग्रणी अंतरराष्ट्रीय लाजिस्टिक सेवा प्रदाता कंपनी डीएचएल एक्सप्रेस ने शनिवार को कहा कि वह भारत में माल ढुलाई शुल्क में 8.9 फीसदी वृद्धि करेगी, जो एक जनवरी 2027 से लागू होगी। डीएचएल एक्सप्रेस ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक यह वार्षिक मूल्य समायोजन वैश्विक स्तर पर बढ़ते हुए परिचालन खर्चों को संतुलित करने के लिए किया गया है। सालाना शुल्क में यह वृद्धि मुद्रास्फीति के दबाव, मुद्रा में उतार-चढ़ाव और उद्योग-विशिष्ट लागतों में वृद्धि जैसे विभिन्न कारकों की वजह से की जाएगी। कंपनी ने बताया कि मुद्रास्फीति के अलावा, उसकी लागत संरचना ऊर्जा खर्च, अनुपालन आवश्यकताओं तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्राधिकरणों द्वारा लागू किए जाने वाले बदलते सीमा शुल्क से भी लगातार प्रभावित हो रही है। डीएचएल एक्सप्रेस के दक्षिण एशिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आरएस सुब्रमण्यन ने कहा, यह वार्षिक मूल्य समायोजन हमें सेवा और विश्वसनीयता के उस उच्चस्तर को बनाए रखने में सक्षम बनाता है, जिसकी हमारे ग्राहक अपेक्षा करते हैं।

भारत में एफडीआई 6 फीसदी बढ़ा, जापान शीर्ष पर, अमेरिकी निवेश 76 फीसदी घटा, अप्रैल-जून तिमाही में कुल 19.81 अरब डालर का सीधा विदेशी निवेश

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भारत का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) छह प्रतिशत बढ़कर 19.81 अरब डालर हो गया है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान जापान 5.71 अरब डालर के साथ सबसे बड़ा निवेशक बनकर उभरा, जबकि अमेरिका से आने वाले एफडीआई में 76 प्रतिशत से अधिक की भारी गिरावट दर्ज की गई। डीपीआईआईटी के आंकड़ों से पता चलता है कि कुल एफडीआई (इक्विटी निवेश, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी सहित) इस तिमाही में 22 प्रतिशत बढ़कर 30.65 अरब डालर हो गया है। हालांकि, तिमाही के भीतर मई और जून में मासिक एफडीआई में गिरावट देखी गई।

सेवानिवृत्ति की योजना- सिर्फ कार्पस नहीं, समग्र रणनीति पर दें जोर

महंगाई, मेडिकल खर्च और लंबी उम्र को ध्यान में रखकर बनाएं ठोस रणनीति

नई दिल्ली

सेवानिवृत्ति की योजना बनाते समय केवल एक बड़ा कार्पस बनाने का लक्ष्य रखना अपर्याप्त हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि रिटायरमेंट के बाद 20 से 30 साल या उससे अधिक के जीवनकाल के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु एक समग्र और दूरदर्शी रणनीति अपनाना अनिवार्य है। महंगाई, स्वास्थ्य व्यय और निवेश पर मिलने वाले रिटर्न जैसे कई कारक आपकी भविष्य की जरूरतों को प्रभावित करते हैं, जिनकी अनदेखी भारी पड़ सकती है। रिटायरमेंट के बाद की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केवल एक निश्चित कार्पस राशि तय कर देना पर्याप्त नहीं है। सबसे पहले यह अनुमान लगाना महत्वपूर्ण है कि सेवानिवृत्ति के उपरांत आपकी जीवनशैली और परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रति वर्ष कितनी धनराशि की आवश्यकता होगी। भले ही नौकरी के दौरान के कुछ खर्च, जैसे आने-जाने और काम से जुड़े व्यय कम हो जाएं, वहीं स्वास्थ्य देखभाल, यात्रा, शौक और परिवार की मदद जैसे खर्चों में वृद्धि हो सकती है। भविष्य में आज की जरूरतों के हिसाब से पर्याप्त लगने वाली रकम महंगाई के कारण कम न पड़े, इसके लिए महंगाई दर को भी योजना में शामिल करना अनिवार्य है। वित्तीय जानकारों के मुताबिक, रिटायरमेंट के लिए निवेश जितनी जल्दी शुरू किया जाए, कंपाउंडिंग (चक्रवृद्धि ब्याज) का उतना ही अधिक लाभ मिलता है, जिससे लक्ष्य हासिल करने के लिए मासिक योगदान अपेक्षाकृत कम रहता है। नेशनल पेंशन सिस्टम जैसे विकल्प लंबे समय तक नियमित योगदान का अवसर प्रदान करते हैं। इसके साथ ही, औसत आयु में वृद्धि को देखते हुए, रिटायरमेंट के बाद कम से कम 25 से 35 साल के खर्च की योजना बनाना विवेकपूर्ण है। जीवनसाथी और आश्रितों की जरूरतों को भी इसमें शामिल करना चाहिए। पेंशन, किराये, ब्याज या एन्युटी से होने वाली अन्य आय को भी गणना में जोड़कर निवेश से अपेक्षित अतिरिक्त आय का सटीक अनुमान लगाया जा सकता है। यह भी जरूरी है कि सेवानिवृत्ति योजना की समय-समय पर समीक्षा की जाए। आय, खर्च या निवेश की स्थिति में बदलाव आने पर योगदान राशि या रणनीति में आवश्यक संशोधन किए जा सकते हैं। केवल कार्पस बनाना ही नहीं, बल्कि रिटायरमेंट के बाद उस राशि को बुद्धिमानी से निकालने की योजना भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। शुरुआती वर्षों में आवश्यकता से अधिक निकासी से फंड पर अनावश्यक दबाव पड़ सकता है। इसके अलावा, निवेश और निकासी पर लागू होने वाले कर नियमों को समझना भी अनिवार्य है।

वित्तीय लक्ष्यों के लिए अपनाएं लक्ष्य-आधारित निवेश: एएमएफआई गाइड

नई दिल्ली । बड़े वित्तीय लक्ष्यों जैसे घर, बच्चों की शिक्षा या रिटायरमेंट के लिए केवल बचत करना अक्सर पर्याप्त नहीं होता। विशेषज्ञ ऐसी स्थिति में लक्ष्य आधारित निवेश की सलाह देते हैं, जहां आप अपनी ज़रूरतों, समय-सीमा और राशि के अनुरूप निवेश की रणनीति बनाते हैं। एसोसिएशन आफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के अनुसार, लक्ष्य आधारित निवेश में सबसे पहले अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों की पहचान करना आवश्यक है। इसके बाद प्रत्येक लक्ष्य की समय-सीमा और अपनी जोखिम क्षमता का आकलन महत्वपूर्ण है। लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए इक्विटी और कम अवधि के लिए डेट फंड जैसे विकल्प उपयुक्त माने जाते हैं। म्यूचुअल फंड में लक्ष्य के अनुसार एकमुश्त निवेश के साथ-साथ सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) और सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) जैसे विकल्प भी उपलब्ध हैं, जो नियमित निवेश में मदद करते हैं। एएमएफआई के उदाहरणों से स्पष्ट है कि मासिक एसआईपी के ज़रिए छोटी बचत भी बड़े फंड में बदल सकती है। इसके अलावा निवेश जल्दी शुरू करने का लाभ भी महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, 25 साल की उम्र से निवेश शुरू करने वाला व्यक्ति 35 साल की उम्र से निवेश शुरू करने वाले व्यक्ति की तुलना में सेवानिवृत्ति तक दोगुने से अधिक संपत्ति बना सकता है, भले ही बाद वाला प्रति माह अधिक निवेश करे। अतः लक्ष्य निर्धारित कर, सही रणनीति और नियमित निवेश से वित्तीय स्वतंत्रता हासिल की जा सकती है ।

सेबी ने पीएमएस नियमों में किए व्यापक बदलाव खुले निवेश के नए रास्ते

अब आईपीओ, विदेशी शेयर, डेरिवेटिव्स और म्यूचुअल फंड में भी निवेश संभव

नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) के नियमों में बड़े बदलावों को मंजूरी दे दी है। इन संशोधनों का उद्देश्य पीएमएस कारोबार के दायरे को बढ़ाना और नियमों को सरल बनाना है, जिससे निवेशकों के लिए कई नए विकल्प उपलब्ध होंगे। सेबी बोर्ड ने 24 सितंबर को म्यूचुअल फंड यूनिट्स में निवेश के लिए पीआरआईएम (पोर्टफोलियो मैनेजर्स रूट फार इनवेस्टिंग इन म्यूचुअल फंड यूनिट्स) को भी हरी झंडी दी है।

नए नियमों के तहत, पोर्टफोलियो मैनेजर अब आईपीओ, विदेशी शेयर, अनलिस्टेड डेट, एक्सचेंज-ट्रेडेड डेरिवेटिव्स और म्यूचुअल फंड सहित कई अन्य विकल्पों में निवेश कर सकेंगे। ग्राहक की सहमति से, डिस्क्रिशनरी पीएमएस कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) का अधिकतम 10 फीसदी बेहतर क्रेडिट रेटिंग वाली अनलिस्टेड और नान-कन्वर्टिबल डेट प्रतिभूतियों में निवेश कर सकेंगे। डेरिवेटिव्स में ग्राहक के एयूएम के 1.25 गुना तक निवेश की अनुमति होगी। इसके अतिरिक्त, विदेशी शेयर, बान्ड, रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट, विदेशी म्यूचुअल फंड और सरकारी बान्ड जैसे वैश्विक एसेट्स में भी निवेश का रास्ता खुल गया है। पीआरआईएम के जरिए, पोर्टफोलियो मैनेजर भारतीय एसेट मैनेजमेंट कंपनियों की डायरेक्ट म्यूचुअल फंड स्कीमों में निवेश कर सकेंगे, जिनमें ईटीएफ और इंडेक्स फंड शामिल हैं। पीआरआईएम के तहत न्यूनतम निवेश 25 लाख रुपये निर्धारित किया गया है। मनीएजूस्कूल के संस्थापक अर्णव पंड्या के अनुसार, ये बदलाव पीएमएस को विविधतापूर्ण पोर्टफोलियो बनाने और निवेशकों की जरूरतों व जोखिम के अनुसार अधिक लचीले विकल्प प्रदान करने में मदद करेंगे।

कैट ने नो यूपीआई डे के आह्वान की खबरों का खंडन किया

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने उन मीडिया रिपोर्टों को सिरे से खारिज कर दिया है जिनमें यह दावा किया गया था कि संगठन ने 2 अक्टूबर को देशव्यापी नो यूपीआई डे का आह्वान किया है। कैट ने एक बयान जारी कर इन खबरों को तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक करार दिया, जिससे संगठन के रुख को लेकर पैदा हुए भ्रम को दूर किया जा सके। संगठन ने स्पष्ट किया कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पोस्ट में 15 अक्टूबर से 2,000 रुपए से अधिक के चुनिंदा यूपीआई लेनदेन पर प्रस्तावित मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) के विरोध में कैट द्वारा नो यूपीआई डे की घोषणा की बात कही जा रही थी। कैट ने कहा, ये खबरें पूरी तरह गलत और भ्रामक हैं तथा कैट के आधिकारिक रुख को प्रतिबिंबित नहीं करती हैं। कैट ने यह भी बताया कि एमडीआर के मुद्दे पर कुछ अन्य व्यापारिक संगठन या क्षेत्रीय निकाय स्वतंत्र रूप से विरोध प्रदर्शन या कार्यक्रम की घोषणा कर सकते हैं, लेकिन उन्हें कैट से जोड़ना या उसके नाम से बताना अनुचित होगा। उल्लेखनीय है कि 15 अक्टूबर से व्यक्ति-से-व्यापारी (पी2एम) यूपीआई भुगतानों पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लागू होगा, जिसका भुगतान व्यापारी करेंगे, बशर्ते लेनदेन 2,000 रुपए से अधिक हो।

फ्लेक्सी कैप फंड: लंबी अवधि का प्रदर्शन क्यों है अहम

नई दिल्ली

शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बीच फ्लेक्सी कैप फंड निवेशकों के बीच चर्चा में हैं। ये फंड मैनेजरों को बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदलने की सुविधा देते हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ एक साल के रिटर्न को देखकर इन फंडों में निवेश का फैसला लेना ठीक नहीं है, बल्कि लंबी अवधि के प्रदर्शन और जोखिम को समझना आवश्यक है। हालिया आंकड़ों के मुताबिक बैंक आफ इंडिया फ्लेक्सी कैप डायरेक्ट ने एक साल में 10.77 फीसदी का रिटर्न दिया, लेकिन तीन साल में 19.35 फीसदी और पांच साल में 16.39 फीसदी का प्रभावशाली रिटर्न दिखाया।

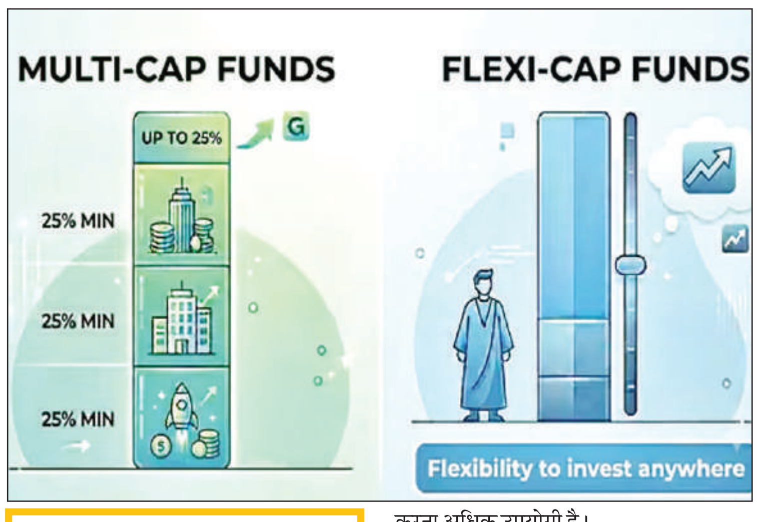

बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच निवेश का लचीला विकल्प

वहीं, क्वांट फ्लेक्सी कैप डायरेक्ट का एक साल का रिटर्न 10.22 फीसदी था, जबकि लंबी अवधि में यह भी बेहतर रहा। ये आंकड़े बताते हैं कि अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रदर्शन में अंतर हो सकता है। बड़ौदा बीएनपी पारिबास म्यूचुअल फंड के फंड मैनेजर के अनुसार फ्लेक्सी कैप जैसे डायवर्सिफाइड इक्विटी फंड का आकलन तीन से पांच साल की अवधि में करना अधिक उपयोगी है।

केवल पाइंट-टू-पाइंट के बजाय रोलिंग रिटर्न भी देखना चाहिए। फंड चुनते समय जोखिम-समायोजित रिटर्न (जैसे स्टैंडर्ड डिविएशन) पर भी ध्यान देना जरूरी है। इसके साथ ही, फंड की निवेश शैली, मार्केट कैप में हिस्सेदारी और किसी एक सेक्टर या शेयर में अत्यधिक एकाग्रता भी देखनी चाहिए, क्योंकि पिछला प्रदर्शन भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं देता।

आईपीओ बाजार में एडरायट सहित चार इश्यू हुए ओवरसब्सक्राइब

नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला, जब शुक्रवार को चार कंपनियों के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बंपर अभिदान के साथ बंद हुए। इनमें एडरायट इंडस्ट्रीज का आईपीओ सबसे आगे रहा, जिसे अंतिम दिन करीब 177 गुना अभिदान प्राप्त हुआ। इसके अलावा स्वास्तिका इंफ्रा, एलिवेट कैम्पसेज और आरमी इंफोटेक के आईपीओ को भी निवेशकों का मजबूत समर्थन मिला। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, 151 करोड़ रुपये के एडरायट इंडस्ट्रीज के आईपीओ में 78,72,900 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 1,39,22,95,200 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं, जिससे यह 176.85 गुना ओवरसब्सक्राइब हुआ। इस आईपीओ को गैर-संस्थागत निवेशकों की ओर से 332.35 गुना, पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) की ओर से 195.04 गुना और खुदरा निवेशकों की ओर से 99.81 गुना अभिदान मिला।

इसका मूल्य दायरा 126-134 रुपये प्रति शेयर था। अन्य आईपीओ में, विद्यार्थियों के लिए आवास सुविधाएं और स्कूली शिक्षा से जुड़ी कंपनी एलिवेट कैम्पसेज के 2,100 करोड़ रुपये के आईपीओ को 1.79 गुना अभिदान मिला। वहीं स्वास्तिका इंफ्रा के 161 करोड़ रुपये के आईपीओ को 7.60 गुना और आरमी इंफोटेक के आईपीओ को 2.44 गुना अभिदान प्राप्त हुआ, जो भारतीय आईपीओ बाजार में बढ़ती निवेशक रुचि को दर्शाता है।

आडी इंडिया ने छत्रपति संभाजीनगर संयंत्र में क्यू3 माडल का उत्पादन शुरू किया, छत्रपति संभाजीनगर संयंत्र में असेंबली शुरू, 16 अक्टूबर को होगी लान्चिंग

छत्रपति संभाजीनगर। जर्मन लग्जरी वाहन निर्माता आडी ने भारत में अपनी लोकप्रिय एसयूवी क्यू3 का स्थानीय उत्पादन शुरू कर दिया है। यह कदम मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देता है, जिससे भारतीय ग्राहकों को जल्द ही यह बहुप्रतीक्षित लग्जरी एसयूवी उपलब्ध होगी। आडी क्यू3 का उत्पादन महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित स्कोडा आटो फाक्सवैगन इंडिया के शेंद्रा संयंत्र में शुरू किया गया है। कंपनी ने घोषणा की है कि नई आडी क्यू3 को भारत में 16 अक्टूबर को आधिकारिक तौर पर लान्च किया जाएगा। यह माडल 2.0 लीटर पेट्रोल इंजन और आडी के प्रसिद्ध क्वात्रो आल-व्हील ड्राइव सिस्टम से लैस होगा, जिसमें अपनी श्रेणी के कुछ विशेष फीचर और अत्याधुनिक तकनीकें भी शामिल होंगी। स्कोडा आटो फाक्सवैगन इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ पीयूष अरोड़ा ने इस उत्पादन को कंपनी की विनिर्माण क्षमता का परिचायक बताया। आडी इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि क्यू3 आडी ब्रांड के लिए एक महत्वपूर्ण माडल रहा है, और नई पीढ़ी के माडल में डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रदर्शन में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 27 सितंबर, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

ईसीआईएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

कार्यकुशलता, सहभागिता और आत्मनिर्भरता को नई गति देती राजभाषा : विवेक जायसवाल

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार के उपक्रम में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 176वीं बैठक का आयोजन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, विवेक जायसवाल की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में निदेशक (कार्मिक), वी.ए.एस. कन्नन, समिति के नवगठित सदस्य तथा ईसीआईएल के विभिन्न प्रभागों/कार्यालयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक का संचालन विश्व दीपक तिवारी, वरिष्ठ प्रबंधक (सीसी एवं राजभाषा) तथा सदस्य-सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा किया गया।

बैठक के प्रारंभ में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के नवगठित सदस्यों का परिचय कराया गया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने सभी नवगठित सदस्यों का स्वागत करते हुए राजभाषा कार्यान्वयन में उनके सक्रिय सहयोग एवं सहभागिता की अपेक्षा व्यक्त की। बैठक में सर्वप्रथम पिछली बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि की गई तथा पूर्व बैठक में लिए गए निर्णयों पर की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई। इस दौरान समिति के पुनर्गठन, ईसीआईएल की वेबसाइट के द्विभाषीकरण, विभागवार तिमाही प्रगति रिपोर्ट तथा आंचलिक कार्यालय (पश्चिम), मुंबई के मुख्यालय द्वारा किए गए राजभाषा निरीक्षण सहित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई। बैठक में ईसीआईएल के आंचलिक कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। विभिन्न कार्यालयों में आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों, कार्यशालाओं, तिमाही प्रगति रिपोर्ट, हिंदी दिवस आयोजन तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की गतिविधियों में सहभागिता की समीक्षा की गई। साथ ही, राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित प्राप्त रिपोर्टों की समयबद्ध समीक्षा एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाने की व्यवस्था की जानकारी दी गई।

बैठक में संसदीय राजभाषा समिति द्वारा ईसीआईएल के विभिन्न आंचलिक/शाखा/यूनिट कार्यालयों में किए गए निरीक्षणों तथा निरीक्षण के उपरांत प्राप्त ध्यान देने योग्य बिंदुओं एवं आश्वासनों पर भी चर्चा की गई।

राजभाषा चेतना एवं हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ईसीआईएल में हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित की जा रही विभिन्न आंतरिक हिंदी प्रतियोगिताओं की भी समीक्षा की गई। बैठक में 14 एवं 15 सितंबर 2026 को आयोजित हिंदी दिवस एवं अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में ईसीआईएल की सहभागिता पर भी चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त, ईसीआईएल की गृह पत्रिका ङ्गईसीआईएल गौरवफके आगामी अंक के प्रकाशन तथा पत्रिका के माध्यम से राजभाषा एवं तकनीकी विषयों को प्रोत्साहित करने संबंधी विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने ईसीआईएल में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सभी विभागों एवं कार्यालयों के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रोत्साहित करने तथा राजभाषा नीति के प्रभावी अनुपालन को सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

बैठक का समापन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा सभी सदस्यों के सक्रिय सहयोग एवं सहभागिता के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए किया गया। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में वी. कनका श्री महालक्ष्मी, डॉ. सीएच. अंबेडकर, अजहर सुल्तान तथा सीएच. निहारिका, प्रशिक्षु (राजभाषा) का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

धार्मिक अंताक्षरी का आयोजन आज

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन श्रावक संघ कोरा के तत्वावधान में महासती आगामीश्री जी म.सा. एवं महासती धैर्यश्री जी म.सा. के सानिध्य में 27 सितंबर रविवार को दोपहर 1 बजे धार्मिक अंताक्षरी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मंत्री अनिल तातेड ने बताया कि यह आयोजन जैन दिवाकर परम पूज्य चौथमल जी महाराज, कर्नाटक गजकेसरी परम पूज्य गणेशलाल जी महाराज एवं उपाध्याय प्रवर परम पूज्य मूलचंद जी महाराज की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में रखा गया है। कार्यक्रम में 24 तीर्थंकरों के नाम पर 24 टीमों का गठन किया गया है। प्रत्येक टीम में चार सदस्य अनिवार्य हैं। त्रिनगर महिला मंडल, बालिका मंडल एवं महिलाओं के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रथम तीन टीमों को सरप्राइज उपहार तथा सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा और सर्वश्रेष्ठ प्रवेश करने वाली टीम को चांदी के सिक्के भेंट किए जाएंगे। सामान्य दर्शकों के लिए भी दो विशेष चरण रखे गए हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जैन सेवा संघ अध्यक्ष उमेश जी बागरेचा रहेंगे। निर्णायक मिनाल जिनेश जैन, संचालन संतोष पगारिया कोठारी तथा संयोजक अनिल तातेड रहेंगे। लाभार्थी बर्दीचंद, यशपाल एवं अंकुश लुणावत परिवार रहेंगे। श्री वर्धमान महिला मंडल का विशेष सहयोग रहेगा। कार्यक्रम के बाद भोजन की व्यवस्था भी रहेगी।

बीडीएल में हिंदी पक्षोत्सव और पुरस्कार वितरण संपन्न

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत डायनामिक्सज लिमिटेड में इस वर्ष दि. 01 से 14 सितंबर और दि. 15 से 25 सितंबर के बीच प्रतियोगिताएॅं, प्रोत्सांहन और प्रचार-प्रसार संकल्पदना के अंतर्गत हिंदी पक्षोत्सयव और पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। दि. 25 सितंबर को आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बी डी एल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक शैलेश वगेरवालने की।

इस वर्ष उद्यम में पक्षोत्सव का उद्घाटन निगम कार्यालय के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) तातीना नरसिह्मम ने दिनांक 01 सितंबर को किया जबकि दि. 02 सितंबर को कंचनबाग़ इकाई में अधिशासी निदेशक मुप्पिडी विनोद कुमार ने इस इकाई के कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। इस प्रकार दि. 01 से14 सितंबर के बीच निगम कार्यालय और कंचनबाग इकाई में प्रतियोगिताएँ संकल्पकना के अंतर्गत दैनिक कामकाज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाने वाली प्रतियोगिताएँ जैसे – श्रुतलेख, प्रशासनिक तथा तकनीकी शब्दाकवली, टिप्पिण एवं आ-लेखनफ,कंप्यूरटर पर हिंदी टंकण सहित भाषा, राजभाषा और प्रचलित साहित्यी पर आधारित मल्टीमिडिया हिंदी प्रश्नेमंच प्रतियोगिता आयोजित की गईं। इसी प्रकार दिनांक 15 सितंबर से 25 सितंबर के बीच प्रचार-प्रसार संकल्पना के अंतर्गत राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा विकसित कराए गए बहुभाषी अनुवाद साफ्टवेयर पर विभागवार तथा डेस्क-टू-डेस्क प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान उद्यम के सीएमडी और निदेशकगण की पहल पर नवोन्मेषी कदम उठाते हुए उद्यम की सभी महत्वपूर्ण जानकारी सहित प्रतिदिन प्रदर्शित की जाने वाली हिन्दी-अंग्रेजी शब्दावली के लिए अत्याधुनिक डिजिटल डिस्प्ले प्रणाली भी संस्थापित कर शुरू की गई।निगम स्तर पर दिनांक 25 सितंबर को आयोजित पुरस्कार वितरण और समापन समारोह के दौरान उद्यम के सी एम डी शैलेश वगेरवाल, निदेशक (तकनीकी) डी वी श्रीनिवास राव, निदेशक (वित्त) जी गायत्री प्रसाद, निदेशक (उत्पादन) कमोडोर सुजय कपूर (से.नि.) और कंचनबाग़ इकाई के अधिशासी निदेशक एम विनोद कुमार ने प्रतियोगिताओं के पुरस्काआर विजेताओं सहित दैनिक कामकाज में हिन्दीा का प्रयोग करने वाले अधिकारी और कर्मचारियों को नकद पुरस्काकरों से सम्मानित किया। इस अवसर पर महाप्रबंधकगण जी चीना, के अरुण कुमार और तातीना नरसिह्मम सहित राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे जबकि विशाखापट्टणम इकाई के प्रधान श्रीधर सिंह तथा भानूर इकाई के मानव संसाधन प्रधान बिप्लब सिन्हा ने कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्याम से भाग लिया।

समापन कार्यक्रम केआरंभ में गृह-मंत्री और रक्षा मंत्री के संदेशों का वाचन किया गया जिसके बाद निदेशकगण ने उद्यम में राजभाषा के कामकाज में हो रही निरंतर प्रगति और उद्यम को ग क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्री य स्तेर पर प्राप्त राजभाषा कीर्ति पुरस्कातर के लिए सभी को बधाई दी।

कार्यक्रम के अध्य क्ष और उद्यम के सी एम डी शैलेश वगेरवाल ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि ङ्गगफक्षेत्र में उद्यम को प्राप्त राजभाषा कीर्ति पुरस्कार सभी के द्वारा हिन्दी में किए जा रहे कामकाज का प्रमाण और एक उपलब्धिअ है जिसके लिए राजभाषा विभाग सहित सभी अधिकारी और कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने आगे कहा कि बी डी एल में हिंदी का कामकाज हमेशा से पूरी गंभीरता के साथ सोद्देश्यन पूर्ण तरीकों से बृहद् स्तआर पर किया जाता रहा है। उन्होंने आगे कहा कि राजभाषा हिंदी के कामकाज को तकनीकी और गैर-तकनीकी क्षेत्रों में समस्त रीय ढंग से लागू करने में उद्यम के सभी विभागों की भूमिकाभी सराहनीय रही है। ई आर पी-सैप और आंतरिक रूप से विकसित आई टी प्लेउटफॉर्म्स पर हिंदी के प्रयोग को लागू करने में बी डी एल अग्रणी रहा है। साथ ही, उन्हों ने राजभाषा के माध्यहम से उद्यम के रक्षा संबंधी कार्यों में हो रहे लाभ की भी चर्चा की और सभी से इसी तरह अपना योगदान देने पर बल दिया।उद्यम के अपर महाप्रबंधक (राजभाषा) होमनिधि शर्मा ने पक्षोत्सव के अंतर्गत आयोजित किए गए कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंदने बताया कि आगामी दिनों में उद्यम संबंधी तकनीकी और गैर-तकनीकी विषयों पर व्याीख्यापन भी आयोजित कर हिंदी और अन्यक भाषा-भाषी अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष रूप से प्रोत्साजहित किया जाएगा। इनके अतिरिक्तत बीडीएल भारती ई-पत्रिका के लिए तकनीकी, गैर-तकनीकी और उद्यम के कामकाज व इससे संबंधित कार्य-संस्कृकति संबंधी विषयों पर मौलिक लेखन भी करवाया जा रहा है।

सफलतापूर्वक आयोजित इस पक्षोत्सधव के समापन कार्यक्रम का संचालन डॉ. नरसिंहम शिवकोटि, उप प्रबंधक (राजभाषा) ने किया जबकि राजभाषा विभाग केसहयोगी मनोहर नाईक, मुख्या कार्यालय अधीक्षक व अन्य सभी साथियो का सक्रिय योगदान रहा।

एनआई-एमएसएमई में बॉयलर ऑपरेटरों का चार दिवसीय प्रशिक्षण

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज (एनआई-एमएसएमई) के स्कूल ऑफ एंटरप्राइज डेवलपमेंट द्वारा जीईएफ, एमएसएमई और यूए-नआईडीओ के सहयोग से 25 से 28 सितंबर तक बॉयलर ऑपरेटरों एवं रखरखाव कर्मचारियों के लिए ङ्गस्टीम सिस्टम ऑप्टिमाइजेशनफ विषय पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य ईंधन की खपत कम करने, ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और औद्योगिक संचालन में सुधार करना है।

कार्यक्रम के पहले दो दिनों में विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण सत्र तथा अंतिम दो दिनों में औद्योगिक भ्रमण कराया जाएगा। थाईलैंड के औद्योगिक बॉयलर एवं सिस्टम विशेषज्ञ डॉ. सोमचाई, यूएनआईडीओ इंडिया के राष्ट्रीय परियोजना समन्वयक देबाजीत दास तथा एनआई-एमएसएमई के निदेशक सूर्य प्रकाश गौड़ ने बॉयलर रखरखाव, भाप प्रणाली की दक्षता, ईंधन बचत, परिचालन प्रक्रियाओं एवं आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। प्रतिभागियों को बॉयलर सिस्टम की सामान्य समस्याओं, उनके कारणों एवं समाधान की व्यावहारिक जानकारी भी दी गई। विशेषज्ञों ने कहा कि नियमित रखरखाव एवं निगरानी से ईंधन की खपत घटाने के साथ उत्पादन लागत नियंत्रित और उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है।

श्री खेतलाजी भैरूजी का जागरण श्रद्धा एवं भक्तिमय वातावरण में सम्पन्न

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीडिमेटला स्थित श्री आई माताजी बडेर सीरवी समाज की ओर से समाजबंधुओं के तत्वावधान में भादवा सुदी तेरस के अवसर पर श्री खेतलाजी भैरूजी का जागरण श्रद्धा एवं भक्तिमय वातावरण में आयोजित किया गया।

समाज की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में उपाध्यक्ष दुर्गाराम मुलेवा एवं सचिव प्रेम पंवार ने संयुक्त रूप से बताया कि जागरण में सोहननाथ, गिरधारीलाल प्रजापत एंड पार्टी ने भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस से सराबोर किया। भजन संध्या के दौरान कलाकारों ने खेतलाजी भैरूजी के चरणों में भक्ति के पुष्प अर्पित किए।

कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथियों का समाज की ओर से सम्मान किया गया। आयोजन में शामिल समाजबंधुओं एवं श्रद्धालुओं के लिए कार्यक्रम स्थल पर अल्पाहार की विशेष व्यवस्था की गई।

इस अवसर पर संरक्षक मांगीलाल काग, उपाध्यक्ष दुर्गाराम मुलेवा, सचिव प्रेम पंवार, उदाराम काग, सोहनलाल हाम्बड़, भीमाराम काग, जयरामलाल परिहार, मोहनलाल काग, देवाराम बर्फा, चन्द्रप्रकाश बर्फा, भुण्डाराम बर्फा, राजुराम लचेटा, अन्नाराम काग, चंदनाराम चोयल सहित पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य एवं बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन सचिव प्रेम पंवार ने किया। आयोजन को लेकर समाजबंधुओं ने प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संरक्षक मांगीलाल काग एवं उपाध्यक्ष दुर्गाराम मुलेवा ने पधारे सभी सीरवी समाजबंधुओं, सहयोगकर्ताओं एवं उपस्थित श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा अन्नसेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि भूखे को भोजन कराना केवल अन्नदान नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा और ईश्वर की आराधना है। निस्वार्थ भाव से किया गया सेवा कार्य समाज में प्रेम, करुणा और अपनत्व की भावना को मजबूत करता है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की ओर से नियमित रूप से की जा रही अन्नसेवा सामूहिक सहयोग और समर्पण का परिणाम है। सेवा में दिखावा नहीं, बल्कि सच्ची भावना और निरंतरता आवश्यक है।

जब समाज के लोग मिलकर जरूरतमंदों की सेवा करते हैं, तो यही सेवा संस्कार का रूप लेकर समाज को नई दिशा देती है।

कार्यक्रम में अनिल अग्रवाल धरसुवाले, दीपचंद अग्रवाल, शिवभगवान, राजेश, नीलम विजयवर्गीय सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा एवं अन्नदान के इस अभियान को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

गोदी परिवार के आवास पर गणपति नवरात्रि उत्सव का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 25 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रोड नंबर 65, जुबली हिल्स स्थित गोदी सतीश रेड्डी और गोदी विजेता देवी के आवास पर गणपति नवरात्रि उत्सव का आयोजन किया गया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के निवास के निकट आयोजित इस समारोह में भक्ति, कर्नाटक शास्त्रीय संगीत, पारंपरिक लोक कलाओं और सामुदायिक भागीदारी का अद्भुत संगम देखने को मिला। उत्सव का समापन गणेश निमज्जनम और पारंपरिक कोलाटम प्रदर्शन के साथ हुआ।

प्रतिदिन पूजा-अर्चना और लगभग 200 लोगों के लिए अन्नदानम का आयोजन किया गया। निमज्जनम के दिन अन्नदानम का लाभ करीब 350 लोगों तक पहुंचा। आसपास के निवासी और भक्त बिना किसी भेदभाव के इसमें शामिल हुए। इसका उद्देश्य साझा करने, देखभाल, एकजुटता और भारतीय परंपराओं के प्रति सम्मान का वातावरण बनाना तथा बचपन की यादों और उत्सवी भावना को पुनर्जीवित करना था।

उत्सव की मुख्य आकर्षण रागा म्यूजिक अकादमी द्वारा प्रस्तुत कर्नाटक शास्त्रीय संगीत कचरी रही। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक रचना महागणपतिम से हुई, जिसके बाद भगवान गणेश को समर्पित कई शास्त्रीय रचनाएं, अष्टक और श्लोक प्रस्तुत किए गए। मृदंगम पर कालीप्रसाद, बांसुरी पर नागुर, वायलिन तथा युवा कलाकार अनुषा सहित अन्य कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी।

गोदी विजेता देवी ने कहा, हम पांचवें वर्ष से भगवान गणेश की कृपा से गणपति नवरात्रि मना रहे हैं।

हमारा उद्देश्य परिवार और आसपास के लोगों में खुशी, शांति, समृद्धि और सकारात्मक माहौल फैलाना है। दैनिक पूजा, अन्नदानम, शास्त्रीय संगीत और पारंपरिक कलाओं के माध्यम से युवा पीढ़ी को हमारी संस्कृति का अनुभव कराना चाहते हैं।

लोध क्षत्रिय समाज द्वारा आयोजित गणेश विसर्जन समारोह–2026 में सम्मिलित होकर धूलपेट एवं आसपास के क्षेत्रों से पधारे सभी गणेश मंडपों और गणेश भक्तों का भव्य स्वागत किया। यह क्षेत्र का एक ऐतिहासिक एवं भव्य मेला है, जिसे वर्षों से छोटा मेला के नाम से जाना जाता है। यह हमारी धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं का अभिन्न हिस्सा है।
इस पावन अवसर पर समाज के सम्मानित सदस्यों एवं वरिष्ठजनों के साथ कार्यक्रम में सहभागिता कर सभी गणेश भक्तों को शुभकामनाएं दीं और भगवान श्री गणेश से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की प्रार्थना की।

सिद्धीविनायक कॉलोनी, दारुसलाम में स्थापित गणेश प्रतिमा के दर्शन लाभ प्राप्त करते हुए महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग, प्रेम बजाज साथ में विनोद गिलडा, सुशली लखोटिया, श्रीगोपाल तोतला, हरिप्रसाद कालिया, रमेशचन्द्र बंग एवं रमेश लखोटिया ।

चूड़ी बाजार में भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी के घर से भगवान श्री गणेश जी को विसर्जन के लिए ले जाते हुए जेठमल सोनी, कांता देवी सोनी, प्रियंका सोनी, जय श्री सोनी, सुरेश कुमार सोनी, अभिषेक सोनी, जय लक्ष्मी सोनी, यह सोनी, धनलक्ष्मी सोनी एवं कड़ेल परिवार।

स्नेहा सोसाइटी दिव्यांग विद्यालय में पंडित दीनदयाल जयंती मनाई

निजामाबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मारुति नगर स्थित स्नेहा सोसाइटी फॉर रूरल रिकंस्ट्रक्शन दिव्यांग विद्यालय परिसर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। नगर महापौर उमरानी एवं नूडा अध्यक्ष केशवेणु ने मुख्य अतिथि के रूप में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर अतिथियों ने दृष्टिबाधित, मानसिक एवं शारीरिक रूप से दिव्यांग विद्यार्थियों को शिक्षा, प्रशिक्षण एवं आत्मविश्वास प्रदान करने के लिए विद्यालय के सचिव एस. सिद्दैया, प्रधानाचार्य ज्योति एवं शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की।

निजामाबाद इंदुर के गोदाम रोड स्थित राजस्थान भवन में राजस्थानी सेवा समाज संघ द्वारा संचालित मारवाड़ी नवयुवक गणेश मंडल का गणेश विसर्जन जुलूस भजन–कीर्तन के साथ निकाला गया।

जीयागुडा डिवीजन के इमामपुरा स्थित नगर निगम सामुदायिक हॉल में नवा भारत संघम के तत्वावधान में गणेश महाप्रसाद लड्डुओं की नीलामी हुई। 27 किलो के बड़े लड्डू को ए. गंगा प्रसाद ने 1,25,500 रुपये, जबकि 11-11 किलो के दो लड्डू चटला सुरेश ने 30,500 रुपये और के. रमेश ने 31,000 रुपये में खरीदे। विजेताओं को अध्यक्ष डी. लक्ष्मीनारायण, पूर्व अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण, उपाध्यक्ष के. श्रीकांत एवं पूर्व सलाहकार डी. संतोष कुमार ने शॉल एवं माला पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में संघम के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

गणेश विसर्जन समारोह में कुमावत समाज ट्रस्ट ने की सेवा

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। देशभर में गणेश विसर्जन का महाआयोजन श्रद्धा एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। वर्ष 1893 में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक द्वारा महाराष्ट्र से शुरू किया गया गणेश उत्सव आज सनातन धर्म के प्रमुख पर्वों में शामिल है। यह उत्सव युवाओं में एकता, उत्साह एवं सामाजिक सहभागिता की भावना को बढ़ावा देता है।

हैदराबाद में गणेश विसर्जन समारोह के दौरान कुमावत समाज ट्रस्ट हैदराबाद–तेलंगाना की ओर से श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद में सेव–बूंदी का वितरण किया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष भाकर राम लारना के नेतृत्व में समाज के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सेवा कार्य में भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा नेता गोविंद जी राठी, प्रकाश जी महाराष्ट्र, गौरक्षक अध्यक्ष दीपक कुमावत जकिया, बडंगपेट कुमावत समाज के संरक्षक रुपाराम लिम्बा, हेमाराम, राकेश कुमावत, प्रिंश बोड़ावड़, ओमप्रकाश चांदोरा, ज्ञानबाग कॉलोनी अध्यक्ष रुपाराम भोपा, संरक्षक भंवरलाल अलोदिया सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में अध्यक्ष भाकर राम लारना, संरक्षक प्रकाश चंद अलोदिया, सचिव संजय कुमार बाकरेचा, उपाध्यक्ष जोगाराम बाकरेचा, राणाराम खुदाल, शंकरलाल मानणिया, प्रचार मंत्री बाबूलाल खुदाल, सहसंगठन मंत्री बाबूलाल मानणिया, परामर्शदाता सुगनचंद, श्यामलाल, गोकुलराम बाकरेचा, माणकचंद आइस, सुखाराम घोड़ावड़, रामचन्द्र, पेमाराम मावर, सुरेश चंद घोड़ावड़, खेल मंत्री प्रकाश चंद बावलियां सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कर्मठ कार्यकर्ताओं में दीपाराम, ओगड़राम, गणपतलाल, किशोर कुमार दुबलदिया, माणकचंद मालिया, बस्ती राम, राजूराम, चंदाराम, रुपाराम, विजय बाकरेचा, बाबूलाल मावर, शंकरलाल, दिनेश कुमावत एकलिया, सुरेश चंद चांदोरा, सुनील, छोटूराम मानणिया, सोहनलाल मोटावत, देवकरण लारना, बनवारीलाल सियोटा, दिलीप कुमावत, श्यामलाल खुदाल, छगनलाल मोटावत सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने सहयोग किया।

इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों ने महिला एवं बाल गोपाल सहित उपस्थित सभी अतिथियों को गमछा, टोपी एवं बैज लगाकर सम्मानित किया। श्रद्धालुओं ने गणेश महाराज की विभिन्न झांकियों का आनंद लिया। अध्यक्ष भाकर राम लारना एवं समस्त पदाधिकारियों ने गणेश उत्सव को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी समाजबंधुओं एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

आयोग...

इसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान या भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान का एक स्वतंत्र विशेषज्ञ भी शामिल होगा। यह समिति दोबारा जांच करेगी कि यह प्रणाली कानूनों और नियमों के प्रावधानों का पालन करती है या नहीं और इसके बाद अपनी रिपोर्ट आयोग को सौंपेगी।

पिछले कुछ महीनों में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से मिले सुझावों के आधार पर पोर्टल में कई उन्नयन किए गए हैं। जरूरत पड़ने पर क्षेत्रीय अधिकारियों को और सुविधाएं दी जाएंगी। अब सूचना प्रौद्योगिकी मॉड्यूल और पोर्टल से जुड़ी नई योजनाओं पर आयोग की मंजूरी से पहले अधिकारियों की समिति में चर्चा होगी।

रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी पर लगाए आरोप

निर्वाचन आयोग की प्रेस विज्ञप्ति जारी होने के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने एक अखबार की रिपोर्ट के आधार पर बेबुनियाद आरोप लगाए। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि निर्वाचन आयोग की बैठक में मुख्य निर्वाचन आयुक्त और दोनों निर्वाचन आयुक्त मौजूद थे।

रविशंकर प्रसाद ने यह भी कहा कि निर्वाचन आयोग की प्रेस विज्ञप्ति में स्पष्ट किया गया है कि एसआईआर की प्रक्रिया 24 जून 2025 को शुरू हुई थी। इसकी शुरुआत बिहार से हुई और बाद में पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों में भी इसे लागू किया गया।

उन्होंने 27 मई 2026 के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का भी उल्लेख किया। रविशंकर प्रसाद ने तृणमूल कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) पर निशाना साधते हुए कहा कि ममता बनर्जी, कांग्रेस और अन्य दल एसआईआर के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय तक गए थे, लेकिन उनके अनुसार अदालत में उन्हें सफलता नहीं मिली। उन्होंने राहुल गांधी के आरोपों पर सवाल उठाते हुए उन पर झूठ बोलने का आरोप लगाया।

दिल्ली–महाराष्ट्र में बढ़ाई गई समय–सीमा

दिल्ली में दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तारीख 30 अक्टूबर 2026 तक कर दी गई है। वहीं, इनके निपटारे की समय–सीमा 30 नवंबर 2026 तक कर दी गई है। महाराष्ट्र में भी दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समय–सीमा बढ़ाकर 12 अक्टूबर 2026 कर दी गई है। वहीं, इनके निपटारे की अंतिम तारीख 10 नवंबर 2026 कर दी गई है। निर्वाचन आयोग ने एसआईआर से जुड़े अन्य प्रक्रियात्मक बदलावों की भी जानकारी दी है।

ज्ञानेश हटाना...

तथ्यों और उपलब्ध सामग्री के आधार पर नोटिस स्वीकार होने के बाद आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यों की समिति बनाई जाती है। यदि लोकसभा और राज्यसभा में एक ही दिन नोटिस दिया गया हो, तो दोनों सदनों में उसके स्वीकार होने के बाद समिति गठित की जाती है। अन्यथा जिस सदन में पहले प्रस्ताव आता है, वहां समिति बनाई जाती है। लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति मिलकर समिति गठित करते हैं। इसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश या सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश, किसी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और एक प्रतिष्ठित कानून विशेषज्ञ शामिल होते हैं।

आरोप सही पाए जाने पर सदन में होगी आगे की कार्रवाई

यदि समिति आरोपों को सही पाती है तो वह अपनी विस्तृत रिपोर्ट सदन में पेश करती है। इसके बाद प्रस्ताव पर चर्चा होती है। चर्चा के दौरान जरूरत पड़ने पर आरोपी निर्वाचन आयुक्त को सदन में बुलाकर सदस्यों द्वारा पूछताछ भी की जा सकती है। इसके बाद मतदान होता है।प्रस्ताव दोनों सदनों में विशेष बहुमत से पारित होने के बाद उसे राष्ट्रपति के समक्ष भेजा जाता है। इसके बाद राष्ट्रपति की अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया होती है। हालांकि भारत में अब तक किसी मुख्य निर्वाचन आयुक्त को इस प्रक्रिया के जरिए पद से हटाया नहीं गया है।

ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए पहले भी दिए गए नोटिस

बताया गया है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए मार्च 2026 में लोकसभा और राज्यसभा में क्रमशः 130 और 63 सांसदों के हस्ताक्षर वाले नोटिस दिए गए थे। इन नोटिसों को 6 अप्रैल को खारिज कर दिया गया था। इसके बाद राज्यसभा में 73 सांसदों के हस्ताक्षर वाला एक और नोटिस दिया गया, जो लंबित है।अब विपक्ष तीसरे नोटिस की तैयारी कर रहा है। गौरतलब है कि विपक्षी गठबंधन ङ्कइंडियाफ की 30 सितंबर को एक बैठक भी होने वाली है। बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हो सकती है।मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार वर्तमान में निर्वाचन आयोग के प्रमुख हैं। निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार उन्होंने 19 फरवरी 2025 को देश के 26वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में पदभार संभाला था।

राहुल भूले...

मध्य प्रदेश में 2003 के विधानसभा चुनाव के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के शासन को लेकर भाजपा की ओर से ङ्कमिस्टर बंटाधारफ का राजनीतिक नैरेटिव सामने आया। बाद के चुनावों में भी यह शब्द कांग्रेस के खिलाफ राजनीतिक प्रचार का हिस्सा बना।

इसी तरह बिहार में राष्ट्रीय जनता दल और लालू प्रसाद यादव के शासनकाल को लेकर ङ्कजंगल राजफ का मुद्दा तथा उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के शासनकाल को लेकर ङ्कमाफिया राजफ का आरोप भाजपा और उसके सहयोगी दलों के चुनावी प्रचार में प्रमुखता से सामने आता रहा है। इन नारों का उद्देश्य पुराने शासन की छवि को चुनावी बहस में बनाए रखना रहा है।

एंटी–इनकंबेंसी का लाभ तभी मिल सकता है जब विपक्षी दल मतदाताओं के सामने खुद को प्रभावी विकल्प के रूप में प्रस्तुत कर सके। तमिलनाडु में कांग्रेस की आखिरी सरकार 1967 में बनी थी। इसके बाद राज्य की राजनीति में द्रविड़ दलों का प्रभाव लगातार बढ़ा और कांग्रेस सत्ता की प्रमुख दावेदार नहीं बन सकी। पश्चिम बंगाल में 1977 के बाद वाम मोर्चे का लंबा शासन रहा, जिसके दौरान कांग्रेस का राजनीतिक प्रभाव काफी कमजोर हुआ। गुजरात और ओडिशा जैसे राज्यों में भी अलग–अलग दौर में कांग्रेस को क्षेत्रीय राजनीतिक शक्तियों से चुनौती मिली।इससे यह संकेत मिलता है कि केवल सत्ता विरोधी माहौल होना पर्याप्त नहीं होता। विपक्षी दल के पास संगठन, नेतृत्व, उम्मीदवार, गठबंधन और मतदाताओं के सामने स्पष्ट राजनीतिक विकल्प भी होना आवश्यक है।

जहां एंटी–इनकंबेंसी का असर सीमित रहा

राहुल गांधी अपने भाषणों में राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु जैसे राज्यों का उदाहरण देते रहे हैं, जहां अलग–अलग समय पर मतदाताओं ने सत्ता परिवर्तन किया। लेकिन भारतीय राजनीति में ऐसे राज्य भी रहे हैं जहां मतदाताओं ने किसी नेता या दल को लगातार कई कार्यकाल दिए।

गुजरात में नरेंद्र मोदी, मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान, बिहार में नीतीश कुमार, उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ, त्रिपुरा में माणिक सरकार और ओडिशा में नवीन पटनायक लंबे समय तक सत्ता में रहे नेताओं में शामिल हैं। इन सभी नेताओं की राजनीतिक विचारधारा, दल और शासन की परिस्थितियां अलग–अलग रही हैं, इसलिए इनके उदाहरणों को एक ही राजनीतिक मॉडल के रूप में देखना उचित नहीं होगा। फिर भी इन राज्यों के चुनाव परिणाम यह दिखाते हैं कि हर चुनाव में सत्ता परिवर्तन होना कोई अनिवार्य चुनावी नियम नहीं है। चुनाव में सत्ता विरोधी भावना के साथ–साथ मतदाताओं के सामने उपलब्ध विकल्प, संगठनात्मक क्षमता, उम्मीदवारों की स्वीकार्यता, गठबंधन और स्थानीय मुद्दे भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के परिणामों के विश्लेषण में भी गठबंधन, संविधान और आरक्षण से जुड़े मुद्दों तथा सामाजिक समीकरणों को महत्वपूर्ण कारकों में गिना गया। कुल मिलाकर, एंटी–इनकंबेंसी चुनावी राजनीति का एक महत्वपूर्ण तत्व है, लेकिन यह अपने आप में चुनाव जीतने का निश्चित आधार नहीं है। सत्ता विरोधी भावना को चुनावी समर्थन में बदलने के लिए विपक्ष को संगठन, नेतृत्व, उम्मीदवार, गठबंधन और मुद्दों के स्तर पर भी प्रभावी रणनीति तैयार करनी पड़ती है। इसी तरह सत्ताधारी दल के लिए भी अपने शासन के प्रति मतदाताओं की प्रतिक्रिया को समझना और उसका राजनीतिक जवाब तैयार करना महत्वपूर्ण होता है। यही वजह है कि हर चुनाव में एंटी–इनकंबेंसी और प्रो–इनकंबेंसी का असर अलग–अलग परिस्थितियों में अलग रूप में दिखाई देता है।

मोदी–योगी भेंट...

राजनीतिक गतिविधियों के बीच प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की यह मुलाकात चर्चा का विषय बनी हुई है। मीडिया रिपोर्टों में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों और संगठनात्मक रणनीति से जुड़े विषयों पर भी विचार–विमर्श हुआ। हालांकि, बैठक के सभी बिंदुओं की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।फिलहाल प्रधानमंत्री कार्यालय ने केवल मुलाकात की पुष्टि की है और बैठक में किन विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई, इसकी आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है। ऐसे में आगे इस मुलाकात से संबंधित और जानकारी सामने आने की प्रतीक्षा है।

पाक को...

बिजली वितरण कंपनियों के निजीकरण का मुद्दा भी आईएमएफ के साथ होने वाली समीक्षा वार्ता में शामिल है। पाकिस्तान सरकार ऊर्जा क्षेत्र और सरकारी स्वामित्व वाले उपक्रमों से जुड़ी अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।हालांकि, पाकिस्तान की राष्ट्रीय सभा की स्थायी समिति में इस मुद्दे को लेकर सवाल भी उठाए गए। समिति के सदस्यों ने पूछा कि यदि लाभ में चल रही बिजली वितरण कंपनियों का निजीकरण किया जाता है तो घाटे में चल रही कंपनियों का क्या होगा। अधिकारियों ने बताया कि कुछ वितरण कंपनियों के निजीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है और संभावित निवेशकों की रुचि भी सामने आई है।

चीनी नीति और इस्लामी बैंकिंग भी दायरे में

चीनी नीति में बदलाव भी आईएमएफ के साथ समीक्षा वार्ता का हिस्सा है। वित्त सचिव के अनुसार, सरकार ने चीनी नीति को उदार बनाने के लिए मसौदा तैयार किया है। तीन प्रांतों ने इस नीति पर सहमति जताई है, जबकि एक प्रांत की ओर से कुछ आपत्तियां सामने आई हैं।

इसके अलावा इस्लामी बैंकिंग से जुड़े सुधार और कर नीति कार्यालय से संबंधित मुद्दों पर भी आईएमएफ के साथ चर्चा होने की जानकारी दी गई है। सरकार के लिए प्रेषण यानी विदेशों से आने वाले धन और संप्रभु संपत्ति कोष से जुड़े सुधार भी समीक्षा के महत्वपूर्ण विषय हैं।

7 अरब डॉलर के कार्यक्रम की चौथी समीक्षा

पाकिस्तान के लिए 7 अरब डॉलर का विस्तारित ऋण सुविधा कार्यक्रम सितंबर 2024 में मंजूर हुआ था। आईएमएफ के कार्यक्रम दस्तावेज के अनुसार, इसकी नियमित समीक्षा के तहत सितंबर 2026 में चौथी समीक्षा निर्धारित है। कार्यक्रम के साथ 1.4 अरब डॉलर की लचीलापन एवं स्थिरता सुविधा भी जुड़ी हुई है, जिससे दोनों कार्यक्रमों का कुल आकार लगभग 8.4 अरब डॉलर बताया गया है।इस समीक्षा के दौरान पाकिस्तान की राजकोषीय स्थिति, कर संग्रह, ऊर्जा क्षेत्र, सरकारी स्वामित्व वाले उपक्रमों में सुधार, निजीकरण और अन्य संरचनात्मक सुधारों की प्रगति का आकलन किया जाएगा। ऐसे में 174 विधायी संशोधनों को संसद के सामने रखना पाकिस्तान सरकार के लिए कार्यक्रम की आगे की समीक्षा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

ईरान से ...

बदलने की क्षमता रखने वाला पुनःप्रवेश वाहन तथा इलेक्ट्रो–ऑप्टिकल मार्गदर्शन प्रणाली होने की जानकारी दी गई है। ईरान ने इसे मई 2025 में सार्वजनिक किया था। सितंबर में अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन को निशाना बनाकर किए गए हमले के संबंध में ईरानी मीडिया ने दावा किया कि कासिम बसीर मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। एक ईरानी अधिकारी ने यह भी दावा किया कि मिसाइल अमेरिकी युद्धपोत के करीब गिरी, लेकिन उसे सीधे नुकसान पहुंचाने की स्वतंत्र पुष्टि सामने नहीं आई है।बड़े विमानवाहक पोत और विध्वंसक पोत समुद्र में अमेरिकी सैन्य शक्ति की महत्वपूर्ण इकाइयां हैं। लेकिन लंबी दूरी की सटीक मिसाइलों के खतरे के बीच ऐसे युद्धपोतों की तैनाती में दूरी और सुरक्षा का संतुलन महत्वपूर्ण हो जाता है। सैन्य विश्लेषणों के अनुसार, अमेरिकी नौसेना की वायु और मिसाइल रक्षा प्रणालियां ऐसे खतरों से निपटने के लिए कई स्तरों पर काम करती हैं।

अमेरिकी बेड़े की तैनाती में बदलाव

उपलब्ध उपग्रह तस्वीरों और सैन्य विश्लेषणों में अमेरिकी विमानवाहक पोतों की तैनाती में बदलाव का उल्लेख किया गया है। इससे संकेत मिलता है कि अमेरिकी नौसेना ने ईरान के तट और संभावित मिसाइल प्रहार क्षेत्र से दूरी बनाए रखने पर अधिक जोर दिया है। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों की ओर से यह स्पष्ट रूप से नहीं कहा गया है कि जहाजों की स्थिति में बदलाव केवल कासिम बसीर मिसाइल के कारण किया गया है।

कासिम बसीर को लेकर ईरान के दावों के बीच अमेरिकी युद्धपोतों के लिए लंबी दूरी की मिसाइलों से पैदा होने वाले खतरे पर सैन्य विशेषज्ञों का ध्यान गया है। यदि किसी मिसाइल में चल रहे समुद्री लक्ष्य को ट्रैक करने और अंतिम चरण में दिशा बदलने की क्षमता हो, तो वह युद्धपोतों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त चुनौती पैदा कर सकती है। हालांकि, इन क्षमताओं और हालिया हमले में इनके वास्तविक इस्तेमाल को लेकर कई दावे अभी स्वतंत्र जांच के अधीन हैं।

खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा पर असर

अमेरिकी नौसैनिक तैनाती में बदलाव का असर खाड़ी क्षेत्र की समुद्री सुरक्षा पर पड़ सकता है। ईरान लंबे समय से अमेरिकी सैन्य मौजूदगी और क्षेत्र में समुद्री गतिविधियों को लेकर कड़ा रुख अपनाता रहा है। हालिया घटनाओं के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य और उससे जुड़े समुद्री मार्गों की सुरक्षा भी प्रमुख चिंता बनी हुई है। विश्लेषणों के अनुसार, क्षेत्रीय देशों ने अमेरिकी समर्थित समुद्री व्यवस्थाओं और वैकल्पिक मार्गों पर भी अधिक निर्भरता दिखाई है। ईरान कासिम बसीर के कथित इस्तेमाल को अपनी मिसाइल क्षमता की सफलता के रूप में पेश कर रहा है, जबकि अमेरिकी पक्ष ने हाल के मिसाइल हमलों के जवाब में अपनी सैन्य कार्रवाई जारी रखी है। दोनों पक्षों के दावों में अंतर है और मिसाइल के वास्तविक प्रभाव को लेकर स्वतंत्र पुष्टि सीमित है।कासिम बसीर की चर्चा ने एक बार फिर यह सवाल सामने ला दिया है कि लंबी दूरी की और संभावित रूप से गतिशील लक्ष्य को निशाना बनाने वाली मिसाइलों के दौर में बड़े युद्धपोतों की समुद्री तैनाती किस तरह की जाए। फिलहाल अमेरिकी नौसैनिक गतिविधियों में दिखाई दे रहा बदलाव खाड़ी क्षेत्र में सैन्य जोखिम, समुद्री सुरक्षा और रणनीतिक मौजूदगी के बीच बदलते संतुलन की ओर संकेत करता है।

नाबालिग...

अदालत के अनुसार, पीड़िता आरोपी की पत्नी थी या नहीं और विवाह वैध था या नहीं, इससे लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध पर कोई असर नहीं पड़ता।

अधिनियम के तहत 18 वर्ष से कम उम्र के व्यक्ति को बच्चा माना जाता है और बच्चे की सहमति के बावजूद उसके साथ यौन संबंध अपराध है। भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धारा भी 18 वर्ष से कम उम्र की महिला के साथ यौन संबंध को दुष्कर्म की श्रेणी में रखती है।

गर्भवती होने पर सामने आई उम्र

इस मामले में व्यक्ति और उसकी पत्नी ने अदालत में याचिका दायर की थी। महिला ने बताया कि जब उसका विवाह हुआ, तब उसकी उम्र 16 वर्ष 3 महीने थी, जबकि उसके पति की उम्र 28 वर्ष थी। दोनों ने परिवारों की सहमति से विवाह किया था। बाद में महिला गर्भवती हुई और सरकारी अस्पताल में जांच के दौरान उसकी उम्र सामने आई।महिला ने कहा कि विवाह उसकी इच्छा से हुआ था और उस पर किसी तरह का दबाव नहीं था। उसने पति की जमानत का भी समर्थन किया और गर्भावस्था के दौरान पति को अपने साथ रखने की मांग की।याचिका में दलील दी गई कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत बालिग होने की उम्र यानी यौवन प्राप्त कर चुकी मुस्लिम लड़की विवाह कर सकती है और इसलिए विवाह के बाद पति–पत्नी के बीच संबंधों को अपराध नहीं माना जाना चाहिए।

केरल, पंजाब–हरियाणा हाईकोर्ट भी दे चुके हैं टिप्पणी

गौरतलब है कि केरल हाईकोर्ट ने भी इस साल इसी तरह का रुख अपनाया था। वहीं, 2022 में दिल्ली हाईकोर्ट की एक अन्य पीठ ने इसके विपरीत राय दी थी और मुस्लिम कानून के तहत हुई नाबालिग की शादी के संदर्भ में लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के लागू होने की स्थिति को अलग तरीके से देखा था।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने भी 2022 में मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत 15 वर्ष से अधिक उम्र की लड़की की विवाह करने की क्षमता को लेकर टिप्पणी की थी।

श्रीमद् भागवत कथा की तैयारियां जोरों पर, भूमि पूजन आज

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राजस्थानी जागृति समिति हैदराबाद के तत्वावधान में आगामी पितृपक्ष मास के पावन अवसर पर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन गुरुवार 1 अक्टूबर से बुधवार 7 अक्टूबर 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक साई बाबा मंदिर के प्रांगण, एन.एम. गुड़ा चौरस्ता, अत्तापुर, हैदराबाद में किया जाएगा। श्रीमद् भागवत कथा के संदर्भ में अंतिम तैयारियों को लेकर बैठक रविवार 27 सितंबर को दोपहर 12:30 बजे साई बाबा मंदिर प्रांगण, एन.एम. गुड़ा चौरस्ता, अत्तापुर, हैदराबाद में आयोजित की जाएगी।

पितृपक्ष मास के पावन अवसर पर आयोजित होने वाली श्रीमद् भागवत कथा के कार्यक्रम की संपूर्ण तैयारियों की जानकारी कार्यक्रम के लिए बनाए गए संयोजकों से प्राप्त की जाएगी। कार्यक्रम के सभी संयोजकों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा कर बचे हुए कार्यों की रूपरेखा के अनुसार उन्हें पूर्ण किया जाएगा।

श्रीमद् भागवत कथा के लिए बनाए गए कथा स्थल पर दैनिक यजमान श्री मुकेश कुमार लोया एवं श्री मनोज कुमार सोमाणी, जिला अध्यक्ष, माहेश्वरी समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद द्वारा रविवार 27 सितंबर को दोपहर 12:30 बजे भूमि पूजन किया जाएगा।

सोमाणी ने धार्मिक आस्था रखने वाले सभी धर्मावलंबी बंधुओं से आग्रह किया कि पितृपक्ष मास के पावन अवसर पर आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में परिवार सहित कथा श्रवण करें। कथा श्रवण करने वाले भक्तों एवं बंधुओं के लिए प्रतिदिन शाम आरती के पश्चात प्रसाद रूपी भोजन की व्यवस्था की जा रही है।

उन्होंने सभी से आग्रह किया कि अपने परिवार के पितरों के निमित्त भोजन व्यवस्था में अपना संपूर्ण योगदान देकर पुण्य के सहभागी बनें।

इस आशय की जानकारी समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

विज्ञप्ति में श्रीनिवास सोमाणी ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा में मुख्य यजमान के रूप में श्री अंजनी कुमार जी अग्रवाल (डीआरएस), पूर्व अध्यक्ष, अग्रवाल समाज तेलंगाना को मनोनीत किया गया है।

दैनिक यजमान के रूप में श्री मनीष अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष, अग्रवाल समाज तेलंगाना; श्री राम निरंजन जी अग्रवाल, प्रसिद्ध उद्योगपति; श्री मुकेश कुमार लोया, प्रसिद्ध उद्योगपति; श्री वेणुगोपाल तोतला, प्रसिद्ध उद्य-ोगपति; श्री कमल किशोर कांकाणी, प्रसिद्ध समाजसेवी; श्री बृज गोपाल असावा, प्रबंध निदेशक, महेश कोऑपरेटिव बैंक; श्री राजेंद्र बेहवाल, प्रसिद्ध उद्योगपति; श्री अशोक कुमार हीरावत जैन, प्रसिद्ध उद्योगपति; श्री धनराज महेंद्र कुमार सिंग्रोडिया, प्रसिद्ध उद्योगपति शामिल हैं। सभी ने अपनी स्वीकृति समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी को दी है।

अन्य धार्मिक आस्था रखने वाले गणमान्य बंधुओं से भी संपर्क किया गया है। सभी ने दैनिक यजमान के रूप में सम्मिलित होने का आश्वासन दिया है।

श्रीमद् भागवत कथा के कार्यक्रम प्रतिदिन इस प्रकार रहेंगे

प्रथम दिवस : महात्म्य, अमर कथा, राधा प्राकट्य कथा एवं उत्सव।

द्वितीय दिवस : 24 अवतार की कथा, भागवत रचना कथा, देवर्षि नारद का पूर्ण चरित्र, महाभारत की कथा एवं परीक्षित जी का जन्म।

तृतीय दिवस : आकूति चरित्र, सती चरित्र, शिव विवाह एवं ध्रुव चरित्र।

चतुर्थ दिवस : प्रह्लाद चरित्र, राम अवतार, वामन अवतार एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव।

पंचम दिवस : संपूर्ण बाल लीला एवं गोवर्धन पूजा।

षष्ठम दिवस : रासलीला, महारास लीला, कंस वध एवं श्रीकृष्ण-रुक्मिणी मंगल विवाह।

सप्तम दिवस : सुदामा चरित्र एवं श्रीमद् भागवत कथा विराम।

श्रीनिवास सोमाणी ने कहा कि पितृपक्ष में श्रीमद् भागवत कथा का अत्यधिक महत्व है। पितृपक्ष के पावन दिनों में भागवत कथा सुनना तथा श्रीमद् भागवत कथा करवाना, कथा में पितरों के लिए दान करना और तन-मन-धन से इस धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेना, अपना समय देना तथा यथानुसार दान-सहयोग करना पुण्यदायी माना जाता है।

चर्मस के समक्ष गणफाउंडरी पर भाग्यनगर कावड़ सेवा संघ, हैदराबाद-सिकंदराबाद द्वारा विराट विसर्जन जुलूस में पधारने वाले गणेश भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर मांगेराम तायल, सुरेंद्र अग्रवाल, सुनील कुमार अग्रवाल, कमल किशोर मालाणी, चम्पालाल बैद, ललित कड़ेल, पंकज वर्मा, पुरुषोत्तम अग्रवाल, मनीष कुमार किकन, कुणाल गोयल, नंद गोपाल भट्टड़, ओमप्रकाश अग्रवाल, सुरेश जगनानी, विजय कुमार अग्रवाल, उमेश सोनी, शरद वर्मा, पवन दास, श्रीमती रूबी मिश्रा एवं अन्य उपस्थित थे।

मदनूर में श्रद्धा और भक्ति के साथ गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

मदनूर, 26 सितंबर। मदनूर मंडल केंद्र के साथ-साथ विभिन्न गांवों में हिंदू पंचांग के अनुसार 14 सितंबर को भक्तों ने अपने घरों और पूजा पंडालों में भगवान गणेश की स्थापना की। भक्तों ने बड़े भक्ति भाव के साथ दिन-रात श्री गणेश की पूजा-अर्चना की। अनंत चतुर्दशी के साथ ही गणेश उत्सव का समापन हो जाता है। भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी तिथि को अनंत चतुर्दशी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन भक्त विधि-विधान से पूजा करने के बाद बप्पा को गाजे-बाजे के साथ मुख्य बाजार से शोभायात्रा निकालकर ङ्गगणपति बप्पा मोरया, अगले बरस जल्दी आफके जयघोष करते हुए मैसमा तालाब में क्रेन की सहायता से उनका विसर्जन किया गया।कई जगहों पर गणपति की प्रतिमाओं का डेढ़ दिन, तीन दिन, पांच दिन या सात दिन बाद, नौ दिन बाद भी विसर्जन किया गया है, जबकि अधिकांश बड़े पंडालों में गणेश प्रतिमा की विदाई अनंत चतुर्दशी के दिन होती है। इस दिन गणपति बप्पा को श्रद्धा और भावनाओं के साथ विदा किया गया। इस दौरान तहसीलदार एम.डी. मुजीप, स्थानीय पुलिस, ग्राम पंचायत तथा स्थानीय राजनीतिक नेताओं ने सहयोग किया।

रासताली डांडिया रास 2026 की तिथियां घोषित, आधिकारिक पोस्टर का अनावरण

हैदराबाद, 25 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
हैदराबाद के नवरात्रि उत्सवों को इस वर्ष एक नई पहचान मिलने जा रही है। रासताली डांडिया रास 2026 का आयोजन 11 से 19 अक्टूबर तक शमशाबाद स्थित विस्टा कन्वेंशन एंड रिसॉर्ट्स में किया जाएगा। चार वर्षों के सफल डांडिया उत्सवों के अनुभव पर आधारित यह आयोजन संगीत, ऊर्जा और उत्सवी माहौल को बनाए रखते हुए एक नई प्रस्तुति के साथ आएगा।

तिथियों की घोषणा के साथ आधिकारिक पोस्टर का भी अनावरण किया गया।आयोजन टीम में देवेंदर झावर (रंगोली मार्केटिंग कंपनी), मुरली (वी स्टोरीज), सुरेंद्र (के.बी. ज्वैलर्स), अंजनी अग्रवाल (डीआरएस इंटरनेशनल), मनोज इनानी (एसएमडी इवेंट्स एंड एग्जिबिट्स) और प्रदीप (आईफ्लाई स्टेशन) शामिल हैं।

एफएफआईएन – सेवनहिल्स फिनटेक प्राइवेट लिमिटेड (श्री प्रमोद) इस आयोजन के टाइटल स्पॉन्सर हैं।

पावर्ड बाय में श्री बाला (विंटेज कॉफी), आदित्य गोयल (एम्ब्रोसिया हर्बल एलिक्सिर), सुशील अग्रवाल (बीके टेक्सटाइल्स एंड फ्लावर) और आईआरए द रिवोल्यूशन शामिल हैं।बीटमेकर्स सभी नौ रातों में लाइव म्यूजिक पेश करेंगे। रासताली को डांडिया, गरबा, लाइव म्यूजिक, भोजन, संस्कृति और मनोरंजन का सम्मिलित अनुभव बनाने के रूप में तैयार किया जा रहा है।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर जागरूकता रैली

जोधपुर, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग की ओर से विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर जागरूकता रैली निकाली गई। कुलगुरु प्रो. पवन कुमार शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया। इससे पहले विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया।

कुलगुरु ने कहा कि फार्मेसी के क्षेत्र में अनुसंधान, औषधि उद्योग, नैदानिक अनुसंधान, औषधि सुरक्षा और नवीन तकनीकों में विद्यार्थियों के लिए व्यापक अवसर हैं। रैली में बी.फार्मेसी एवं डी.फार्मेसी के विद्यार्थियों ने भाग लेकर औषधियों के सुरक्षित उपयोग, स्वास्थ्य जागरूकता और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में फार्मासिस्ट की भूमिका का संदेश दिया।

रैली जेएनवीयू के नवीन परिसर स्थित फार्मेसी विभाग से शुरू होकर पाली रोड, भगत की कोठी, रिक्तिया भैरूजी चौराहा, एस.एन. मेडिकल कॉलेज, एम.डी.एम. अस्पताल एवं शास्त्री सर्किल होते हुए पुनः विश्वविद्यालय परिसर पहुंची। इस अवसर पर विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. संगीता लूनकर, इंजीनियरिंग एवं वास्तुकला संकाय की अधिष्ठाता प्रो. रचना वर्मा, प्रो. ओमप्रकाश बिश्नोई, फार्मेसी विभागाध्यक्ष प्रो. बी.आर. गाडी सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भवानी परिवार का दुर्गा पूजा एवं डांडिया 13 अक्टूबर को

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नवरात्रि के अवसर पर भवानी परिवार (भावसार क्षत्रिय समाज) की ओर से दुर्गा पूजा एवं डांडिया कार्यक्रम का आयोजन 13 अक्टूबर 2026 को नामपल्ली स्थित प्रदर्शनी मैदान, शेड नंबर-3 में शाम 6 बजे से रात 11:30 बजे तक किया जाएगा। कार्यक्रम में मां भवानी की आरती, भजन, डांडिया रास तथा समाज के लिए महाप्रसाद का आयोजन होगा।

कार्यक्रम की तैयारियों में आशा किरण नीमकर, ज्योति श्रीधर चुटके, बबिता महेंद्रकर, कमल गडाले, कुसुम वात्रे, श्याम सुंदर भांडेकर, अशोक नीमकर एवं सुरेश गडाले सहित समिति के सदस्य जुटे हैं। आयोजकों ने सभी भावसार बंधुओं एवं परिवारजनों से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम में सहभागी बनने की अपील की है।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा संपन्न

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की आरती एवं पूजा श्रद्धापूर्वक संपन्न हुई। पूजा में प्रवीण कुमार अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल (दिल्लीवाले), सुरेश कुमार अग्रवाल (दिल्लीवाले), राजेंद्र कुमार गुप्ता, कन्हैयालाल अग्रवाल, जवाहरलाल सोलंकी, नारायणलाल बाहेती, तन्वी अग्रवाल सहित यजमानों ने भाग लिया। राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने गणेश चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक प्रतिदिन पूजा में शामिल होने वाले सभी यजमानों एवं भक्तों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेवा, मोहनलाल मित्तल, विनोद टिकमानी, विठ्ठलदास अग्रवाल (बड़े गांव वाले), प्रमोद कुमार सरावगी, अशोक कुमार लखोटिया, अशोक सरावगी, सुरेश कुमार अग्रवाल, सी.ए. राहुल सिंघल, वेंकटेश श्रीनिवास, राजेंद्र रेड्डी, मड्डी लक्ष्मण, माया अग्रवाल, विजयालक्ष्मी रेड्डी, संध्या, विभा देवी, लक्ष्मीबाई सहित अन्य भक्त उपस्थित रहे।

चकाली ऐलम्मा की जयंती पर श्रद्धांजलि

पेद्दापल्ली, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चकाली ऐलम्मा की जयंती के अवसर पर बीआरएस नेता दासारी उषा ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि वीरनारी चकाली ऐलम्मा तेलंगाना के आत्मसम्मान और वीरता की प्रतीक थीं। उन्होंने शोषण के खिलाफ संघर्ष करते हुए महिलाओं के अधिकारों और आत्मसम्मान के लिए प्रेरणा दी। दासारी उषा ने कहा कि चकाली ऐलम्मा की आकांक्षाओं को साकार करने और जनता एवं महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए प्रयास जारी रहने चाहिए। कार्यक्रम में बीआरएस के स्थानीय नेता, कार्यकर्ता, समर्थक एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

केबीआर पार्क पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क स्थित वाटर टैंक के समीप नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा और समर्पण की भावना को आगे बढ़ाया गया।

अन्नसेवा के दौरान मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल एवं भंवरलाल गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई। सदस्यों ने कहा कि जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना केवल अन्नदान नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का पुण्य कार्य है।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से विभिन्न सेवा केंद्रों पर अन्नदान किया जा रहा है। ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना तथा समाज में सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना को मजबूत करना है।

इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि मानव सेवा ही ईश्वर आर-ाधना है। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा समाज में सकारात्मक संदेश देती है और जरूरतमंदों के जीवन में सहारा बनती है। राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

मदनूर में आवारा कुत्तों का बढ़ा आतंक

मदनूर, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या से नागरिकों में भय और नाराजगी है। विभिन्न इलाकों में कुत्तों के झुंड घूमते दिखाई दे रहे हैं, जिससे बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को परेशानी हो रही है। अचानक कुत्तों के सामने आने से दोपहिया वाहन चालकों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा भी बढ़ गया है। करीब एक माह पहले आवारा कुत्ते के हमले में एक बालक घायल हो गया था। ग्राम पंचायत की ओर से कुत्तों को पकड़कर शहर से बाहर छोड़ने का अभियान चलाया गया, लेकिन अपेक्षित सफलता नहीं मिली। नागरिकों ने पंचायत प्रशासन से सभी वार्डों में आवारा कुत्तों की समस्या के समाधान के लिए तत्काल एवं सतत व्यापक अभियान चलाने की मांग की है।

224वें चरमोत्सव पर संगीतमय भिक्षु भजन संध्या का आयोजन

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
आचार्य भिक्षु स्वामी के 224वें चरमोत्सव के अवसर पर श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में संगीतमय भिक्षु भजन संध्या का आयोजन तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी, सिकंदराबाद में किया गया। कार्यक्रम युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के विद्वान सुशिष्य मुनिश्री दीपकुमारजी आदि ठाणा-2 के पावन सान्निध्य में आयोजित हुआ।

सभा अध्यक्ष श्री सुशील कुमार संचेती ने सभी का स्वागत करते हुए आचार्य भिक्षु के प्रति श्रद्धाभाव व्यक्त किया तथा उनके जीवन एवं सिद्धांतों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

भजन संध्या में सुशील कुमार संचेती, किशोर कुमार बैद, दिवित जैन, भिक्षु प्रज्ञा मंडली(तेरापंथ युवक परिषद), लक्ष्मीपत बैद, नवनीत कुमार छाजेड़, मोनिका भंसाली, अशोक संचेती, चांद बैद, महिपाल भोजक, हुकमचंद कोटेचा एवं प्रकाश नाहटा आदि ने प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम का संयोजन नवनीत कुमार छाजेड़ एवं प्रकाश जैन बोथरा ने किया।

कार्यक्रम में तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, अणुव्रत समिति एवं जैन तेरापंथ वेलफेयर सोसाइटी का सहयोग रहा।

अखिल भारतीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस की कर्नाटक युवा शाखा के अध्यक्ष आशीष भंसाली को सामाजिक, धार्मिक एवं युवा सेवा कार्यों के लिए ङ्गराष्ट्रीय उत्कृष्ट युवा सम्मानफसे सम्मानित किया गया। सूरत में आचार्यश्री डॉ. शिवमुनिजी महाराज साहेब के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हैदराबाद में चेवेल्ला की रिकार्ड बोली में टाप-5 में चौथे स्थान पर कब्जा

श्रद्धा से सजी चेवेल्ला रच्चाबंडा की विदाई, लड्डू प्रसाद की नीलामी में 28.11 लाख की बोली

ओमप्रकाश सिरवी
चेवेल्ला, 28 सितंबर ।

नगरपालिका में स्थित रच्चाबंडा गणपति उत्सव-2026 का समापन भगवान गणेश के विसर्जन के साथ श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में हुआ। उत्सव के अंतिम दिन आयोजित लड्डू प्रसाद की नीलामी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। बोली शुरू होते ही गणपति बप्पा मोरया और विनायक महाराज की जय के जयघोष से पूरा कार्यक्रम स्थल गूंज उठा।

उत्सव समिति की ओर से लड्डू प्रसाद की प्रारंभिक बोली एक लाख रुपये निर्धारित की गई थी। इसके बाद प्रसाद प्राप्त करने के लिए श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक बोली लगानी शुरू की। रज्जाक समिति, भंडारी शैलजा आग्गारेड्डी और जुकुनागरी प्रताप रेड्डी समेत क्षेत्र के कई परिवारों और श्रद्धालुओं ने नीलामी में भाग लिया। कार्यक्रम को देखने के लिए स्थानीय लोगों के साथ दूर-दराज से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

बोली बढ़ने के साथ मुकाबला भी रोमांचक होता गया। अंततः बंडारी श्रीनिवास रेड्डी उर्फ चेन्ना रेड्डी ने 28.11 (अट्ठाईस लाख ग्यारह हजार एक सौ एक रुपये) की सर्वाधिक बोली लगाकर लड्डू प्रसाद प्राप्त किया।

बोली की घोषणा होते ही कार्यक्रम स्थल पर जयघोष गूंज के साथ आतिशबाजी से आसमान रंग-बिरंगी रोशनी से गुंज उठा ।

चेवेल्ला रच्चाबंडा के लड्डू प्रसाद की 28,11,101 की बोली सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बनी हुई है। हैदराबाद की चर्चित गणपति लड्डू नीलामियों की ढजझ-5 सूची में चेवेल्ला की यह बोली चौथे स्थान पर बताई जा रही है। इस सूची के अनुसार 28.11 लाख की बोली ने चेवेल्ला रच्चाबंडा के लड्डू को हैदराबाद की प्रमुख लड्डू नीलामियों में स्थान दिलाया है, और साथ में सोशल मीडिया पर प्रसारित सूची के रूप में ही देखा जाना चाहिए ।

विनायक महाराज के समक्ष शीश नवाया

लड्डू प्रसाद प्राप्त करने के बाद बंडारी श्रीनिवास रेड्डी ने भगवान विनायक महाराज के समक्ष शीश नवाया। उन्होंने चेवेल्ला के लोगों के सुख, समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

चेवेल्ला रच्चाबंडा में हुई यह नीलामी में कोई रिकार्ड पार पहली बार पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय नहीं बनी, इसे पहले इससे भी ऊंची बोलियां रिकार्ड। बोली गयी । गणपति उत्सव के अंतिम चरण में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ और लोगों के उत्साह ने आयोजन को विशेष बना दिया। इसके साथ ही चेवेल्ला रच्चाबंडा गणपति उत्सव-2026 का समापन भक्तिमय वातावरण में हुआ।

कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक योजना के 70 लाभार्थियों को चेक वितरित

टी. राजा सिंह ने कहासरकारी सहायता के लिए किसी को रिश्वत या कमीशन देने की जरूरत नहीं

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल विधानसभा क्षेत्र में टी. राजा सिंह के कार्यालय के पास शादी मुबारक एवं कल्याण लक्ष्मी योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को कुल 70 चेक वितरित किए गए। इस अवसर पर नांपल्ली मंडल राजस्व अधिकारी (एमआरओ) सहित संबंधित अधिकारी एवं सभी लाभार्थी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर लाभार्थियों से बातचीत करते हुए टी. राजा सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली यह आर्थिक सहायता पूरी तरह लाभार्थियों का अधिकार और उनका पैसा है। इसे प्राप्त करने के लिए किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की रिश्वत या कमीशन देने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने सभी लाभार्थियों से विशेष रूप से अपील की कि यदि कोई व्यक्ति यह कहकर कि मैंने आपका चेक मंजूर करवाया है या मैंने आपको चेक दिलाया है उनसे 10 हजार, 20 हजार रुपये या किसी भी राशि की मांग करता है, तो उसे किसी भी हालत में पैसे न दें।

टी. राजा सिंह ने कहा कि ऐसे व्यक्ति के खिलाफ तुरंत शिकायत की जानी चाहिए। लाभार्थी स्थानीय एमआरओ कार्यालय, नजदीकी पुलिस थाने या सीधे उनके कार्यालय को इसकी जानकारी दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि रिश्वत मांगने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कानून के अनुसार तत्काल कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में मामला लाया जाएगा।

उन्होंने लाभार्थियों से कहा कि सरकारी योजना का लाभ दिलाने के नाम पर किसी को भी पैसे देना जरूरी नहीं है। यदि कोई व्यक्ति गुमराह करके या झूठा भरोसा देकर पैसे मांगता है तो उसकी सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दी जाए, ताकि उसके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जा सके।

उन्होंने कहा कि जनता का पैसा जनता तक बिना किसी बिचौलिए और बिना रिश्वत के पहुंचना चाहिए। यही हमारा उद्देश्य है।

बेटे रियान के जन्मदिन को कमल किशोर अग्रवाल ने बनाया सेवा का पर्व

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कमल किशोर अग्रवाल ने अपने बेटे रियान अग्रवाल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में अन्नसेवा कर जन्मदिन की खुशियां जरूरतमंदों के साथ साझा कीं।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कमल किशोर अग्रवाल ने कहा कि बेटे रियान के जन्मदिन पर अन्नदान सेवा करने से उन्हें विशेष खुशी और आत्मिक संतोष मिला। उन्होंने कहा कि जन्मदिन जैसे खुशी के अवसर को सेवा कार्य से जोड़ना सबसे सुंदर पहल है। अपने परिवार की खुशी में जरूरतमंदों को शामिल कर उनकी सेवा करना मन को सुकून देता है। उन्होंने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रुप द्वारा नियमित रूप से की जा रही अन्नसेवा समाज में सेवा, समर्पण और मानवता की भावना को मजबूत कर रही है।अन्नदान कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, दीपिका अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा, भगत राम गोयल, शंकर अग्रवाल केडिया, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, युवान केडिया, नंद किशोर अग्रवाल, जगन गुप्ता, नंदगोपाल एवं जितेंद्र सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।रियान अग्रवाल के जन्मदिन पर आयोजित अन्न-सेवा ने खुशी के अवसर को मानव सेवा से जोड़ने का संदेश दिया। कमल किशोर अग्रवाल द्वारा की गई इस सेवा के माध्यम से जन्मदिन की खुशियां जरूरतमंदों तक पहुंचीं और सेवा, समर्पण तथा सहयोग की भावना को और मजबूत किया।

अग्रवाल समाज की मीडिया प्रचार-प्रसार समिति के चेयरमैन बने राजकुमार गुप्ता

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अग्रवाल समाज मलकपेट सेंट्रल शाखा के संस्थापक श्री राजकुमार गुप्ता को मीडिया प्रचार-प्रसार समिति का चेयरमैन नियुक्त किया गया है।

राजकुमार गुप्ता अग्रवाल समाज की स्थापना के बाद से पिछले 28 वर्षों से शाखा एवं केंद्र स्तर पर विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं देते आ रहे हैं। समाज के प्रति उनकी दीर्घकालीन सेवाओं को देखते हुए उन्हें मीडिया प्रचार-प्रसार समिति की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इस अवसर पर तेलंगाना अग्रवाल समाज के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल ने पदाधिकारियों की उपस्थिति में राजकुमार गुप्ता को मीडिया समिति के चेयरमैन का नियुक्ति पत्र सौंपा। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के बाद राजकुमार गुप्ता ने कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने उन पर जो विश्वास जताया है, उस विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रेस के माध्यम से समाज के समाचारों एवं विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी प्रभावी रूप से लोगों तक पहुंचाने के लिए वे पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल, मानद मंत्री डॉ. सीमा जैन, संयुक्त मंत्री प्रतीक कुमार नरसरिया एवं कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल अग्रवाल ने नवनियुक्त मीडिया प्रचार-प्रसार समिति के चेयरमैन राजकुमार गुप्ता को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

आरटीसी चुनाव में प्रत्याशी ए. कृष्णय्या को प्रजा एकता पार्टी का पूर्ण समर्थन

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना आरटीसी हैदराबाद वन डिपो एम्प्लॉइज यूनियन सचिव पद के प्रत्याशी ए. कृष्णय्या शनिवार को प्रजा एकता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास से केंद्रीय पार्टी कार्यालय में मिले और उनका समर्थन मांगा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डिपो में सुविधाओं की व्यवस्था की जाए, वाहनों की बाढ़ की समस्या का समाधान किया जाए, ड्यूटी शिफ्ट में न्याय सुनिश्चित किया जाए, कर्मचारियों के लंबित बकाए का भुगतान किया जाए, छुट्टी की सुविधा, कल्याण और सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने यह भी बताया कि वे डिपो में हर समय कर्मचारियों के लिए उपलब्ध रहेंगे।

प्रजा एकता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास ने कहा कि उनकी पार्टी का समर्थन पूर्ण रूप से रहेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से आरटीसी विलय प्रक्रिया को शीघ्र शुरू कर समाधान करने का आग्रह किया। इस मौके पर ए. कृष्णय्या, कट्टा विजयलक्ष्मी, रवींद्र और अन्य लोग मौजूद रहे।

हिन्दी महाविद्यालय समिति की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

हैदरबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिन्दी महाविद्यालय समिति की वार्षिक साधारण सभा दिनांक 26 जुलाई शनिकार को सायं 4 बजे आयोजित की गई। सभा की अध्यक्ष संस्थाध्यक्ष सीए लक्ष्मीनिकास शर्मा ने की।

सभा के प्रारंभ में अध्यक्षजी ने स्वागत संबोधन किया एवं सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सत्र 2023-26 में हुए कार्यों की जानकारी देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की कि इस वर्ष प्रवेश संख्या में वृद्धि उल्लेखनीय है। सर्वप्रथम मंत्री शील कुमार जैन ने गत साधारण सभा की कार्यवाही प्रस्तुत की, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। उन्होंने हिन्दी महाविद्यालय समिति, हिन्दी महाविद्यालय एव एम.सी. गुप्ता ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की विस्तृत जानकारी संबंधी वर्ष 2025-26 की रिपोर्ट प्रस्तुत की। जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। उन्होंने विशेषरूप से आयोजित सेमिनार, अतिथि व्याख्यान एकं खेलकूद में सम्मानजन स्थान की उपलब्धि के लिए प्राचार्य, शैक्षणिक व गैरशैक्षणिक स्टॉफ को बधाई प्रेषित की एवं यह अपेक्षा की कि सत्र 2026-29 में भी इसी प्रकार का सहयोग मिलता रहेगा एकं सभी संस्थाएँ प्रगति पथ पर अग्रसर होगी। कोषाध्यक्ष सीए एस.बी. काबरा ने वर्ष 2025-26 के आय-व्यय विवरण को प्रस्तुत किया एवं सदस्यों के प्रश्नों का समुचित समाधन भी किया। श्री मधुमंत्री एंड असोसिएट को वर्ष 2026-27 के लिए पुनः लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। उपाध्यक्ष श्री श्यामसुंदर मूंदड़ा ने सत्र 2026-29 के लिए पदाधिकारियों एवं प्रबंध समिति के गठन की संवैधानिक जानकारी प्रस्तुत की।सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव रखा कि फरवरी 2027 तक वर्तमान कार्यकारिणी यथावत रहेगी। जयदेव बल्दवा और श्रीमती वैजयंती कोरटकर के नियमानुसार पद मुक्त होने के कारण ज्योति गुरुकारा एवं विनय साबू को प्रबंध समिति में मनोनित किया गया।मानदमंत्री शील कुमार जैन ने जानकारी दी कि दिनांक 3 अक्तुबर को महाविद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा। इस सभा में निम्न सदस्य उपस्थित रहे सर्वश्री सीए लक्ष्मीनिवास शर्मा, श्यामसुंदर मूंदड़ा, शील कुमार जैन, प्रदीप कुमार दत्त, सीए एस.बी. काबरा, ज्योति गुरुकारा, विनय साबू, सुरेशचंद्र लाहोटी, गोविद राठी, किशोर संचेती, सोहनलाल कड़ेल, विनोद लाहोटी, कैलाशनरायण भांगड़िया, सीए अनीष गुप्ता, सुरभि दत्त, किरण आदि उपस्थित रहे।

सभा के अंतिम पड़ाव में संयुक्त मंत्री प्रदीप कुमार दत्त ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

डॉ. सौम्या मिश्रा स्कॉच अवॉर्ड से सम्मानित

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की जेल एवं सुधार सेवाएं महानिदेशक डॉ. सौम्या मिश्रा को प्रभावशाली निवृत्ति डिएडिक्शन सेंटर पहल के लिए प्रतिष्ठित स्कॉच अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उनके नेतृत्व और पुनर्वास, रिकवरी तथा जीवन परिवर्तन के प्रयासों की मान्यता है।

तेलंगाना जेल एवं सुधार सेवाएं विभाग को निवृत्ति डिएडिक्शन सेंटर की स्थापना के लिए स्कॉच अवॉर्ड 2026 प्रदान किया गया। यह पुरस्कार डॉ. सौम्या मिश्रा ने 26 सितंबर 2026 को नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित 109वें स्कॉच समिट में प्राप्त किया।निवृत्ति डिएडिक्शन सेंटर पहल डॉ. सौम्या मिश्रा के नेतृत्व में शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य नशे की लत से जूझ रहे व्यक्तियों को सहायता प्रदान करना तथा पुनर्वास और रिकवरी के मार्ग तैयार करना है। यह पहल सुधार सेवाओं को पुनर्वास और सामाजिक पुनः एकीकरण के साथ जोड़ने वाले विभाग के दृष्टिकोण को दर्शाती है।

इस अवसर पर डॉ. सौम्या मिश्रा ने कहा, यह स्कॉच अवॉर्ड तेलंगाना जेल एवं सुधार सेवाएं विभाग तथा निवृत्ति डिएडिक्शन सेंटर से जुड़े सभी लोगों के सामूहिक प्रयासों की मान्यता है।

वामन अवतार एवं राजा बली के नाम विशाल भजन संध्या आयोजित

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुसापेट स्थित हनुमान मंदिर गौशाला, गुडसाइड रोड पर क्षत्रिय सरगरा समाज तेलंगाना के तत्वावधान में एक शाम वामन अवतार व राजा बली के नाम विशाल भजन संध्या एवं जागरण का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिमय वातावरण में किया गया।

समाज की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि कार्यक्रम की शुरुआत समाजबंधुओं की उपस्थिति में राजा बली की तस्वीर पर माल्यार्पण, पूजा-अर्चना एवं ज्योत प्रज्वलित कर की गई। इसके बाद रात्रि 9:15 बजे जागरण एवं गणेश वंदना की प्रस्तुति के साथ भजन संध्या का शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायक भेराराम सैणचा एवं पिंटू सागर एंड पार्टी ने राजस्थानी भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। भजन गायकों ने राजा बली के चरणों में राजस्थानी भजनों के पुष्प अर्पित किए। देर रात तक चले भजन कार्यक्रम में श्रद्धालु भक्ति में झूमते नजर आए।

कार्यक्रम के दौरान समाजबंधुओं द्वारा राजा बली के चरणों में श्रीफल भेंट कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं मंगलकामना के लिए पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम में पधारे समाजबंधुओं एवं भक्तों के लिए हनुमान मंदिर गौशाला परिसर में शाम 6 बजे से महाप्रसादी की व्यवस्था की गई।

इस अवसर पर जगदीश, हिरालाल, हेमराज, महेंद्र, मुकेश, राजू, प्रकाश, राकेश, अन्नाराम, नेमाराम, राकेश, नरपत, रमेश, हिम्मताराम, अशोक, चंपालाल, अजय, अभिषेक सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.